● वर्ष : 17 ● अंक : 104 ● मूल्य : 02 रुपया मात्र ● पृष्ठ : 08

LKS

RNI NO.: DELHIN / 2008 / 23928
www.loktantrakishaan.com

दैनिक लोकतंत्र की शान

दिल्ली से प्रकाशित रविवार 1 फरवरी 2026 लोकतंत्र का स्तंभ

बलूचिस्तान में एकसाथ 12 जगहों पर बलूचों का हमला

▪ 10 पुलिसकर्मियों की मौत, डिप्टी कमिश्नर को किडनैप किया; शहबाज बोले- इसके पीछे भारत

एजेंसी। क्वेटा

पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में शनिवार को बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने एक साथ 12 जगहों पर हमले किए। हमलों में कम से कम 10 सुरक्षाकर्मी की मौत हुई है। वहीं, पाकिस्तानी सुरक्षाबलों की जवाबी कार्रवाई में 37 लड़ाके भी मारे गए। एक सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि बलूच विद्रोहियों ने क्वेटा, पसनी, मस्तुंग, नुश्की और ग्वादर जिले में शनिवार सुबह 12 से ज्यादा जगहों पर एक साथ हमले किए। राजधानी क्वेटा में कम से कम चार पुलिसकर्मी मारे गए। हालांकि यह साफ नहीं हो पाया कि यह चार पुलिसकर्मी उन 10 सुरक्षाकर्मियों में शामिल हैं या नहीं। क्वेटा के एक सीनियर अफसर ने यह भी बताया कि लड़ाकों ने नुश्की जिले के डिप्टी कमिश्नर का अपहरण कर लिया है। बीएलए ने इसे 'ऑपरेशन हेरोफ' का नाम दिया है। हमले के बाद पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ ने बयान जारी कर दावा किया कि इन हमलों के पीछे भारत का हाथ है।

क्वेटा के बाजार पर बीएलए लड़ाकों का कब्जा : इन हमलों की जिम्मेदारी बलूच लिबरेशन आर्मी ने ली है। संगठन ने कहा कि उसने सैन्य ठिकानों, पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को निशाना बनाया। साथ ही यह भी दावा किया कि मुख्य हाईवे बंद किए गए, ताकि सेना की कार्रवाई में बाधा डाली जा सके। बीएलए लड़ाकों ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर ये दावा किया है कि उन्होंने क्वेटा के एक बाजार इलाके पर कब्जा कर लिया है। हथियारबंद आतंकी बाजार में घुस आए और कुछ समय के लिए पूरे इलाके पर उनका नियंत्रण रहा। हालांकि, इस घटना को लेकर सुरक्षा एजेंसियों की ओर से अभी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। क्वेटा में एएफपी के एक पत्रकार ने बताया कि शहर में कई धमाकों की आवाजें सुनी गईं। पूरे शहर में भारी सुरक्षा तैनात कर दी गई, मुख्य सड़कें सुनसान रहीं और कारोबार ठप हो गया।

आतंकवाद के खत्म होने तक लड़ाई जारी रहेगी : शहबाज

प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने बयान जारी कर दावा किया कि इन हमलों को नाकाम कर दिया गया है। उन्होंने इसके लिए सुरक्षा बलों की तारीफ भी की। उन्होंने कहा कि उन्हें और पूरे देश को अपने शहीदों पर गर्व है। साथ ही उन्होंने इन हमलों के पीछे भारत का हाथ होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि देश से आतंकवाद के पूरी तरह खत्म होने तक यह लड़ाई जारी रहेगी।

पीएम ने अरब देशों के विदेश मंत्रियों के प्रतिनिधिमंडल से की मुलाकात

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को भारत दौरे पर आए अरब देशों के विदेश मंत्रियों के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। यह प्रतिनिधिमंडल दूसरी भारत–अरब विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए भारत में है। बैठक में अरब लीग के महासचिव और विभिन्न अरब देशों के प्रतिनिधिमंडलों के प्रमुख भी शामिल थे। प्रधानमंत्री ने भारत और अरब दुनिया के बीच गहरे और ऐतिहासिक जन–जन के संबंधों को रेखांकित करते हुए कहा कि इन रिश्तों ने वर्षों से दोनों पक्षों के संबंधों को मजबूती और प्रेरणा दी है। मोदी ने आने वाले वर्षों के लिए भारत–अरब साझेदारी के अपने विजन को साझा करते हुए व्यापार और निवेश, ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य तथा अन्य प्राथमिक क्षेत्रों में सहयोग को और गहरा करने की भारत की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि यह सहयोग दोनों क्षेत्रों की जनता के पारस्परिक लाभ के लिए महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री ने फिलिस्तीन के लोगों के प्रति भारत के निरंतर समर्थन को भी दोहराया और गाजा शांति योजना सहित चल रहे शांति प्रयासों का स्वागत किया। उन्होंने क्षेत्रीय शांति और स्थिरता की दिशा में अरब लीग की भूमिका की सराहना भी की।

प्रधानमंत्री ने उप्र के पटना पक्षी अभयारण्य और गुजरात के छारी-ढांड को रामसर स्थल का दर्जा मिलने पर जताई खुशी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उत्तर प्रदेश के एटा में स्थित पटना पक्षी अभयारण्य और गुजरात के कच्छ में स्थित छारी-ढांड को रामसर स्थल के रूप में शामिल किए जाने खुशी जाहिर की। उन्होंने इसे जैव विविधता संरक्षण और महत्वपूर्ण पारिस्थितिक तंत्रों की सुरक्षा की दिशा में एक अहम कदम बताया। प्रधानमंत्री मोदी ने केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव की सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर की गई पोस्ट का जवाब देते हुए यह प्रतिक्रिया दी और प्रधानमंत्री ने अपने एक्स पोस्ट में कहा कि यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हुई कि एटा का पटना पक्षी अभयारण्य और कच्छ का छारी-ढांड रामसर स्थल के रूप में मान्यता प्राप्त कर चुके हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने स्थानीय निवासियों और आर्द्रभूमि संरक्षण के लिए कार्य कर रहे सभी लोगों को बधाई देते हुए कहा कि इस तरह की मान्यताएं जैव विविधता के संरक्षण और महत्वपूर्ण पारिस्थितिक तंत्रों की रक्षा के प्रति देश की प्रतिबद्धता को और मजबूत करती हैं।

ज्वलंत मुद्दा | संपादकीय

आर्थिक सर्वेक्षण का सचः तेज विकास के बीच गहराता आर्थिक ढांचा

हालिया आर्थिक सर्वेक्षण ने एक साथ दो तस्वीरें देश के सामने रखी हैं। पहली तस्वीर बताती है, भारत की जीडीपी वृद्धि दर लगभग 6–7 प्रतिशत के आसपास बनी हुई है। देश दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर बढ़ रहा है। दूसरी तस्वीर दिखाती है कि इसी दौरान आयात निर्यात व्यापार घाटा लगातार 250–280 अरब डॉलर के दायरे में अटका हुआ है। हाल में जारी आर्थिक सर्वेक्षण आंकड़े के रुझान बताते हैं, यह घाटा 300 अरब डॉलर से और भी बढ़ सकता है। सवाल यह है, तेज आर्थिक वृद्धि के बावजूद यह घाटा स्थाई क्यों बना हुआ है? यह अंतर भारत की अर्थव्यवस्था के लिए बड़ी चुनौती है। सर्वे के अनुसार भारत का वैश्विक माल निर्यात में हिस्सा अभी भी 2 प्रतिशत से कम है। आर्थिक विकास के दौरान निर्यात में कोई सफलता भारत को नहीं मिली। 2019 में लगभग 19 ट्रिलियन डॉलर का निर्यात व्यापार था जो अब बढ़कर करीब 24 ट्रिलियन डॉलर तक पहुँचा है।

दुनिया का व्यापार पाँच साल में लगभग 4–5 ट्रिलियन डॉलर की रफ्तार से बढ़ा है। भारत का निर्यात 2019 के अनुपात में आज भी टिका हुआ है। इसके उलट भारत में आयात तेज़ी से बढ़ रहा है। क्रूड ऑयल, इलेक्ट्रॉनिक्स, कैपिटल गुड्स, केमिकल्स और सोना, चांदी जैसे सेक्टर में आयात बिल बढ़ता चला जा रहा है। तेल सेक्टर में भारत लगभग 85प्रतिशत आयात पर निर्भर है। इसलिए रुपये में आई गिरावट से आयात बिल में हजारों करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ भारतीय अर्थव्यवस्था में पड़ रहा है। पिछले एक दशक में मेक इन इंडिया और पीएलआई जैसी योजनाओं के बावजूद ना तो हम अपने देश की मांग को पूरा कर पा रहे हैं और ना ही विदेश मे निर्यात बढ़ा पा रहे हैं। 2019 में जो स्थिति थी वह आज भी बनी हुई है। उदाहरण के तौर पर इलेक्ट्रॉनिक्स का निर्यात जरूर बढ़ा है। उसमें बड़ा हिस्सा आयातित सामग्री का है। इसका नतीजा यह हुआ, जिन इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का भारत निर्यात कर रहा है, उसकी असेंबलिंग भारत में होती है। असली कमाई कंपोनेंट बनाने वाले देशों में चली जाती है। यही कारण है, निर्यात वॉल्यूम इंडेक्स लगभग 179 होने के बावजूद यूनिट वैल्यू इंडेक्स करीब 164 पर अटकी हुई है। जो भारत के निर्यात में कमजोर प्राइसिंग पावर को दर्शाता है।

इस कमी की भरपाई सेवा निर्यात सेक्टर से कुछ हद तक हो रही है। आईटी और अन्य सेवाओं से करीब 260 अरब डॉलर का और प्रवासी भारतीयों से लगभग 100–125 अरब डॉलर की आय हो रही है। वह आयात निर्यात के व्यापार घाटे का 70–80 से संतुलित भरपाई कर रहा है। इसलिए चालू खाता घाटा जीडीपी के लगभग 1प्रतिशत के आसपास बना हुआ दिखता है। यह संतुलन नाजुक स्थिति पर पहुंच गया है।

सैयद जकी हैदर | सम्पदक/प्रकाशक
MOBE NO.9911371802
EMAIL. SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

संक्षिप्त समाचार

पुतिन और जेलेंस्की की नफरत के कारण युद्ध खत्म करना मुश्किल हो रहाः ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेंस्की और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के आपसी नफरत के कारण रूस-यूक्रेन युद्ध को खत्म करना मुश्किल हो रहा है। ट्रंप से रूस-यूक्रेन के बीच समझौते से जुड़ा सवाल किया तो ट्रंप ने जवाब दिया कि हम कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैंने आठ युद्ध खत्म कराए हैं, मुझे लगता था कि वे सभी शायद रूस-यूक्रेन से ज़्यादा मुश्किल होंगे, लेकिन जेलेंस्की और पुतिन एक-दूसरे से नफरत करते हैं और इससे यह युद्ध खत्म कराना बहुत मुश्किल हो जाता है, लेकिन मुझे लगता है कि हम समझौते के बहुत करीब हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप ने इस मौके पर ईरान का जिक्र किया और कहा है कि ईरान अमेरिकी सैन्य कार्रवाई का सामना करने की बजाए समझौता करना चाहता है। ट्रंप ने बिना कोई डिटेल दिए कहा कि मैं यह कह सकता हूं कि वह समझौता करना चाहते हैं। जब उनसे ये पूछा गया कि क्या समझौते के लिए उन्होंने ईरान को डेडलाइन दी है, तो ट्रंप बोले- यह पक्के तौर पर सिर्फ़ ईरान को ही पता है। ट्रंप ने कहा कि उम्मीद है हम एक समझौता करेंगे।

अजित के निधन के चौथे दिन पत्नी सुनेत्रा बनीं डिप्टी सीएम

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति में शनिवार को एक ऐतिहासिक और भावनात्मक मोड़ देखने को मिला, जब दिवंगत अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार ने राज्य की पहली महिला उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने मुंबई स्थित लोकभवन में उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। पूरा शपथ ग्रहण समारोह करीब 12 मिनट तक चला। इस मौके पर कई वरिष्ठ मंत्री और अधिकारी मौजूद रहे, लेकिन राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) के प्रमुख शरद पवार की गैरमौजूदगी राजनीतिक हलकों में चर्चा का विषय बनी रही। सुनेत्रा पवार का शपथ ग्रहण ऐसे समय में हुआ है, जबकि राज्य की राजनीति शोक और अस्थिरता के दौर से गुजर रही है। चार दिन पहले, 28 जनवरी को बारामती में हुए एक दर्दनाक प्लेन क्रैश में उपमुख्यमंत्री अजित पवार का निधन हो गया था। उनके अचानक चले जाने से न सिर्फ पवार परिवार, बल्कि पूरे राज्य में शोक की लहर दौड़ गई थी। उनके निधन के बाद डिप्टी सीएम का पद रिक्त हो गया था, जिसे भरने को लेकर सत्तारूढ़ गठबंधन के भीतर गहन मंथन चल रहा था। शनिवार सुबह राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के विधायक दल और विधान परिषद सदस्यों की एक अहम बैठक विधान भवन में बुलाई गई। दोपहर को संपन्न हुई बैठक में सर्वसम्मति से सुनेत्रा पवार को पार्टी नेता चुना गया। इसके तुरंत बाद उनके उपमुख्यमंत्री बनाए जाने का रास्ता साफ हो गया। जानकारी अनुसार शपथ ग्रहण से पहले सुनेत्रा पवार ने राज्यसभा सांसद पद से इस्तीफा दे दिया, जिसे उपराष्ट्रपति और राज्यसभा सभापति ने स्वीकार कर लिया।

दो दिवसीय दौरे पर बंगाल पहुंचे शाह, कार्यकर्ताओं और नेताओं से होगा संवाद

एजेंसी। कोलकाता

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में अब कुछ ही महीनों का समय बचा है। पश्चिम बंगाल के दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आगामी विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तैयारियों को तेज कर राज्य के दक्षिणी हिस्से में कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित करने और उत्तरी हिस्से में संगठनात्मक बैठक करने वाले है। बीजेपी के चाणक्य शाह शुक्रवार रात कोलकाता पहुंचे थे। भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा, ''शाह सबसे पहले शनिवार को बैरकपुर में कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित करने वाले हैं, और इसके बाद अपराह्न करीब दो बजे बागडोगरा के लिए रवाना होने वाले हैं, जहां उत्तर बंगाल के पार्टी नेताओं के साथ उनकी संगठनात्मक बैठक होनी है। यह एक महीने के भीतर शाह का राज्य का दूसरा दौरा है। वह इससे पहले पिछले साल 30 और 31 दिसंबर को संगठनात्मक और सार्वजनिक कार्यक्रमों के लिए कोलकाता आए थे। पश्चिम बंगाल विधानसभा के चुनाव कुछ महीनों में होने हैं। उत्तर बंगाल पारंपरिक रूप से भाजपा का मजबूत गढ़ रहा है, और शाह यहाँ अपनी पकड़ को और पुख्ता करना चाहते हैं। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में अब कुछ ही महीनों का समय शेष है। शाह का यह दौरा विशेष रूप से उन सीटों और क्षेत्रों पर केंद्रित है जहाँ भाजपा को पिछली बार बढ़त मिली थी या जहाँ मामूली अंतर से हार का सामना करना पड़ा था। संगठनात्मक बैठकों के माध्यम से शाह उम्मीदवारों के चयन और बूथ स्तर की तैयारियों का जायजा लेने वाले है।

पीएम के नेतृत्व में बन रहे समृद्ध, आत्मनिर्भर भारत की प्रक्रिया को गति देगा बजट

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को कहा कि आगामी केंद्रीय बजट पीएम मोदी के नेतृत्व में बन रहे समृद्ध, आत्मनिर्भर और विकसित भारत की प्रक्रिया को गति देगा। केंद्रीय मंत्री चौहान छत्तीसगढ़ के रायपुर में यह बात कही, जहां से वे दुर्ग का दौरा करने और स्थानीय किसानों से बातचीत पहुंचे। चौहान ने कहा कि पीएम मोदी के मार्गदर्शन में एक समृद्ध, आत्मनिर्भर और विकसित भारत का निर्माण हो रहा है। जानकारी के मुताबिक केंद्रीय बजट 2026-27 वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा रविवार को पेश किया जाएगा। इस साल बजट प्रस्तुति सप्ताहांत में पड़ रही है। वित्त मंत्री सीतारमण 1 फरवरी को लगातार नौवीं बार केंद्रीय बजट पेश करने जा रही हैं, जो भारत के संसदीय और आर्थिक इतिहास में एक अहम उपलब्धि होगी। इसके अलावा चौहान ने कहा कि छत्तीसगढ़ युवा प्रगतिशील किसान संघ द्वारा अपनाई जा रही कृषि पद्धतियों की समीक्षा करेंगे। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ प्रगतिशील कृषि के लिए व्यापक रूप से मान्यता प्राप्त है और राज्य के प्रगतिशील किसानों ने उन्हें लंबे समय से अपने काम को देखने के लिए आमंत्रित किया था। उन्होंने कहा कि आज मैं किसानों से बातचीत करने के लिए छत्तीसगढ़ की इस पवित्र भूमि पर आया हूं। मैं दुर्ग जिले के किसानों से मिलूंगा, जहां अत्यधिक प्रगतिशील कृषि पद्धतियां अपनाई जाती हैं। छत्तीसगढ़ युवा प्रगतिशील किसान संघ लंबे समय से मुझे अपने काम को देखने के लिए आमंत्रित करता रहा है और आज मैं ऐसा करूंगा। मैं उनसे चर्चा भी करूंगा और बाद में किसान मेले में भाग लूंगा, क्योंकि किसान मेला सरकार और किसानों के बीच संवाद का सेतु का काम करता है। उन्होंने कहा कि युवा नेता संवाद पहल के तहत पहले दिल्ली का दौरा कर चुके युवाओं को भी इस संवाद में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है। चौहान ने कहा कि युवा नेताओं के संवाद की पहल के तहत, यहां के कुछ युवा दिल्ली गए थे, और मैंने उन्हें भी आमंत्रित किया है, क्योंकि युवाओं के पास कई तरह के विचार होते हैं और मैं उनसे भी बातचीत करूंगा।

गुरु हर राय के प्रकाश पर्व पर लोकसभा अध्यक्ष, गृह मंत्री समेत शीर्ष नेतृत्व ने दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली। सिख धर्म के सातवें गुरु, श्री गुरु हर राय साहिब के पावन प्रकाश पर्व के अवसर पर शनिवार को लोकसभा अध्यक्ष, केंद्रीय मंत्रियों और दिल्ली की मुख्यमंत्री ने देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए गुरु साहिब के जीवन और शिक्षाओं को स्मरण किया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने गुरु हर राय के दिव्य जीवन को करुणा, त्याग, धर्मनिष्ठा और मानव सेवा का अनुपम उदाहरण बताते हुए कहा कि गुरु साहिब का आदर्श आज भी मानवता को सत्य, सेवा और सहिष्णुता के मार्ग पर अग्रसर होने की प्रेरणा देता है। उन्होंने गुरु हर राय को एक महान योद्धा, दयाभाव से परिपूर्ण व्यक्तित्व और आत्मिक पथ के साधक के रूप में स्मरण किया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अपने संदेश में कहा कि गुरु हर राय ने लंगर और संगत की परंपरा को और अधिक सुदृढ़ किया। उनकी शिक्षाएँ करुणा और संवेदना का अक्षय स्रोत हैं। गुरु साहिब ने मानव समाज की निःस्वार्थ सेवा की और अपनी औषधीय ज्ञान परंपरा के माध्यम से सभी जाति-वर्ग के लोगों को आरोग्य प्रदान किया।

गगनयान कार्यक्रम को 2027 में शुरू करने की योजना : इसरो

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष वी नारायणन ने कहा है कि इसरो 2027 में निर्धारित अपने महत्वाकांक्षी गगनयान मिशन के पहले मानवरहित मिशन की दिशा में काम कर रहा है। गगनयान मिशन भारत का पहला मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम है, इसपर वर्तमान में काम हो रहा है। इसका उद्देश्य तीन सदस्यीय दल को तीन दिवसीय अंतरिक्ष मिशन पर भेजना और उन्हें सुरक्षित रूप से धरती पर वापस लाना है। इसरो प्रमुख ने कहा, गगनयान कार्यक्रम को 2027 में शुरू करने की योजना है। इसके पहले तीन मानवरहित मिशन की योजना बनाई गई है। हम पहले मानवरहित मिशन की दिशा में काम कर रहे हैं। नारायणन ने कहा कि वर्तमान में वैज्ञानिक इस मिशन की सफलता के लिए कई परीक्षण करने में लगे हुए हैं। उन्होंने कहा, कई परीक्षण इस लेकर जारी हैं। आप जानते हैं कि गगनयात्रा की सुरक्षा बेहद महत्वपूर्ण है। इसलिए हमें बहुत सावधानी बरतनी होगी। हमें हर प्रणाली की गुणवत्ता की जांच करनी होगी।

नबीन की नई रणनीतिः विस चुनावों के प्रदर्शन से तय होगा पार्टी का भविष्य और सांगठनिक ढांचा

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन द्वारा कार्यभार संभालने के साथ ही संगठन में व्यापक फेरबदल और भविष्य की तैयारियों की सुगबुगाहट तेज हो गई है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, आगामी समय में असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में होने वाले विधानसभा चुनाव न केवल पार्टी के लिए राजनीतिक परीक्षा होंगे, बल्कि कई नेताओं के भविष्य का फैसला भी करेंगे। इन चुनावों में नेताओं के जमीनी प्रदर्शन के आधार पर ही नितिन नवीन की नई राष्ट्रीय टीम में उन्हें जगह दी जाएगी। पार्टी ने विशेष रूप से असम के लिए एक सशक्त रणनीतिक टीम तैनात की है। चुनाव प्रभारी बैजयंत जय पांडा के मार्गदर्शन में काम कर रही इस टीम में दिल्ली की सांसद बांसुरी स्वराज, प्रवेश वर्मा, विधायक अनिल शर्मा और पवन शर्मा जैसे प्रमुख चेहरों को शामिल किया गया है। इनके साथ राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश और राष्ट्रीय सचिव अलका गुर्जर जैसे अनुभवी नेताओं को भी जोड़ा गया है। यह टीम भाजपा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और दिल्ली स्थित केंद्रीय नेतृत्व के बीच एक महत्वपूर्ण सेतु के रूप में कार्य करेगी। इन नेताओं की जिम्मेदारी केवल चुनावी सभाओं और प्रचार तक सीमित नहीं है। उन्हें सूक्ष्म चुनावी प्रबंधन का जिम्मा सौंपा गया है, जिसमें हर नेता को एक से दो लोकसभा क्षेत्रों के भीतर बूथ स्तर की रणनीति बनाने और जनसांख्यिकीय आंकड़ों के गहन विश्लेषण का कार्य दिया गया है। टिकट वितरण और मतदाताओं के बीच पार्टी की सकारात्मक छवि बनाने में भी इनकी भूमिका निर्णायक होगी। नेताओं के चयन में उनकी वैचारिक पृष्ठभूमि, विशेषकर आरएसएस, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) और युवा मोर्चा के साथ उनके पुराने जुड़ाव को प्राथमिकता दी गई है।

जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी, ठंड से जम रहा आंखों में पानी

एजेंसी। नई दिल्ली

उत्तरी इलाकों में फिर सर्दी लौट आई है। सुबह दिल्ली, यूपी, हरियाणा, पंजाब, चंडीगढ़, राजस्थान, मध्य प्रदेश और हिमाचल के कई जिलों में घना कोहरा छाया रहा। यूपी के चार, मध्य प्रदेश के पांच, पंजाब के चार, हरियाणा के तीन जिलों और राजस्थान, बिहार के एक-एक जिले में साथ ही दिल्ली में शनिवार सुबह का तापमान 4 से 8 डिग्री के बीच रहा। हालांकि जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी हुई। उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में भारत, नेपाल, चीन बॉर्डर के पास तापमान माइनस 35 डिग्री रहा। यहां सर्दी इतनी है कि कुछ देर बाहर रहने पर आंखों में पानी जम जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कालापानी इलाके में सशस्त्र सीमा बल के जवान स्पेशल ग्लास लगाकर चीन बॉर्डर पर गश्त कर रहे हैं। यहां नदी, नाले और झरने जम गए हैं। 23 जनवरी के बाद हुई भारी बर्फबारी से नलों और प्राकृतिक स्रोतों का पानी जम गया है। जवानों को पीने और खाना बनाने के लिए बर्फ को पिघलाना पड़ रहा है। जम्मू-कश्मीर में तेज सर्दी के 40 दिन का फेज जिसे चिल्लई कलां कहते हैं। वह 30 जनवरी को खत्म हो गया। इससे जम्मू-कश्मीर में कई इलाकों में रात के मिनिमम टेम्परेचर में बढ़ोतरी हुई। शुक्रवार को श्रीनगर का तापमान 0डिग्री से बढ़कर 1.30 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। ये गुरुवार रात को माइनस 0.6 था। इधर यूपी के लखनऊ, कानपुर, आगरा, बरेली, गाजियाबाद समेत 30 जिले घने कोहरे की चपेट में हैं। कई जिलों में विजिबिलिटी 10 मीटर तक है। दिल्ली-देहरादून हाईवे पर सुबह 6 बजे नंगली गेट के पास 11 गाड़ियां आपस में टकरा गईं। कोहरे की वजह से चार पिकअप, पांच कार और दो ट्रक आपस में टकरा गए। 1 फरवरी को दिल्ली-एनसीआर में बादल छाए रहेंगे। मध्य प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, गुजरात में बारिश की संभावना है।

दिल्ली, समेत कई राज्यों में छाया रहा कोहरा, यूपी में कोहरे से कई वाहन टकराए

वांगचुक की तबीयत बिगड़ी, पुलिस ने चेकअप के लिए एम्स की इमरजेंसी में कराया भर्ती

जोधपुर। एक्टिविस्ट और वैज्ञानिक सोनम वांगचुक की तबीयत जोधपुर सेंट्रल जेल में अचानक खराब हो गई। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर शनिवार सुबह पुलिस उन्हें कड़ी सुरक्षा के बीच जोधपुर स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) की इमरजेंसी में लेकर पहुंची। यहां करीब डेढ़ घंटे तक विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने उनका विस्तृत मेडिकल चेकअप किया। एम्स सूत्रों के अनुसार सोनम वांगचुक को पेट से जुड़ी समस्या की शिकायत है। इसके अलावा उन्हें शरीर के अन्य हिस्सों में भी दर्द महसूस हो रहा था। अस्पताल की इमरजेंसी में गैस्ट्रोलॉजिस्ट द्वारा उनकी जांच की गई और आवश्यक परीक्षण किए गए। जांच पूरी होने के बाद पुलिस टीम उन्हें वापस जेल लेकर रवाना हो गई। बताया जा रहा है कि यह पहला मौका नहीं है जब वांगचुक को इलाज के लिए एम्स लाया गया। इससे पहले शुक्रवार को भी उन्हें मेडिकल जांच के लिए अस्पताल लाया गया था। जेल में रहते हुए वह लंबे समय से स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की शिकायत कर रहे थे, जिसे लेकर उनके परिजनों और समर्थकों ने भी चिंता जताई थी।

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEU-TICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen .
(9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

ख़ास ख़बर

सावित्री ठाकुर अमेरिका में संयुक्त राष्ट्र सामाजिक विकास आयोग की बैठक में हिस्सा लेंगी

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर 02-11 फरवरी तक चलने वाली संयुक्त राष्ट्र सामाजिक विकास आयोग (सीएसओसीडी) के 64वें सत्र में भाग लेने अमेरिकी शहर न्यूयॉर्क जाएंगी। इस दौरान वह भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगी। मंत्रालय के अनुसार संयुक्त राष्ट्र आर्थिक एवं सामाजिक परिषद के अंतर्गत सीएसओसीडी के इस सत्र का उद्देश्य संयुक्त राष्ट्र के समग्र विकास लक्ष्यों का समर्थन करने वाली सामाजिक नीतियों को बढ़ावा देना है। साथ ही यह आयोग गरीबी उन्मूलन, सामाजिक एकीकरण को बढ़ावा देने और सभी के लिए पूर्ण रोजगार तथा सम्मानजनक कार्य सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित करता है। इसके माध्यम से प्रतिनिधियों को एक दूसरे से संवाद स्थापित करने का मौका मिलता है।

दिल्ली विस्फोट : अल फलाह यूनिवर्सिटी के संस्थापक जावेद अहमद की न्यायिक हिरासत 13 फरवरी तक बढ़ी

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। दिल्ली के साकेत कोर्ट ने लाल किला के पास विस्फोट से जुड़े मामले में अल फलाह यूनिवर्सिटी के संस्थापक जावेद अहमद सिद्दीकी की न्यायिक हिरासत 13 फरवरी तक बढ़ा दी है। कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से दाखिल चार्जशीट पर 13 फरवरी को विचार करने का आदेश दिया। ईडी ने 16 जनवरी को जावेद अहमद सिद्दीकी और अल फलाह चैरिटेबल ट्रस्ट के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की थी। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की ओर से दो एफआईआर दर्ज होने के बाद ईडी ने अपनी जांच शुरू की थी। एफआईआर में कहा गया है कि अल फलाह यूनिवर्सिटी ने झूठी सूचना दी कि उसे नेशनल असेसमेंट एंड एक्रेडिटेशन काउंसिल (एनएएसी) की ओर से मान्यता मिल चुकी है। ईडी ने कहा है कि उसने मनी लॉन्ड्रिंग कानून के तहत अल फलाह यूनिवर्सिटी की संपत्तियों को अनौपचारिक तौर पर जब्त कर लिया है। जावेद अहमद को ईडी ने 18 नवंबर 2025 को गिरफ्तार किया था। फरीदाबाद स्थित अल फलाह यूनिवर्सिटी लाल किला के पास विस्फोट के बाद से ही जांच एजेंसियों के रडार पर थी। विस्फोट मामले में गिरफ्तार तीन डॉक्टरों का संबंध अल फलाह यूनिवर्सिटी से पाया गया, जिसके बाद इस यूनिवर्सिटी के खिलाफ जांच शुरू की गई। ईडी ने जावेद को टेरर फंडिंग और मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में गिरफ्तार किया था।

विवेकानंद महाविद्यालय में भारतीय भाषाओं से राष्ट्रीय एकता पर सम्मेलन का आयोजन

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। विवेकानंद महाविद्यालय के हिन्दी विभाग और भारतीय भाषा समिति के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का महाविद्यालय के प्रांगण में आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विषय – 'भारतीय भाषा परिवारः भारतीय भाषाओं के माध्यम से राष्ट्रीय एकता' था। आयोजकों की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार 29-30 जनवरी को आयोजित सम्मेलन भारतीय भाषाओं को समझने, साहित्य और सिनेमा में भारतीय भाषाओं के योगदान और तकनीक के साथ भारतीय भाषाओं के जुड़ाव को नवीन दृष्टिकोण से जानने में कारगर सिद्ध हुआ।सम्मेलन में कई सत्र आयोजित किए। अंतिम सत्र के मुख्य अतिथि रामबहादुर राय (अध्यक्ष, आईजीएनसीए) और प्रो.रंजन कुमार त्रिपाठी (डीन, दिल्ली विद्यालय) रहे। सम्मेलन के प्रथम सत्र के मुख्य अतिथि प्रो प्रफुल्ल केतकर (संपादक, ऑर्गनाइजर), प्रो मोहन (कुलपति, श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय), प्रो बंदना झा (अध्यक्ष, भारतीय भाषा केंद्र जेएनयू) थे। इन्होंने 'भारतीय भाषा परिवार' नामक दो पुस्तकों का विमोचन किया।इस दौरान प्रो. केतकर ने कहा कि हमारी संस्कृति संपूर्ण विश्व में अपनी तरह का एक ही उदाहरण है। हम विविधतापूर्ण समाज का अंग हैं। हमें एक नई दृष्टि अपनानी होगी जहां 'विविधता में एकता के स्थान पर एकता की विविधता' हमारे केंद्र में होनी चाहिए। हमें चश्मा बदलने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि भारतीय भाषाओं का स्वरूप अलग हो सकता है लेकिन हमारा लक्ष्य केवल भारत की उन्नति होना चाहिए। इसी प्रकार अन्य वक्ताओं ने भी भारतीय भाषाओं की विविधता, समन्वय और विकास की ओर हमारा ध्यान आकर्षित कराया। सम्मेलन के दूसरे दिन 'भारतीय भाषा परिवार' पुस्तकों पर पैनल चर्चा आयोजित की गई। इस सत्र में भारतीय भाषा परिवार की दोनों पुस्तकों पर विद्वानों ने विस्तृत मंथन किया। अगले सत्रों में भाषा और भारतीय समाज में एकात्मकता के सूत्रों का विस्तार से विश्लेषण किया गया।

तंबाकू पर अतिरिक्त उत्पाद शुल्क, पान मसाला पर स्वास्थ्य उपकर एक फरवरी से होंगे लागू

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण रविवार, 01 फरवरी को वित्त वर्ष 2026-27 का बजट पेश करेंगी लेकिन उससे पहले ही सिगरेट, तंबाकू और पान मसाला महंगे होने जा रहे हैं। सरकार के मुताबिक सिगरेट और तंबाकू उत्पादों पर अतिरिक्त उत्पाद शुल्क तथा पान मसाला पर स्वास्थ्य उपकर 01 फरवरी से लागू हो जाएगा। ये वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की उच्चतम 40 फीसदी की दर के ऊपर लगाया जाएगा। यह उपकर और उत्पाद शुल्क इन हानिकारक वस्तुओं पर 01 जुलाई 2017 से लागू 28 फीसदी जीएसटी और क्षतिपूर्ति उपकर का स्थान लेंगे। इसके अलावा एक फरवरी से तंबाकू उत्पादों (चबाने वाला तंबाकू, फिल्टर खैनी, जर्दा युक्त सुगंधित तंबाकू और गुटखा) के लिए अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) आधारित मूल्यांकन की नई व्यवस्था शुरू होगी। इसके तहत जीएसटी का निर्धारण पैकेट पर घोषित खुदरा बिक्री मूल्य के आधार पर किया जाएगा। सरकार ने ये नए टैक्स दिसंबर में संसद से पास करवा लिए हैं। पान मसाला निर्माताओं को एक फरवरी से स्वास्थ्य और राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर कानून के तहत नया पंजीकरण कराना होगा। ऐसे उत्पादों के निर्माताओं को सभी पैकिंग मशीनों को कवर करने वाले एक कार्यशील सीसीटीवी प्रणाली लगानी होगी और इसकी फुटेज को कम से कम 24 महीनों तक सुरक्षित रखना होगा। उन्हें उत्पाद शुल्क अधिकारियों को मशीनों की संख्या और उनकी क्षमता की जानकारी भी देनी होगी। यदि कोई मशीन लगातार कम से कम 15 दिनों तक बंद रहती है, तो वे उत्पाद शुल्क में छूट का दावा कर सकते हैं। एक फरवरी से प्रभावी केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम में संशोधन कर सिगरेट की लंबाई के आधार पर 2.05 रुपये से 8.50 रुपये प्रति स्टिक तक उत्पाद शुल्क लगाया गया है। इसके अलावा, स्वास्थ्य और राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर कानून पान मसाला इकाइयों की उत्पादन क्षमता पर उपकर लगाता है। इसके तहत 40 फीसदी जीएसटी को शामिल करने के बाद पान मसाला पर कुल कर का भार मौजूदा स्तर यानी 88 फीसदी पर ही बरकरार रखा गया है।

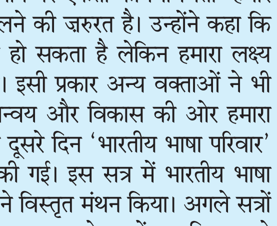

ग्रेटर कैलाश में जमीन हड़पने वाले गिरोह का भंडाफोड़, तीन गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच की साउदर्न रेंज ने ग्रेटर कैलाश-1 इलाके में जमीन हड़पने के एक संगठित गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह जाली दस्तावेजों और फर्जी कानूनी कार्रवाई के जरिए कीमती रिहायशी संपत्तियों पर कब्जा करने की साजिश रच रहा था। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त आदित्य गौतम ने शनिवार को बताया कि यह मामला ग्रेटर कैलाश निवासी एक व्यक्ति की शिकायत से सामने आया, जिसमें एक राष्ट्रीय अखबार में प्रकाशित फर्जी सार्वजनिक सूचना (पब्लिक नोटिस) के जरिए कुछ लोगों द्वारा उसकी पैतृक संपत्ति पर झूठा दावा किए जाने की बात कही गई थी। प्रारंभिक जांच में पाया गया कि शिकायतकर्ता और उसका परिवार कई दशकों से उस संपत्ति पर वैध रूप से काबिज है और उनके पास पंजीकृत बिक्री व गिफ्ट डीड मौजूद हैं। इसके बाद थाना ग्रेटर कैलाश में एफआईआर दर्ज की गई, जिसे आगे की जांच के लिए क्राइम ब्रांच को सौंपा गया। मामले की जांच साउदर्न रेंज के इंस्पेक्टर विजय पाल दहिया को सौंपी गई। पुलिस उपायुक्त के अनुसार जांच में खुलासा हुआ कि आरोपित खासतौर पर बुजुर्गों की संपत्तियों को निशाना बनाते थे। गिरोह पहले ऐसी संपत्तियों की पहचान करता और फिर जाली रिलीज डीड, वसीयत और बिक्री दस्तावेज तैयार कर फर्जी स्वामित्व का दावा खड़ा करता था। इन दस्तावेजों के आधार पर आरोपित विभिन्न अदालतों में सिविल केस दायर कर अपनी फर्जी दावेदारी को वैध दिखाने की कोशिश करते थे। जांच में यह भी सामने आया कि मामलों में जिन गवाहों को दिखाया गया, उनमें से कुछ की मौत हो चुकी थी, जबकि कुछ के पते फर्जी या अस्तित्वहीन थे। दो सेट जाली दस्तावेज तैयार किए इस मामले में आरोपितों ने शिकायतकर्ता की ग्रेटर कैलाश स्थित संपत्ति पर दावा ठोकने के लिए दो अलग-अलग सेट में जाली दस्तावेज तैयार किए थे। फर्जी वसीयत और सेल डीड के जरिए स्वामित्व की झूठी श्रृंखला बनाई गई थी, ताकि संपत्ति को किसी भोले-भाले खरीदार को बेचा जा सके। शिकायतकर्ता को इस साजिश की जानकारी तब मिली, जब उसके एक रिश्तेदार ने आरोपित विनीत सैगल द्वारा प्रकाशित फर्जी क्लासिफाइड विज्ञापन के बारे में बताया। पुलिस उपायुक्त ने आगे बताया कि एसीपी वी.के. यादव की निगरानी में इंस्पेक्टर विजय पाल दहिया ने गुप्त सूचना के आधार पर आशीष चौधरी, विनीत कुमार सैगल और दिलीप कुमार पांडे को गिरफ्तार किया। पुलिस आरोपितों से मूल जाली दस्तावेज बरामद किए गए हैं। जांच में यह भी सामने आया कि आरोपित आशीष चौधरी पेशे से अधिवक्ता है, जबकि दिलीप पांडे का आपराधिक रिकॉर्ड पहले से मौजूद है। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि क्राइम ब्रांच अब इस गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश कर रही है और यह पता लगाया जा रहा है कि इसी तरीके से और कितनी संपत्तियों को निशाना बनाया गया है।

लालाराम के रिटायरमेंट पर शुभकामना देने पहुंच : चंदेल

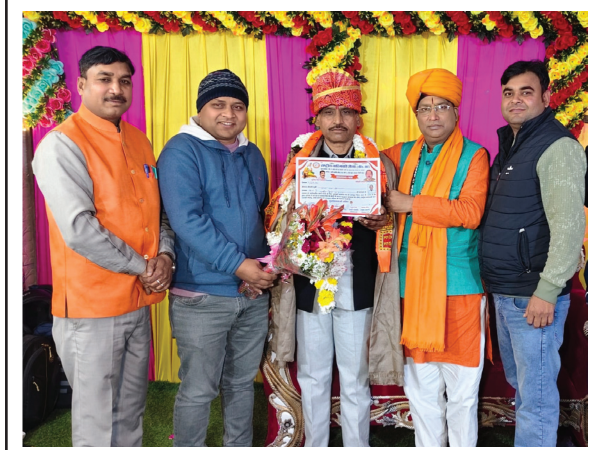

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली / राष्ट्रीय वाल्मीकि सेना के संरक्षक महंत गुरु जी राजू चंदेल , एवं संस्थापक सुरेंद्र चंदेल, उदित सिंह वेद ठाकुर, सहित गण मान्य व्यक्ति आज नगर निगम से रिटायर हुए लालाराम को शुभकामना देने पहुंचे इस मौके पर चंदेल ने उन्हें एक शाल, सम्मानित पत्र गुलदस्ता आदि देकर सम्मानित किया इस मौके पर उन्होंने बोलते हुए कहा कि आपने बड़ी ही मेहनत में लगन के साथ दिल्ली नगर निगम में कार्य किया है आपकी सेवाओं को कभी बुलाया नहीं जा सकता और उनके परिजनों से कहा कि अब रिटायरमेंट के बाद उनका विशेष रूप से ध्यान रखा जाए उनके स्वास्थ्य का ध्यान रखा जाए समाज हमेशा लालाराम जी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है और खड़ा रहेगा जहां भी लालाराम जी को समाज की आवश्यकता होगी समाज उनके साथ खड़ा है और खड़ा रहेगा

भाजपा ने कूचबिहार पुल हादसे के लिए ममता सरकार को घेरा, एसआईटी जांच की मांग

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पश्चिम बंगाल के कूचबिहार में पुल गिरने समेत अन्य हादसों के लिए ममता सरकार को जिम्मेदार ठहराया है। भाजपा ने इन हादसों के लिए राज्य में व्याप्त भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए इसकी जांच एसआईटी से कराने की मांग की है। भाजपा प्रवक्ता डॉ. गुरुप्रकाश पासवान ने शनिवार को पार्टी मुख्यालय में पत्रकार वार्ता में कहा कि पश्चिम बंगाल में कानून का कोई शासन नहीं है और दिन-प्रतिदिन जो घटनाएं वहां घटित हो रही हैं, उससे ये बातें सिद्ध हो रही हैं। कूचबिहार के सितलकुची में बना यह पुल ममता शासन में पनपी 'कट मनी' संस्कृति का भयावह प्रतीक है। सार्वजनिक धन की लूट, घटिया निर्माण, शून्य जवाबदेही और आम आदमी को हर दिन अपनी जान जोखिम में डालने के लिए मजबूर किया जा रहा है। यह विकास नहीं है। यह भ्रष्टाचार से उपजा हुआ पतन है। आगामी चुनाव में पश्चिम बंगाल की जनता ममता सरकार को उखाड़ फेंकेगी। उन्होंने कहा कि जनवरी 2026 में ही पश्चिम बंगाल में 5 फैक्ट्रियों में आग लगने की विभत्स घटनाएं सामने आई हैं, जहां काफी लोग हताहत हुए और गरीब लोगों को बहुत परेशानियों का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि कुछ दिन ही पहले ही कलकत्ता उच्च न्यायालय कहा था कि राज्य में कानून व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में कुप्रशासन का एक और उदाहरण सामने आया है। ममता सरकार के तहत बनाए जा रहे पुल अब 'हाइवे टू हेल' बनते जा रहे हैं। कूचबिहार के सितलकुची में बना यह पुल ममता बनर्जी के शासन में पनपी 'कट मनी' संस्कृति का भयावह प्रतीक है। डॉ. पासवान ने कहा कि आनंदपुर में वाओ मोमो की फैक्टरी में आग लगने से अभी तक 27 लोगों की मृत्यु हो चुकी है। ये घटना कोलकाता के सत्ता के केंद्र से मात्र 7 किमी दूर हुई, 27 लोगों की हत्या हुई और काफी लोग लापता हैं लेकिन सरकार का कोई भी प्रतिनिधि या ममता बनर्जी वहां अभी तक नहीं गईं। ये असंवेदनशीलता की पराकष्ठा है। उन्होंने कहा कि वॉव मोमो मामले का एक पहलू यह है कि जब ममता बनर्जी मैड्रिड गई थीं, तब वॉव मोमो के सीईओ सागर दर्यानी भी उनके साथ विदेश यात्रा पर थे। 27 लोगों की मौत हो जाने के बावजूद अब तक वॉव मोमो के मालिकों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की हुई है। अब तक सामने आई जानकारी से संकेत मिलता है कि यह एक मानव-निर्मित घटना थी।

मासूम बच्चे की हत्या के मामले में आरोपित गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्व जिला के थाना शास्त्री पार्क की टीम ने 12 वर्षीय बच्चे की हत्या के मामले को सुलझाते हुए आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपित की पहचान शास्त्री पार्क निवासी वाजिद खान (36) के रूप में हुई है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार 30 जनवरी की सुबह करीब 9:50 बजे थाना शास्त्री पार्क को शास्त्री पार्क चौक लूप के पास एक बच्चे के गंभीर हालत में पड़े होने की सूचना मिली थी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो करीब 12 साल का एक लड़का अचेत अवस्था में मिला। उसे तुरंत जग प्रवेश चंद्र (जेपीसी) अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद थाना शास्त्री पार्क में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103(1) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। इंस्पेक्टर मनजीत तोमर के नेतृत्व में गठित टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपित वाजिद खान को गिरफ्तार किया। पुलिस पूछताछ में आरोपित ने खुलासा किया कि मृतक की मां के साथ उसके संबंधों को लेकर विवाद चल रहा था, इसी रंजिश के चलते उसने वारदात को अंजाम दिया। फिलहाल पुलिस मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि घटना में और कोई व्यक्ति तो शामिल नहीं था।

रानी के करियर की एक और यादगार फिल्म-मर्दानी 3

मूवी रिव्यू,मर्दानी 3

लोकतंत्र की शान

ऑफिस पर पर इस फिल्म से पहले आई इस सीरीज की पिछली दोनों फिल्में हिट साबित हुई और इन्हीं दोनों फिल्मों को टिकट खिड़की पर मिली जबरदस्त कामयाबी के साथ साथ क्रिटिक्स से मिली तारीफों ने बैनर और फिल्म की लीड एक्ट्रेस रानी को सीरीज की तीसरी फिल्म बनाने को प्रेरित किया। पिछले दिनों दिल्ली आई रानी ने एक सवाल के जवाब में बताया था मुझे ऐसे प्रोजेक्ट पर काम करना कुछ ज्यादा ही पसंद रहा है तभी तो लंबे अरसे के बाद मैने अपनी टीम के साथ इस प्रोजेक्ट पर काम करने का फैसला किया। इन दिनों जब तीन से साढ़े तीन घंटे की फिल्में रिकॉर्ड बिजनेस कर रही है ऐसे में करीब दो घंटे की इस फिल्म को हर और से तारीफे मिल रही है तो इसकी एक वजह फिल्म की किसी हुई स्क्रिप्ट के साथ साथ स्टार्ट टू लास्ट फिल्म की ऐसी कहानी है जो आपको पर्दे के साथ बांध सा देती है। रानी को साधुवाद कि उन्होंने ऐसे सब्जेक्ट पर फिल्म बनाई जिसे टिकट खिड़की के मापदंड पर कमजोर माना जाता है लेकिन यह फिल्म एक इसी परफेक्ट फिल्म है जो स्टार्ट टू लास्ट आप को फिल्म के हर किरदार के साथ भी बांधती है मेरी नजर रानी में रानी की इस फ्रैंचाइजी की स्टोरी दोनों फिल्मों से कुछ हद तक अलग और नया पन लिए हुए है पिछली दोनों फिल्मों से कुछ हट कर बनी यह फिल्म छोटी बच्चियों पर हो रहे अपराध, उनकी सुरक्षा के साथ पुलिस की एक साफ बेदाग इमेज भी सामने रखती है वरना हिंदी फिल्मों में तो पुलिस को विलेन बना कर पेश किया जाता है । डायरेक्टर ने फिल्म की शुरुआत से ही फिल्म का माहौल गंभीर रखा है ऐसे सब्जेक्ट पर बनने वाली फिल्म के लिए यह जरूरी भी है

स्टोरी प्लॉट-एन आई ए की टीम की अधिकारी शिवानी (रानी मुखर्जी) को एक हाई-प्रोफाइल किडनैपिंग केस दिया जाता है। एक उच्च अधिकारी की बेटी और घर की नौकरानी की भी बेटी अचानक गायब हो जाती हैं। यह केस शिवानी को जल्द से जल्द सुलझाना इस लिए भी जरूरी है इस समय अलग अलग इलाकों से करीब आठ से तेरह साल की नब्बे से ज्यादा लड़कियां भी गायब हो चुकी लापता हैं। शिवानी को केस की जांच के दौरान पता चलता है इसके पीछे एक संगठित मानव तस्करी गिरोह भी शामिल है हाथ है। एक के बाद एक इन बड़े खुलासों के बाद शिवानी अपनी जांच का दायरा बढ़ाती है और फिल्म की कहानी एक ऐसे मोड पर आ जाती है जिसकी किसी ने कल्पना तक नहीं की थी, इंटरवल के बाद फिल्म की रफ़्तार इस कदर तेज है कि आपका ध्यान स्क्रीन से एक पल भी अगर हटता है तो आप बहुत कुछ मिस कर जाते है ।

नई दिल्ली में खुला अनुपम खेर का 'एक्टर प्रिपेयर्स' एक्टिंग इंस्टीट्यूट, युवाओं को मिलेगा वर्ल्ड क्लास ट्रेनिंग प्लेटफॉर्मनई

लोकतंत्र की शान

दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त अभिनेता और पद्म भूषण सम्मानित अनुपम खेर के अभिनय संस्थान एक्टर प्रिपेयर्स ने राजधानी दिल्ली में अपना नया सेंटर शुरू कर दिया है। सफदरजंग एन्क्लेव में स्थापित यह केंद्र संस्थान के विस्तार की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है, जिससे अब राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के युवाओं को विश्वस्तरीय अभिनय प्रशिक्षण दिल्ली में ही उपलब्ध होगा। एक्टर प्रिपेयर्स की स्थापना वर्ष 2005 में मुंबई में अनुपम खेर द्वारा की गई थी। यह संस्थान भारत के प्रमुख अभिनय प्रशिक्षण केंद्रों में गिना जाता है और इसे दुनिया का ऐसा अभिनय स्कूल माना जाता है जिसे एक सक्रिय अंतरराष्ट्रीय फिल्म कलाकार स्वयं संचालित करता है। संस्थान आधुनिक अभिनय तकनीकों और व्यावहारिक प्रशिक्षण के मिश्रण के लिए जाना जाता है और वर्षों से कई सफल कलाकारों को तैयार कर चुका है। नए केंद्र के शुभारंभ पर अनुपम खेर ने कहा कि दिल्ली रचनात्मक ऊर्जा और प्रतिभा से भरपूर शहर है और यह केंद्र ऐसे युवाओं के लिए नए अवसर खोलेगा जो पेशेवर स्तर पर अभिनय सीखना चाहते हैं। वहीं संस्थान के उद्घाटन के अवसर पर अभिनेता-लेखक-निर्देशक बोमन ईरानी ने कहा कि ऐसे संस्थान न केवल कलाकार तैयार करते हैं बल्कि अनुशासन, मौलिकता और रचनात्मक साहस को भी बढ़ावा देते हैं। संस्थान ने अब तक दीपिका पादुकोण, ऋतिक रोशन, वरुण धवन, कियारा आडवाणी, अभिषेक बच्चन, प्रीति जिंटा, ईशा गुप्ता और गौहर खान जैसे कई सफल कलाकारों को प्रशिक्षित किया है, जिससे इसकी पहचान गंभीर अभिनय प्रशिक्षण के प्रमुख केंद्र के रूप में बनी हुई है दिल्ली केंद्र में छात्रों के लिए फुल-लेंथ एक्टिंग प्रोग्राम, ऑन-कैमरा ट्रेनिंग, विशेष वर्कशॉप, ऑडिशन तैयारी और इंडस्ट्री मास्टरक्लास जैसे कोर्स उपलब्ध होंगे। संस्थान का पाठ्यक्रम छात्रों में आत्मविश्वास, अभिनय कौशल और पेशेवर समझ विकसित करने पर केंद्रित रहेगा। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद छात्रों को आधिकारिक प्रमाणपत्र दिया जाएगा और इन-हाउस कास्टिंग टीम के माध्यम से इंडस्ट्री में आगे बढ़ने का मार्गदर्शन भी किया जाएगा। संस्थान प्रबंधन के अनुसार, अनुभवी फैकल्टी और इंडस्ट्री प्रोफेशनल्स के मार्गदर्शन में यह नया केंद्र दिल्ली के उभरते कलाकारों के लिए महत्वपूर्ण मंच साबित होगा।

दिल्ली सरकार के मंत्रियों ने बेगमपुर क्षेत्र का किया दौरा, समस्याओं के समाधान के दिए निर्देश

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली के लोक निर्माण विभाग के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह और समाज कल्याण मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह ने शनिवार को बेगमपुर क्षेत्र का दौरा किया। दोनों मंत्रियों ने बेगमपुर क्षेत्र की मेन रेड लाइट, कंझावला रोड और फिरनी रोड सहित कई स्थानों पर पहुंचकर सड़क हालात, जल निकासी व्यवस्था और अन्य आवश्यक सेवाओं की समीक्षा की। संबंधित विभागों को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया गया कि चिन्हित समस्याओं का समयबद्ध और टिकाऊ समाधान सुनिश्चित किया जाए। रविंद्र इंद्राज ने एक्स पोस्ट में कहा कि बेगम विहार में शासन अब कार्यालयों तक सीमित नहीं बल्कि जनता के बीच सक्रिय रूप से उपस्थित है। मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने सौरभ प्रोपर्टीज, बेगम विहार क्षेत्र में जनसंपर्क कर स्थानीय नागरिकों से सीधा संवाद स्थापित किया और उनकी समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना गया। इस अवसर पर मूलभूत सुविधाओं, नागरिक सेवाओं एवं क्षेत्रीय विकास से जुड़े विषयों पर गहन चर्चा करते हुए समस्याओं के त्वरित, पारदर्शी एवं प्रभावी समाधान के लिए दिशा-निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि यह पहल सुशासन, जवाबदेही एवं जनता-केंद्रित प्रशासन की प्रतिबद्धता को दर्शाती है जिसके साथ जनकल्याण के मार्ग पर बवाना विधानसभा निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर है। इससे पहले रोहिणी सेक्टर-22 में जनसुविधाओं को सुदृढ़ करते हुए प्रवेश साहिब सिंह द्वारा पंजाब स्वीट्स के समीप सीवर लाइन विकास कार्य का लोकार्पण किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि क्षेत्रवासियों को वर्षों से चली आ रही जल-निकासी समस्या से स्थायी राहत दिलाने की दिशा में एक निर्णायक और दूरदर्शी पहल की गई। यह जानकारी उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर साझा की। प्रवेश सिंह ने कहा कि यह कार्य मात्र एक विकास परियोजना नहीं बल्कि स्वच्छता, सुव्यवस्थित नागरिक जीवन और जनसम्मान के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का सशक्त प्रतीक है। सेवा, विकास एवं जनकल्याण के मूल मंत्र के साथ बवाना क्षेत्र में विकास कार्य निरंतर गति और परिणामों के साथ आगे बढ़ रहे हैं।

विदेश मंत्रालय ने एपस्टीन से जुड़े ई-मेल को बताया बकवास, प्रधानमंत्री का था जिक्र

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने शनिवार को अमेरिका के बदनाम व्यक्ति जेफ्री एपस्टीन के एक ई-मेल को कोरी बकवास बताया है। ई-मेल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जिक्र था। मंत्रालय ने कहा कि इजराइल यात्रा के अलावा कुछ भी तथ्यात्मक नहीं है। इन गुप्त ई-मेल फाइलों को अमेरिका के न्याय विभाग ने जारी किया है। विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मीडिया के सवालों के जवाब में उक्त बातें कहीं। उन्होंने कहा कि मंत्रालय ने एपस्टीन से जुड़े एक ई-मेल संदेश की रिपोर्ट देखी है। इसमें प्रधानमंत्री और उनकी इजराइल यात्रा का उल्लेख किया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जुलाई 2017 में प्रधानमंत्री की इजराइल की आधिकारिक यात्रा के अलावा, ई-मेल में कही गई अन्य बातें एक दोषी अपराधी की निरर्थक और मनगढ़ंत बातें हैं, जिन्हें पूरी तरह से नजरअंदाज किया जाना चाहिए। उल्लेखनीय है कि जेफरी एडवर्ड एपस्टीन एक अमेरिकी मानव तस्कर, बाल यौन अपराधी, सीरियल बलात्कारी और वित्तीय सलाहकार था। उसकी 2019 में जेल में मौत हो गई थी। उसके प्रभावशाली लोगों से संबंध अब सुर्खियां बन रहे हैं। अब एपस्टीन से जुड़े एक कथित ई-मेल का हवाला देते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वर्ष 2017 के अमेरिका और इजराइल दौरों को संदर्भ में रखकर सवाल उठाए जा रहे हैं। हालांकि इन दावों की प्रामाणिकता, संदर्भ और स्वतंत्र पुष्टि को लेकर कोई स्पष्ट जानकारी सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं है। इस बीच, विपक्षी दल कांग्रेस ने इन आरोपों को राष्ट्रीय गरिमा और अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा से जोड़ते हुए सरकार से आधिकारिक स्पष्टीकरण और तथ्यों को सार्वजनिक करने की मांग की है।

संक्षिप्त समाचार

हरिनाम संकीर्तन का जया एकादशी पर हुआ आयोजन, भजनों पर झूमे श्रद्धालु

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहाः अमरोहाः श्री गिरिराज जी सेवा समिति की और से माघ मास शुक्ल-पक्ष जया एकादशी पर हरिनाम संकीर्तन का आयोजन गुरुवार को देर सायं अर्चना अग्रवाल मुकेश अग्रवाल की और से श्री शिव मंदिर वेगम सराय मे किया गया। समिति के अध्यक्ष वेद प्रकाश भार्गव ने एकादशी के महत्व पर प्रकाश डाला तत्पश्चात मुकेश जी ने सपत्नीक दीप प्रज्वलित कर संकीर्तन का शुभारम्भ किया। वेदप्रकाश भार्गव ने सभी ईष्ट देवताओ का आव्हान कर ठाकुर जी के श्रृंगार का वर्णन कर समां बाँध दिया। उन्होने अपनी मधुर वाणी से तेरा किसने किया श्रृंगार सांवरे, लागे न किसी की नजर सावरे, पंकज वर्मा बाँबी ने मेरी विनती यही है राधा रानी जी का भजन और ठाकुरजी की पुकार, रवि रस्तोगी ने - महामंत्र और पं उमेश दिक्षित ने- मैया बगल की गुजरिया हमे तो घर लेगई जबरिया प्रदीप भटनागर जी ने हनुमंत भजन,ममता गर्ग ने राधा रानी कृपा करो व अनुराग ने मेरे श्याम हो चेष्टा ने कन्हैया मेरे घर आना तथा अंकित ने तुम्हारे है प्रभु जी भजन गाकर इनके अतिरिक्त नीरज प्रजापति,पुजा माहेश्वरी ने श्याम बाबा पर एकादशी का भजन सुनाकर उपस्थिति भक्तजनों को मंत्रमुग्ध कर दिया। अंत मे आरती कर प्रसाद का वितरण किया गया। इस अवसर पर ,विजय, नीरज माहेश्वरी,त्रिलोचन चन्द अग्रवाल, संजय गुप्ता, अनिल माहेश्वरी, नवनीत माहेश्वरी, अर्चित अग्रवाल, संदीप, अरुण, दिलीप, अनमोल, सौरभ आदि भक्तगण उपस्थित रहे।

मनरेगा घोटाले की शिकायत पर रोजगार सेवक के सहयोगियों ने दी धमकी

लोक तंत्र की शान : सीतापुर। महोली ब्लॉक की ग्राम पंचायत परसेहरा व मल्लपुर में मनरेगा योजना के तहत बड़े पैमाने पर घोटाले का आरोप लगा है। शिकायतकर्ता के अनुसार नौ जनवरी 2026 को भारतीय किसान यूनियन टिकैत की बैठक में ब्लॉक कार्यालय महोली में आठ सूत्रीय मांग पत्र दिया गया था,जिस पर एपीओ ने दिसंबर 2025 से मल्लपुर में कराए गए कार्यों का भुगतान न करने का आश्वासन दिया गया था, इसके बावजूद भुगतान करा दिया गया। आरोप है कि शिकायत के बाद रोजगार सेवक के सहयोगियों द्वारा सुलह का दबाव बनाया गया और जान से मारने की धमकी दी गई। वहीं सत्रह जनवरी 2026 से परसेहरा में चक मार्ग पटाई कार्य में मजदूरों ने दो दिन काम किया, लेकिन रोजगार सेवक दीपक कुमार ने हाजिरी नहीं लगाई और शिकायत वापस लेने की शर्त रखी। शिकायत में बताया गया है कि मल्लपुर के तालाब व इंटरलॉकिंग नाली निर्माण कार्य में वास्तविक मजदूरों की संख्या कम थी,जबकि पचासी से एक सौ पचपन मजदूरों की प्रति दिन फर्जी हाजिरी लगाई गई। परसेहरा में भी फर्जी मास्टर रोल भरकर मजदूरों को काम से वंचित किया गया। आरोप है कि परसेहरा पंचायत मित्र दीपक कुमार और मल्लपुर की महिला मेट निर्मला द्वारा एक सौ इक्यावन फर्जी मजदूरों के नाम पर छिहत्तर सौ सत्तर मानव दिवस दिखाकर लगभग 19.32 लाख रुपये का भुगतान कराया गया। मामले की शिकायत एपीओ व खण्ड विकास अधिकारी महोली से की गई है,लेकिन अब तक कोई कार्यवाही नहीं हुई। पीड़ित ने दोषियों पर सख्त कार्यवाही और वास्तविक मजदूरों को रोजगार दिलाने की मांग की है।

अतिक्रमणकारी ने दी जान माल की धमकी

लोक तंत्र की शान : शाहाबाद हरदोई। सड़क पर मोरंग और गिट्टी डालकर अतिक्रमण करने वाले एक दबंग ने शिक्षक प्रकोष्ठ के संयोजक को गाली गलौज कर जान माल की धमकी दी। पीड़ित शिक्षक ने कोतवाली में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। शाहाबाद कोतवाली के मोहल्ला पठकाना निवासी राजीव नयन दीक्षित भारतीय जनता पार्टी शिक्षक प्रकोष्ठ के संयोजक हैं और एक संस्थान में प्रधानाचार्य हैं। शुक्रवार को वह कॉलेज से वापस अपने घर जा रहे थे तो दिलेर गंज पठकाना मोहल्ले की सीमा पर लखनऊ निवासी मयंक त्रिपाठी ने निर्माण सामग्री मौरंग और गिट्टी डालकर पूरी रास्ता बंद कर दी। राजीव नयन दीक्षित ने जब अतिक्रमण करने के लिए नाराजगी प्रकट की तो दबंग मयंक त्रिपाठी ने गाली गलौज करते हुए जान माल की धमकी दी। शिक्षक नेता ने कोतवाली में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

नेहरू युवा केंद्र (माय भारत) के तत्वावधान में शहीद दिवस का गरिमामय आयोजन

लोक तंत्र की शान : महमूदाबाद सीतापुर। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर शहीद दिवस का गरिमामय आयोजन सरैया राजा साहब स्थित श्री सरयू प्रसाद इंटर कॉलेज में श्रद्धा और सम्मान के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम का आयोजन नेहरू युवा केंद्र (माय भारत) सीतापुर के तत्वावधान में युवा कार्यकर्ता पंकज कुमार द्वारा किया गया।ररकार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं को महात्मा गांधी के सत्य, अहिंसा और देशभक्ति के आदर्शों से प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्रधानाचार्य उदय वीर सिंह ने की, जो मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अपने संबोधन में प्रधानाचार्य उदय वीर सिंह ने कहा कि "महात्मा गांधी का जीवन आज भी हमें सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। युवाओं को चाहिए कि वे गांधी जी के विचारों को अपने आचरण में उतारें और समाज व राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं।

सीएम योगी से मिले 'गोदान' फिल्म के निर्माता-निर्देशक, ट्रेलर लांच

पंचगव्य से पंच परिवर्तन व वैज्ञानिक दृष्टिकोण को दर्शाती है फिल्म, 6 फरवरी को देशभर में एक साथ रिलीज होगी

- मुख्यमंत्री के गोरक्षा से जुड़े अभूतपूर्व कार्यों से मिली उनसे मुलाकात की प्रेरणा
- गोरक्षा के संकल्प, भारतीय संस्कृति और पंचगव्य विज्ञान को बड़े पर्दे पर लाएगी 'गोदान'

लोकतंत्र की शान

लखनऊ। गोमाता के संरक्षण, भारतीय संस्कृति में उसके महत्व और पंचगव्य आधारित वैज्ञानिक दृष्टिकोण को केंद्र में रखकर बनी फिल्म 'गोदान' के निर्माता-निर्देशक ने शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर फिल्म का ट्रेलर लांच किया गया। फिल्म के निर्माता व निर्देशक ने स्पष्ट किया कि देश में गो-रक्षा को लेकर सबसे व्यापक, ठोस और जमीनी स्तर पर कार्य उत्तर प्रदेश में हुआ है, और इसके पीछे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का स्पष्ट विजन और प्रतिबद्ध नेतृत्व है। इन्हीं बातों ने उन्हें सीएम योगी आदित्यनाथ से मुलाकात के लिए प्रेरित किया।

सीएम योगी के सत्ता संभालते ही उत्तर प्रदेश में गो तस्करों पर शुरु हुआ ताबड़तोड़ एक्शन-योगी आदित्यनाथ के सीएम बनते ही उत्तर प्रदेश में गो तस्करों पर ताबड़तोड़ एक्शन शुरु हुआ और बड़े पैमाने पर गो तस्करों की गिरफ्तारी की गई। गोवंश के प्रति मुख्यमंत्री के स्नेह और गो संरक्षण के लिए उनकी प्रतिबद्धता का इसी बात से पता चलता है कि पिछले नौ वर्षों में प्रदेश में साढ़े सात हजार से ज्यादा गो आश्रय स्थल बनाए गए हैं। इतना ही नहीं, 12 लाख से अधिक निराश्रित गोवंश संरक्षित किए जा चुके हैं। गो सेवा और उनके संरक्षण को और प्रभावी बनाने के लिए हर जिले में गो संरक्षण समितियों का गठन किया गया है। हर जनपद के डीएम व एसएसपी इसके नोडल अधिकारी बनाए गए हैं।

मुख्यमंत्री को फिल्म की विषयवस्तु, उद्देश्य और सामाजिक संदेश से अवगत कराया-विनोद चौधरी द्वारा निर्मित व निर्देशित 'गोदान' फिल्म 6 फरवरी को देशभर में एक साथ रिलीज होने जा रही है। यह फिल्म केवल एक कहानी नहीं, बल्कि गोमाता के संरक्षण, भारतीय संस्कृति, वैज्ञानिक चेतना और सामाजिक उत्तरदायित्व का समग्र दस्तावेज है। निर्माता ने मुख्यमंत्री को फिल्म की विषयवस्तु, उद्देश्य और सामाजिक संदेश से अवगत कराया।

गोरक्षा को लेकर सीएम योगी के अभूतपूर्व कार्य बने प्रेरणा-फिल्म निर्माता विनोद चौधरी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात के दौरान कहा कि आज देश में गो-रक्षा के क्षेत्र में जो ठोस कार्य दिख रहा है, उसका सबसे बड़ा केंद्र उत्तर प्रदेश है। प्रदेश में गोशालाओं का विस्तार, निराश्रित गोवंश की व्यवस्था, तस्करी पर सख्ती और गो संरक्षण को शासन की प्राथमिकता बनाना, ये सभी कार्य मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में संभव हो पाए हैं।

पूर्व कैबिनेट मंत्री ने तहसीलदार को विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर : शनिवार को समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं विधायक कमाल अख्तर ने हसनपुर क्षेत्र की जन समस्याओं को लेकर तहसीलदार हसनपुर परमानंद श्रीवास्तव से मुलाकात कर समस्याओं से अवगत कराया, जिसमें उन्होंने आपूर्ति विभाग द्वारा राशन कार्ड न बनाए जाने को लेकर कड़ि जांच कराई तथा उन्होंने कहा कि राशन आपूर्ति विभाग द्वारा राशन कार्ड नए राशन नहीं बनाए जा रहे हैं साथ ही कटे हुए नाम को जोड़ा नहीं जा रहा है जिससे उपभोक्ताओं को भारी दिक्कत हो रही है ,वहीं उन्होंने क्षेत्र में छुट्टा पशुओं की समस्याओं को भी इंगित कराया इसके अतिरिक्त विधायक ने क्षेत्र की जरज्ञ सड़को व संपर्क मार्गों की बदहाली पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि खराब रास्तों के कारण बुजुर्गों महिलाओं और स्कूली बच्चों को आवा गमन में भारी परेशानी हो रही है वहीं विधायक ने जल निकासी की समस्या बिजली पानी की कमी अतिक्रमण और राजस्व से संबंधित शिकायत को अधिकारियों के सामने रखा और संबंधित विभागों से जल्द मरम्मत और निर्माण कार्य शुरू करने

की मांग की तहसीलदार ने सभी मुद्दों को गंभीरतापूर्वक सुना उन्होंने संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा निर्देश जारी किया और समस्याओं के अति शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया, इस अवसर पर मुख्य रूप से पूर्व कैबिनेट मंत्री कमाल अख्तर, सपा नेता चंद्रपाल सैनी, कैसर परवेज, यशवीर नागर, संदीप गुर्जर, नसीम अहमद बंजारा, कासिम मकरानी, बदर कुरेशी, विक्की अब्बास, युसूफ कुरैशी सहित दर्जन ऑन सपा कार्यकर्ता मौजूद रहे

आपदा राहत प्रबंधन के लिए प्रतिबद्ध है प्रदेश सरकार वर्ष 2025-26 में जारी किए 710.12 करोड़ रुपये

- सर्वाधिक धनराशि बाढ़ से नुकसान की क्षतिपूर्ति और पुनर्वास के लिए की गई आवंटित
- निराश्रितों को शीतलहरी से बचाने के लिए रैन बसेरों, कंबल वितरण और अलाव की व्यवस्था से दी गई राहत

लोक तंत्र की शान

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार बाढ़, भूकंप, सूखा, अग्निकांड, शीतलहर एवं मानव-जीव संघर्ष जैसी आपादाओं से प्रभावित लोगों को राहत पहुंचाने के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध और संवेदनशील है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में प्रदेश का राहत आयुक्त कार्यालय आपादा प्रभाव को कम करने तथा पीड़ितों को त्वरित सहायता प्रदान करने के लिए सभी संभव प्रयास कर रहा है। इसी क्रम में वित्तीय वर्ष 2025-26 में आपदा राहत निधि के तहत 710.12 करोड़ रुपये की धनराशि आवंटित की गई है। इस धनराशि से विभिन्न प्राकृतिक एवं मानव जनित आपदा पीड़ितों को सहायता प्रदान की गई। इसके साथ ही राज्य में आपदा राहत तंत्र को अधिक प्रभावी बनाने के प्रयास किये गए हैं, जिससे वर्तमान में उत्तर प्रदेश आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में एक मजबूत मॉडल राज्य के रूप में उभर रहा है।

त्वरित राहत, पुनर्वास एवं बचाव कार्यों को मिली रफ्तार-प्रदेश में आपदा न्यूनीकरण, पूर्व तैयारी, प्रभावी राहत वितरण एवं पीड़ितों के पुनर्वास के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 में जारी 710.12 करोड़ रुपये में सर्वाधिक 365.73 करोड़ रुपये बाढ़ प्रभावितों के बचाव के लिए जारी किए गए। इसे विशेष रूप से सरयू, गंगा और घाघरा के बाढ़ प्रभावितों के पुनर्वास पर खर्च किया गया। चक्रवात व आंधी-तूफान से होने वाली हानि की क्षतिपूर्ति के लिए 14.13 करोड़, ओलावृष्टि से नुकसान की भरपाई के लिए 0.13 करोड़, अग्निकांड में क्षतिपूर्ति के लिए 14.63 करोड़ रुपये और शीतलहरी से बचाव के लिए 50.72 करोड़ रुपये जारी किये गये। इसी क्रम में राज्य सरकार द्वारा अन्य आपदाओं के लिए लगभग 246.63 करोड़ रुपये आवंटित किए गए। सामान्य मद के लिए 0.44 करोड़ व अन्य राहत कार्यों के लिए 17.71 करोड़ रुपये की राशि जारी की गई। इस राशि को प्रदेश में आपदा प्रभावित क्षेत्रों में त्वरित राहत, पुनर्वास एवं बचाव कार्यों को गति प्रदान करने एवं आपदा राहत तंत्र को प्रभावी बनाने में खर्च किया गया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन से उत्तर प्रदेश बनेगा देश का अग्रणी फार्मा हब

- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे कॉन्क्लेव का उद्घाटन, देश-दुनिया की अग्रणी फार्मा कंपनियां लेंगी हिस्सा
- प्रदेश को 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने में फार्मा व मेडिकल डिवाइस सेक्टर की अहम भूमिका

लोक तंत्र की शान

लखनऊ। योगी सरकार उत्तर प्रदेश को देश का फार्मास्यूटिकल व मेडिकल डिवाइस मैन्युफेक्चरिंग हब बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाने जा रही है। इसके तहत योगी सरकार 3 फरवरी को राजधानी लखनऊ स्थित होटल ताज में "फार्मा कॉन्क्लेव 1.0: इन्वेस्टमेंट अपॉर्च्युनिटीज इन उत्तर प्रदेश" का आयोजन करने जा रही है। इस कॉन्क्लेव को उत्तर प्रदेश खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) और इन्वेस्ट यूपी द्वारा आयोजित किया जा रहा है। इसका उद्घाटन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे। कॉन्क्लेव को केंद्रीय स्वास्थ्य, परिवार कल्याण एवं रसायन-उर्वरक मंत्री जगत प्रकाश नड्डा वीडियो के माध्यम से संबोधित करेंगे। इस अवसर पर प्रदेश सरकार के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक समेत कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी व राकेश सचान, राज्यमंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह व जसवंत सिंह सैनी तथा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दया शंकर मिश्र दयालु विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे।

फार्मा कॉन्क्लेव में देश-दुनिया की अग्रणी कंपनियां लेंगी हिस्सा-एफएसडीए सचिव एवं आयुक्त डॉ. रोशन जैकब ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश को 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य तय किया है। ऐसे में फार्मा व मेडिकल डिवाइस सेक्टर को इस लक्ष्य की रीढ़ के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसके लिए योगी सरकार बुनियादी ढांचे, नीतिगत सुधारों और निवेशकों के अनुकूल वातावरण पर लगातार काम कर रही है। फार्मा कॉन्क्लेव 1.0 में देश और दुनिया की अग्रणी फार्मा कंपनियां हिस्सा लेंगी। इनमें रामकी ग्रुप के चेयरमैन एवं राज्यसभा सदस्य अयोध्या रामी रेड्डी, सन फार्मा के चेयरमैन दिलीप सांघवी, मैनकाइंड फार्मा के चेयरमैन रमेश जुनेजा, डॉ. रेड्डीज के चेयरमैन डॉ. सतीश रेड्डी, ज़ाइडस लाइफ साइंसेज के चेयरमैन पंकज आर. पटेल और टोरेंट फार्मा के वाइस चेयरमैन जीनल मेहता शामिल हैं। इनके अलावा कॉन्क्लेव के सत्रों में एमएसएन लेबोरेटरीज के एमएसएन रेड्डी, डाबर के निदेशक आदित्य वर्मन, एलकेम के निदेशक संदीप सिंह की उपस्थिति भी उल्लेखनीय होगी।

उत्तर प्रदेश में निवेश राष्ट्रहित में किया गया निवेश है:- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

- उद्योग जगत यूपी की खुशहाली का सबसे बड़ा साझेदार, सरकार हर स्तर पर देगी सहयोगः मुख्यमंत्री
- मुख्यमंत्री योगी का आह्वान, सीएसआर से प्रदेश के विकास में सहभागी बनें उद्योग समूह

लोक तंत्र की शान

लखनऊ :- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि उत्तर प्रदेश में किया गया निवेश केवल एक राज्य में निवेश नहीं, बल्कि राष्ट्रहित में किया गया निवेश है। उन्होंने कहा कि आज उत्तर प्रदेश जिस आर्थिक मजबूती और स्थिरता की ओर बढ़ रहा है, उसमें उद्योग जगत की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की खुशहाली, रोजगार सृजन और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को आगे बढ़ाने में उद्योग जगत सबसे बड़ा सहयोगी है और सरकार इस साझेदारी को और मजबूत करना चाहती है। शनिवार को राज्य स्तरीय उद्योग संगठनों और प्रमुख उद्यमियों के साथ आयोजित विशेष बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार उद्योगों को केवल निवेशक नहीं, बल्कि विकास की साझेदारी का अभिन्न हिस्सा मानती है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि प्रदेश में निवेश करने वाला हर उद्यमी सरकार को अपने साथ खड़ा पाएगा और नीति, इंफ्रास्ट्रक्चर तथा प्रशासन, तीनों स्तरों पर सहयोग सुनिश्चित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने उद्योग समूहों से कॉरपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी के माध्यम से उत्तर प्रदेश के विकास और सामाजिक बदलाव का सहभागी बनने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विभिन्न उद्योग समूह अपनी रुचि और विशेषज्ञता के अनुसार शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण और स्थानीय अधोसंरचना जैसे क्षेत्रों में सीएसआर के तहत योगदान कर सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार उद्योगों के सामाजिक योगदान को प्रदेश के समावेशी विकास का मजबूत आधार मानती है। लघु उद्योग भारती के प्रतिनिधियों से संवाद करते हुए मुख्यमंत्री ने एमएसएमई सेक्टर में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए नीतिगत सुझाव देने की बात कही। उन्होंने पैकेजिंग, डिजाइनिंग और एक्सपोर्ट प्रमोशन को और मजबूत करने में उद्योग समूहों से सहयोग का आह्वान किया। टेक्सटाइल और रेडीमेड गारमेंट्स सेक्टर में महिलाओं की बड़ी भूमिका को रेखांकित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस क्षेत्र में महिलाओं के लिए अधिक अवसर सृजित करने हेतु ठोस और व्यावहारिक प्रयास किए जाने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार की औद्योगिक नीतियों के अनुरूप समय पर इंसेंटिव वितरण के लिए उद्यमियों को आश्वस्त किया। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि घोषित प्रोत्साहन पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से उद्योगों तक पहुंचे। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने खिलौना उद्योग की संभावनाओं की ओर ध्यान दिलाते हुए प्रदेश में खिलौना पार्क के विकास की आवश्यकता बताई। मुख्यमंत्री ने औद्योगिक भूमि की लागत कम करने पर भी विशेष जोर दिया और कहा कि भूमि, लॉजिस्टिक्स और अनुमोदन से जुड़ी लागत को कम कर निवेश को और आकर्षक बनाया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि एमएसएमई इकाइयों और नए उद्यमियों के लिए सुगम वातावरण तैयार करना सरकार की प्राथमिकता है। उद्योग बंधु की बैठकों को अधिक प्रभावी बनाने के लिए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि जनपद स्तर पर आयोजित उद्योग बंधु बैठकों में जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक की उपस्थिति अनिवार्य रूप से सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि इन बैठकों में उद्योग जगत द्वारा रखी गई समस्याओं और अपेक्षाओं का समाधान अगली बैठक से पहले हर हाल में होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिए कि उद्योग बंधु की राज्य स्तरीय बैठक केवल लखनऊ तक सीमित न रहे, बल्कि अन्य मंडल मुख्यालयों पर भी आयोजित की जाए। कमिश्नरी स्तर पर मंडलायुक्त और एडीजी/आईजी की उपस्थिति में प्रत्येक दो माह में उद्योग बंधु की बैठक आयोजित की जाए।

सभासदों ने शबे बरात पर सफाई सहित अन्य व्यवस्थाओं को लेकर E O को ज्ञापन सौंपा

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः शनिवार को हसनपुर नगर पालिका परिषद के दर्जनों सभासदों ने पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी विजयपाल सिंह को शबे बरात पर सभी व्यवस्थाएं मुकम्मल किए जाने को लेकर ज्ञापन सौंपा, जिसमें उन्होंने ज्ञापन के माध्यम से अधिशासी अधिकारी को अवगत कराया की आगामी 4 फरवरी को शबे बरात का पर्व मनाया जाएगा जिसमें नगर पालिका द्वारा सभी कब्रिस्तानों तथा मस्जिदों के आसपास सफाई व्यवस्था एवं प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, साथ ही नगर की शाह विलायत साहब की दरगाह एवं कब्रिस्तान पर गत वर्षो की भांति इस वर्ष भी सफाई व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था एवं जलपान की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ज्ञापन देने वालों में मुख्य शाहनवाज अंसारी, जावेद जरताव, मोहनिस अंसारी, हम्ज़ा अली, मुन्ना चौहान, बदर कुरैशी, जुनैद खान, जाहिद अली, तालिब खान, साजिद अंसारी, गुड्डू मेंबर, नाजिम अंसारी आदि मौजूद रहे 1

आगामी त्यौहारों को लेकर कोतवाली में हुई अमन कमेटी की बैठक

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः शनिवार को हसनपुर कोतवाली परिसर में आगामी त्योहारो को लेकर एसडीएम हिमांशु उपाध्याय की अध्यक्षता में अमन कमेटी की बैठक का आयोजन किया गया, बैठक आगामी त्यौहार संत रविदास जयंती, शबे बरात, महाशिवरात्रि, कावड़ यात्रा आदि को शांतिपूर्ण रूप से संपन्न कराने को लेकर बुलाई गई, बैठक को सम्बोधित करते हुए एसडीएम हिमांशु उपाध्याय ने सभी त्योहारों को आपसी भाईचारे के साथ मनाने की अपील की उन्होंने स्पष्ट किया कि इस दौरान कोई भी नई परंपरा नहीं डाली जाए तथा शांति व्यवस्था बनाए रखें, वही पुलिस क्षेत्राधिकारी पंकज कुमार त्यागी ने नागरिकों से पुलिस प्रशासन का सहयोग करने का आग्रह करते हुए कहा कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि या व्यक्ति की सूचना तत्काल पुलिस को दें, वहीं बैठक में रहरा अमरोहा बायपास मार्ग एवं नगर में बढ़ते अतिक्रमण को लेकर भी मुद्दा उठाया गया, बैठक में पहुंचे लोगों ने शबे बरात के अवसर पर कब्रिस्तान के आसपास विशेष सफाई व्यवस्था एवं महाशिवरात्रि और कावड़ यात्रा के दौरान मार्गो पर एवं मंदिरों के आगे विशेष सफाई व्यवस्था किए जाने की भी मांग की, बैठक में पहुंचे व्यापारी नेताओं एवं विभिन्न वर्गों के लोगों ने अपने-अपने विचार रखें, इस मौके पर मुख्य रूप से एसडीएम हिमांशु उपाध्याय, पुलिस क्षेत्राधिकारी पंकज कुमार त्यागी, कोतवाल प्रेमपाल सिंह, एसएसआई अमित कुमार, अधिशासी अधिकारी विजयपाल सिंह, व्यापारी नेता मुकेश गुप्ता, अंकुर अग्रवाल, संदीप गुप्ता, मंडल अध्यक्ष राजू राणा, चमन अंसारी, इकराम चौधरी, नसीम बंजारा प्रधान पति, हाफिज नूर मोहम्मद, अकिल पहलवान, शाहनवाज अंसारी, भारत लाल प्रजापति, अशोक मौर्य, जगबीर मौर्य, मनोज कुमार, विजय पारछा आदि सहित भारी संख्या में गढ़ मान्य लोग मौजूद रहे 1

"समय रहते वोट बनवाएँ नौजवान, लोकतंत्र को मज़बूत करें- चौधरी मुशीर अली ख़ान"

- ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन की ताक़तः जागरूक नौजवान और मज़बूत लोकतंत्र-चौधरी मुशीर अली ख़ान

लोक तंत्र की शान, सैय्यद कुमैल ज़ैदी

संभल लोकतंत्र की मजबूती जनता के वोट से तय होती है और इस सच को ज़मीन पर उतारने का काम ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन लगातार कर रही है। इसी क्रम में पार्टी के वरिष्ठ नेता चौधरी मुशीर अली ख़ान ने शहर वासियों से वा विधानसभा क्षेत्र के नौजवानों से आह्वान किया कि जो युवक-युवतियाँ 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके हैं, वे बिना देर किए अपना नया मतदाता पहचान पत्र बनवाएँ। उन्होंने कहा कि वोट केवल एक दस्तावेज़ नहीं, बल्कि हक़, इंसाफ़ और विकास की बुनियाद है। जिन नागरिकों का नाम अभी तक मतदाता सूची में दर्ज नहीं है, वे फॉर्म-6 भरकर अपना नाम अवश्य दर्ज कराएँ। चौधरी मुशीर अली ख़ान ने यह भी स्पष्ट किया कि जिन मतदाताओं के वोटर कार्ड में जन्म-तिथि या पते से संबंधित कोई भी त्रुटि है, वे उसे नज़रअंदाज़ न करें। ऐसे मामलों में फॉर्म-8 के माध्यम से समय रहते सुधार कराना आवश्यक है, ताकि भविष्य में किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने जानकारी दी कि विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक बूथ पर ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के नौजवान कार्यकर्ता पूरी सक्रियता के साथ मौजूद हैं, साथ ही संबंधित बूथ लेवल अधिकारी (BLO) भी तैनात हैं। पार्टी का उद्देश्य है कि कोई भी पात्र नागरिक मताधिकार से वंचित न रहे। चौधरी मुशीर अली ख़ान ने कहा कि सरकार समय-समय पर नए कानून लागू करती रहती है, ऐसे में यह और भी ज़रूरी हो जाता है कि हर नागरिक का नाम मतदाता सूची में सही, स्पष्ट और सुरक्षित रूप से दर्ज हो। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन का मानना है कि जागरूक मतदाता ही लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताक़त है। उन्होंने नौजवानों से कहा कि यदि आज वोट बनवाने में लापरवाही की गई, तो कल अपने अधिकारों और विकास की बात करना कठिन हो जाएगा। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन हर उस नागरिक के साथ खड़ी है जो सच्चाई, इंसाफ़ और बराबरी के सिद्धांतों में विश्वास रखता है। अंत में उन्होंने सभी पात्र नागरिकों से अपील की कि वे जल्द से जल्द अपना वोट बनवाएँ, मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराएँ और अपने मताधिकार के ज़रिये लोकतंत्र को मज़बूत करने में सक्रिय भूमिका निभाएँ।

संक्षिप्त समाचार

पटनासिटी में 80 लाख की कफ सिरप बरामद, तेजपत्ता-मिर्च में छुपाकर हिमाचल से कटिहार ले जा रहे थे, 6 गिरफ्तार

पटना। पटना सिटी के मालसलामी थाना पुलिस ने गुरुवार देर रात बड़ी कार्रवाई करते हुए 80 लाख रुपये के प्रतिबंधित कफ सिरप बरामद किए हैं। नगला के पास से की गई इस कार्रवाई में छह तस्करों को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने पांच बोलोरो पिकअप गाड़ियों से कुल 4500 लीटर प्रतिबंधित कफ सिरप जब्त किया। तस्कर इन सिरप को तेजपत्ता और मिर्च के बीच छुपाकर ले जा रहे थे, ताकि पुलिस की नजर से बच सकें। पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी डॉ. गौरव कुमार ने बताया कि मालसलामी थाना पुलिस को नगला के पास बड़े पैमाने पर प्रतिबंधित कफ सिरप की तस्करी की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर एक टीम गठित कर छापेमारी की गई। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि ये सभी प्रतिबंधित कफ सिरप हिमाचल प्रदेश से लाए गए थे और इन्हें कटिहार में सप्लाई करने की योजना थी। पुलिस अब गिरफ्तार तस्करों से पूछताछ कर इस पूरे नेटवर्क को खंगालने में जुटी है। गिरफ्तार किए गए तस्करों की पहचान मुकेश कुमार (वैशाली), गुड्डू कुमार (वैशाली), मोहम्मद रहीम (कटिहार), सूर्य प्रकाश (कटिहार), मिथिलेश कुमार (सहरसा) और मोहम्मद सागर (कटिहार) के रूप में हुई है। पुलिस का मानना है कि इन अपराधियों का नेटवर्क पूरे देश में फैला हुआ है।

पटना वीमेंस कॉलेज में 'विरासत 2026' टेक्नो-कल्चरल फेस्ट, आज बॉलीवुड सिंगर अमित मिश्रा का लाइव कॉन्सर्ट

पटना। पटना वीमेंस कॉलेज में आज टेक्नो-कल्चरल फेस्ट 'विरासत 2026' का आखिरी दिन है। सुबह से ही तरह-तरह के कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं। टेक कल्चर, सोलो सागा, स्नैपचर, देशज धुन का आयोजन हुआ, जिसमें छात्राओं ने एक से बढ़कर एक परफॉर्मेंस दिया। आज बॉलीवुड सिंगर अमित मिश्रा का लाइव कॉन्सर्ट है। इसके लिए स्टेज सज रहा है। छात्राएं सुबह से ही आकर इन्तजार कर रही है। इसे लेकर छात्राएं काफी उत्साहित हैं। कई लड़कियां अमित मिश्रा का गाना भी गुनगुना रही हैं। शिवानंशी तिवारी ने कहा कि, हमारा पूरा गर्ल्स गैंग अमित मिश्रा का वेट कर रहे हैं। उनके कॉन्सर्ट को लेकर हम काफी एक्साइटेड हैं। उनका नाम लेने पर ही गुज-बम्प्स आ जाते हैं। मुझसे इंतजार नहीं हो रहा है। मेरी एक दोस्त भी कॉन्सर्ट के लिए सुबह से ही आकर बैठी हुई है। छात्रा मानसी ने कहा कि, हम लोग काफी एक्साइड हैं, क्योंकि यह अमित मिश्रा का कॉन्सर्ट है। हम लोग कॉन्सर्ट शुरू होने का इंतजार कर रहे हैं। उनके सारे गाने अच्छे लगते हैं। खासकर बुल्लेया सॉन्ग। बस अब सब्र नहीं हो रहा है। वहीं, छात्रा वीणा ने कहा कि, 'कॉलेज के प्रोग्राम में आना मुझे काफी अच्छा लगा। आज कॉलेज में बाहर से बॉलीवुड सिंगर आ रहे हैं। आज हमें उनको सुनने और उनके साथ गुनगुनाने का अनुभव मिलेगा। आज एक्साइटमेंट बहुत ही ज्यादा हाई है।'

बिहटा में आपसी विवाद के बाद फायरिंग, दो खोखे और दो बाइक जब्त, आरोपी फरार, जांच में जुटी पुलिस

पटना। बिहटा के सदिसोपुर में आपसी विवाद के बाद अज्ञात युवकों ने एक घर पर फायरिंग की। यह घटना शनिवार सुबह हुई। पुलिस ने मौके से दो खाली कारतूस और दो मोटरसाइकिलें जब्त की हैं। बिहटा पुलिस के अनुसार, शुक्रवार रात कुछ युवकों का राजेश चौधरी से विवाद हुआ था। इसी विवाद के चलते शनिवार सुबह करीब दस अज्ञात युवक राजेश चौधरी के घर पहुंचे और फायरिंग कर दी ।घटना में राजेश चौधरी के पुत्र अमित कुमार के हाथ में चोट लगी है। हालांकि, फायरिंग में किसी को गोली लगने की खबर नहीं है। पीड़ित परिवार फिलहाल दहशत में है। सूचना मिलने पर बिहटा थाना प्रभारी अमित कुमार दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस को देखकर फायरिंग करने वाले युवक दो बाइक छोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने घटनास्थल से दो खाली कारतूस बरामद किए और दोनों मोटरसाइकिलों को जब्त कर लिया। मामले की जांच जारी है।

मध्य विद्यालय महनार में अभिभावक शिक्षक संगोष्ठी, माह के अंतिम शनिवार को हुआ आयोजन, छात्रों को मिला पुरस्कार

हाजीपुर। वैशाली के मध्य विद्यालय महनार (बालक) परिसर में माह के अंतिम शनिवार को अभिभावक-शिक्षक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आंगनबाड़ी केंद्र और विद्यालय की पहली से तीसरी कक्षा के सफल प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। पुरस्कार पाकर विद्यार्थी काफी प्रसन्न दिखे। यह संगोष्ठी विभागीय निर्देशानुसार आयोजित की गई। बीईओ अहिल्या कुमारी के कुशल निर्देशन, एचएम कृष्ण कुमार सिंह के मार्गदर्शन, प्रभारी एचएम राजेश कुमार की अध्यक्षता और वरीय शिक्षक कुंदन कुमार सिंह के संचालन में बैठक संपन्न हुई। बैठक का मुख्य विषय 'हम और आप मिलकर करेंगे बच्चों का समग्र विकास' रहा, जिस पर विस्तार से चर्चा की गई। इस संगोष्ठी में विद्यालय शिक्षा समिति की सचिव रामेश्वरी देवी, शिक्षक राजेश, कुंदन कुमार सिंह, रामचंद्र दास, पिंकी कुमारी, नेहा कुमारी, सीमा कुमारी, पुष्पांजलि कुमारी, निशा कुमारी, शिक्षा सेवक ललन राउत और आरती कुमारी, आंगनबाड़ी सेविका रेणु जयसवाल सहित सैकड़ों अभिभावक उपस्थित रहे।

बिदुपुर अंचल कार्यालय में प्रोटेस्ट, जमीन रिकॉर्ड में गड़बड़ी और अधिकारियों पर गलत बर्ताव का आरोप

हाजीपुर। वैशाली के बिदुपुर प्रखंड अंचल कार्यालय में ग्रामीणों ने जमीन के दस्तावेजों में गड़बड़ी और अधिकारियों के उदासीन रवैये को लेकर विरोध किया। इस दौरान खानपुर पकरी पंचायत के पैक्स अध्यक्ष जयप्रकाश सिंह ने अधिकारियों पर दुर्व्यवहार का आरोप लगाया। पैक्स अध्यक्ष जयप्रकाश सिंह ने बताया कि वे ग्रामीणों के साथ दाखिल-खारिज रिकॉर्ड में हुई गड़बड़ी को लेकर कार्यालय पहुंचे थे। उनका आरोप है कि CO करिश्मा कुमारी ने न तो उनकी बात सुनी और न ही कोई समाधान किया, बल्कि सुरक्षा गार्ड बुलाकर उन्हें कार्यालय परिसर से बाहर निकलवा दिया। सिंह ने कहा, "यदि एक निर्वाचित प्रतिनिधि के साथ सीओ ऐसा दुर्व्यवहार कर सकती हैं, तो सामान्य ग्रामीण की दुर्दशा का अंदाजा लगाया जा सकता है।" इस विवाद की शुरुआत चांदपुरा सैदाबाद गांव के तनुज प्रकाश और रमाकांत सिंह की शिकायतों से हुई है। उन्होंने आरोप लगाया है कि उनकी जमीन के ऑनलाइन रिकॉर्ड में गलत खेसरा नंबर दर्ज है। एक अन्य मामले में नशे की हालत में फर्जी रजिस्ट्री होने के भी गंभीर आरोप लगाए गए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार लिखित शिकायत करने के बाद भी प्रशासन ने कोई कार्रवाई नहीं की है। जयप्रकाश सिंह ने राज्य सरकार से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की। उन्होंने उपमुख्यमंत्री से इस पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराने और जमीन रिकॉर्ड में गड़बड़ी करने वाले तथा ग्रामीणों व उनके प्रतिनिधियों के साथ दुर्व्यवहार करने वाले अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की अपील की। ग्रामीणों की प्रमुख मांगों में जमीन रिकॉर्ड में तुरंत सुधार एवं जांच, फर्जी दस्तावेज बनाने वालों पर कानूनी कार्रवाई, हुए दुर्व्यवहार की जांच और प्रशासनिक प्रक्रिया में सुधार शामिल हैं। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया तो आंदोलन का दायरा बढ़ाया जाएगा। CO करिश्मा कुमारी ने बताया की उनके आवेदन पर कार्यालय में सुनवाई हुई है। अधिकारियों ने उनके आवेदन को देख लिया है और शीघ्र निपटारे का आश्वासन दिया गया है। हालांकि, कार्यालय में उस समय शिकायतकर्ताओं की लंबी कतार के कारण उनसे अधिक देर तक बात नहीं हो पाई, लेकिन अधिकारियों ने उनकी समस्याओं को समझ लिया है। उन्होंने बताया कि जल्द ही जांच के बाद उनकी समस्या का समाधान किया जाएगा।

पटना सिटी में युवक की चाकू गोदकर हत्या, शव बरामद

एजेंसी, पटना

पटना सिटी के आलमगंज थाना क्षेत्र स्थित कंटाही घाट से शनिवार को एक 25 वर्षीय युवक का शव बरामद हुआ है। स्थानीय लोगों ने गंगा किनारे शव देखकर पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद आलमगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। पुलिस के अनुसार, मृतक की उम्र लगभग 25 साल है। शव पर गंभीर चोटों के निशान मिले हैं, जिससे प्रथम दृष्टया चाकू गोदकर हत्या की आशंका जताई जा रही है। पुलिस का अनुमान है कि युवक की हत्या कहीं और की गई होगी और फिर सबूत मिटाने के इरादे से शव को गंगा में फेंक दिया गया, जो कंटाही घाट के पास किनारे आ लगा। घटनास्थल पर फॉरेंसिक साइंस लैब (एफएसएल) टीम को बुलाया गया, जिसने महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्र किए। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए नालंदा मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (एनएमसीएच) भेज दिया है। मौत के सही कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो पाएगा।

♦ आलमगंज के कंटाही घाट से मिला शव, एफएसएल की टीम कर रही जांच

पुलिस पहचान करने में जुटीः खबर लिखे जाने तक मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस आसपास के थानों में दर्ज गुमशुदगी की रिपोर्टों की जांच कर रही है और स्थानीय लोगों से पूछताछ कर रही है। इसके अतिरिक्त, घाट और आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है, ताकि घटना से जुड़े सुराग मिल सकें। आलमगंज थाना प्रभारी राहुल कुमार ठाकुर ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए हर पहलू से जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि हत्या के पीछे आपसी रंजिश, लूटपाट या किसी अन्य आपराधिक कारण की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

तेजप्रताप ने खाली किया बंगला मंत्री बोले- पंखा-कुर्सी गायब

एजेंसी, पटना

पूर्व मंत्री और JJD अध्यक्ष तेजप्रताप यादव ने पटना स्थित 26 एम स्टैंड रोड का सरकारी आवास खाली कर दिया है। बताया जा रहा है कि आवास में मौजूद फर्नीचर और अन्य जरूरी सामान को LR भारत के नाम से अनीसाबाद रोड स्थित ऑफिस में शिफ्ट किया गया है। सरकारी आवास खाली होने के बाद नया विवाद सामने आया है। दरअसल, ये बंगला मंत्री लखेंद्र पासवान को अलॉट हुआ है। उनका आरोप है कि सरकारी आवास से सामान गायब है।

उन्होंने बताया, 'बंगले से पंखा, कुर्सी, एसी, बल्ब तक नहीं है। सरकारी आवास में हर विधायक-मंत्री को सुविधा दी जाती है। खंडहर भवन नहीं मिलता है, लेकिन यहां तो छत भी डैमेज है। ये आवास फिलहाल रहने लायक नहीं है, जब तक इसकी मरम्मत नहीं हो जाती। इस आवास में आपको कुछ नहीं मिलेगा। पंखा-एसी सब उजाड़ लिया गया गया। गेट के लैच तक तोड़े गए हैं। मैंने इसकी जानकारी भवन निर्माण विभाग के अधिकारियों को भी दी है, उन्हें सब दिखा दिया है।'

♦ बल्ब-एसी निकालकर ले गए छत डैमेज, खंडहर बनाकर छोड़ गए सरकारी आवास

दही-चूड़ा भोज का किया था आयोजनः पार्टी-परिवार से निकाले जाने के बाद तेजप्रताप ने इसी आवास में मकर संक्रांति के अवसर पर पारंपरिक दही-चूड़ा भोज का आयोजन किया था। इस आयोजन में राजद सुप्रीमो और उनके पिता लालू प्रसाद यादव, पार्टी के कई वरिष्ठ नेता और मंत्री भी शामिल हुए थे। इस दौरान लालू यादव ने कहा था कि उनकी बेटे से कोई नाराजगी नहीं है। जिसके बाद तेजप्रताप के लालू परिवार में वापसी की चर्चा भी होने लगी थी।

पटना का 25000 का इनामी कुख्यात रणधीर गिरफ्तार

एजेंसी, पटना

पटना में पुलिस ने 25,000 रुपये के इनामी कुख्यात अपराधी रणधीर कुमार को गिरफ्तार कर लिया है। रणधीर दानापुर कोर्ट परिसर में 2023 में हुए अभिषेक उर्फ छोटे सरकार हत्याकांड का मुख्य आरोपी है। पुलिस उसे एक गुप्त स्थान पर ले जाकर पूछताछ कर रही है।

शुक्रवार दोपहर दानापुर के सिल्हौरी स्थित एक मोटरसाइकिल शोरूम से पकड़ा गया। पुलिस को उसके वहां होने की सूचना मिली थी, जिसके बाद एसटीएफ के साथ मिलकर एक संयुक्त अभियान में उसे दबोचा गया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस उसे एक स्कॉर्पियो वाहन में लेकर रवाना हो गई।

पुलिस के अनुसार, रणधीर मनोज मानिक गिरोह का एक सक्रिय सदस्य भी है। उस पर एक साल पहले नौबतपुर के नवही गांव में हुए सोनू हत्याकांड में भी शामिल होने का आरोप है। पुलिस लंबे समय से उसकी तलाश कर रही थी।

❒ दानापुर कोर्ट में छोटे सरकार मर्डर का है आरोपी, एसटीएफ के साथ मिल पुलिस ने पकड़ा

सिटी एसपी ने की गिरफ्तारी की पुष्टिः पटना के सिटी एसपी पश्चिम भानु प्रताप सिंह ने रणधीर कुमार की गिरफ्तारी की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि रणधीर पर कुछ दिन पहले ही 25,000 रुपये का इनाम घोषित किया गया था। एसपी सिंह ने इस गिरफ्तारी को पटना पुलिस के लिए एक बड़ी सफलता बताया।

यूजीसी एक्ट लागू करने की मांग, आईसा का प्रदर्शन

एजेंसी, पटना

सुप्रीम कोर्ट ने 29 जनवरी को यूनिवर्सिटी-कॉलेज में भेदभाव रोकने वाले UGC के नए नियम पर रोक लगा दी थी। रोक लगने के बाद विरोध कर रहे स्टूडेंट इसे जीत बता रहे हैं। जबकि सपोर्ट करने वाले नाराज हैं। आज पटना में कैंपसों में जातिगत भेदभाव के खिलाफ रोहित एक्ट के तर्ज पर UGC एक्ट को लागू करने की मांग को लेकर AISA का कारगिल चौक पर प्रदर्शन चल रहा। उनका कहना है कि अत्याचार अधिकार नहीं है, समानता की मांग करना प्रतिशोध नहीं है।

रोहित एक्ट के तर्ज पर लागू किया जाए यूजीसी एक्ट- प्रदर्शनकारीः प्रदर्शनकारी कुमार दिव्यम ने कहा कि, 'यूजीसी लागू करने की हमारी मांग इसलिए है, क्योंकि आए दिन हम लोग देखते हैं कि कैंपस में जातिगत भेदभाव की घटना होती है। एग्जाम में नंबर देने से लेकर हॉस्टल एलॉटमेंट तक में जाति देखी जाती है। पटना यूनिवर्सिटी में हर साल हम लोग यह लड़ाई लड़ते हैं कि ऐसा ना हो कि एससी-एसटी छात्रों का एडमिशन न हो और बची हुई सीटों को भी रिजर्व कर दिया जाए।' कुमार दिव्यम ने आगे कहा, 'कई छात्र तो यह भी कहते हैं कि हमारी जाति के टीचर जो हैं, हमें नंबर दे देंगे। कैंपस में इसे लेकर कोई बॉडी ही नहीं बनी है। नामांकन से लेकर हॉस्टल एलॉटमेंट और एग्जाम में मार्क्स देने तक में जातिवाद दिखता है।'

बस दिखावे के लिए यूजीसी एक्ट लाई थी मोदी सरकार- प्रदर्शनकारीः प्रीति कुमारी ने कहा कि, 'कैंपस में एससी, एसटी और ओबीसी के साथ जातिगत भेदभाव होता है। सुप्रीम कोर्ट ने यूजीसी एक्ट पर रोक लगा दी है। इससे वह उत्पीड़न को और बढ़ा रही है। सामंतवादी लोग कैंपस में अपना वर्चस्व कायम रखना चाहते हैं। वह चाहते हैं कि कैंपस में दलित और पिछड़ा वर्ग के लोग डर कर रहें और खदेड़े जाएं। पहले सुप्रीम कोर्ट यह समझे कि कौन उत्पीड़न कर रहा है और कौन सा उत्पीड़ित हो रहा है।'

मंडल 2.0 छात्र युवा संघर्ष समिति आंदोलन की करेगी घोषणाः दूसरी ओर आज मंडल 2.0 छात्र युवा संघर्ष समिति यूजीसी रेग्युलेशन एक्ट 2026 को लेकर आगे की आंदोलनात्मक रणनीति की घोषणा करेगी। उनका कहना है कि देश में एक बड़ी बहुजन आबादी के साथ निरंतर भेदभाव किया जा रहा है। खासकर विश्वविद्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों में हो रहे अन्यायपूर्ण व्यवहार को लेकर गंभीर चिंताएं सामने आ रही हैं। इसे लेकर हम लोग आगे आंदोलन करेंगे।

❒ कारगिल चौक पर जुटे छात्र, बोले-दिखावे के लिए यूजीसी एक्ट लाई थी मोदी सरकार

सुप्रीम कोर्ट ने UGC एक्ट पर लगाई थी रोकः UGC के नए कानून का नाम- 'प्रमोशन ऑफ इक्विटी इन हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशन रेगुलेशन, 2026' था। इसके तहत कॉलेजों और यूनिवर्सिटी में SC, ST और OBC छात्रों के खिलाफ जातीय भेदभाव रोकने के लिए कई निर्देश दिए गए थे। नए नियमों के तहत, कॉलेजों और यूनिवर्सिटी में विशेष समितियां, हेल्पलाइन और मॉनिटरिंग टीमें बनाने का निर्देश दिया गया। ये टीमें SC, ST और OBC छात्रों की शिकायतों को देखेंगी। सरकार का कहना है कि ये बदलाव उच्च शिक्षा संस्थानों में निष्पक्षता और जवाबदेही लाने के लिए किए गए हैं। हालांकि, सवर्ण जाति के स्टूडेंट्स का आरोप है कि UGC ने जाति आधारित भेदभाव की गैर-समावेशी परिभाषा अपनाई है और इससे कॉलेजों में अराजकता पैदा होगी।

बिहटा- महिला से 50 हजार छीने, सीसीटीवी में कैद आरोपी, बैंक से निकलते ही स्प्रे मारी

एजेंसी, पटना

बिहटा में एक वृद्ध महिला से 50 हजार रुपये लूट लिए गए। यह घटना शुक्रवार दोपहर श्रीरामपुर बाजार स्थित इंडियन बैंक के बाहर हुई। बदमाशों ने महिला के चेहरे पर स्प्रे कर उसे बेहोश किया और फिर नकदी छीनकर फरार हो गए।

पुलिस के अनुसार, पीड़ित महिला उषा देवी बैंक से 50 हजार रुपये निकालकर बाहर आ रही थीं। तभी दो युवकों ने उनका पीछा किया और बैंक परिसर से बाहर निकलते ही उनके चेहरे पर स्प्रे कर दिया। स्प्रे के प्रभाव से महिला को चक्कर आने लगे और वह बेहोशी की हालत में हो गईं। इसी दौरान, अपराधियों ने महिला के पास से रुपयों से भरा बैग छीन लिया। घटना को अंजाम देने के बाद दोनों बदमाश मौके से फरार हो गए। महिला ने होश में आने पर अपने परिजनों को घटना की जानकारी दी। परिजन की सूचना पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस टीम ने बैंक में लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच की, जिसमें दो युवक महिला का पीछा करते और घटना को अंजाम देते साफ तौर पर दिखाई दे रहे हैं।

महिला से रुपए भरा बैग छीनकर हुए फरार

महिला बोली- चेहरे पर स्प्रे मारकर छीने रुपएः पीड़ित उषा देवी ने बताया कि बैंक से पैसे निकालने के बाद जब वह सीढ़ियों से उतर रही थीं, तभी एक युवक ने उनके चेहरे पर स्प्रे किया। कुछ दूर चलने के बाद दूसरे युवक ने दोबारा स्प्रे किया, जिससे वह पूरी तरह बेहोश हो गईं और इसी दौरान उनका बैग छीन लिया गया। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर दोनों आरोपियों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के प्रयास कर रही है।

इधर घटना को लेकर थाना प्रभारी अमित कुमार ने बताया कि पीड़ित महिला के तरफ से थाने में लिखित आवेदन दिया गया है ।अपराधियों की पहचान की जारी है ।घटना से पहले का सीसीटीवी फुटेज सामने आया जहां दो युवक संदिग्ध दिख रहे है फिलहाल दोनों युवकों की पहचान में पुलिस की टीम लगी हुई है।

वैशाली-कोहरे के चलते कार-कंटेनर की टक्कर, डॉक्टर दंपती की मौत

एजेंसी, पटना

जहानाबाद, जमुई और नालंदा समेत 9 जिलों में शनिवार सुबह घना कोहरा छाया रहा, जिससे विजिबिलिटी घटकर 50 मीटर तक पहुंच गई। पटना के मरीन ड्राइव और जेपी सेतु इलाके में भी घने कोहरे के कारण वाहनों की रफ्तार धीमी रही। इधर, वैशाली में शनिवार सुबह घने कोहरे के कारण तेज रफ्तार कार खड़े कंटेनर से टकरा गई। हादसे में डॉक्टर दंपती की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि ड्राइवर गंभीर रूप से घायल है। घटना सराय थाना क्षेत्र के टोल प्लाजा के पास हुई। वहीं, बक्सर में घने कोहरे के चलते तेज रफ्तार डंपर ने ऑटो को टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में एक महिला समेत छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा बक्सर–चौसा मार्ग पर महादेवा घाट के पास हुआ।

मौसम विभाग ने प्रदेश के 12 जिलों के लिए घने कोहरे को लेकर यलो अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में 50 से 200 मीटर तक विजिबिलिटी रहने की संभावना है। विभाग के अनुसार, सुबह और देर रात विजिबिलिटी और कम हो सकती है। बिहार में मौसम का मिजाज बदल गया है। दिन में तेज धूप निकल रही है। हालांकि पहाड़ी इलाकों से आ रही ठंडी हवा से प्रदेश में कनकनी बढ़ी हुई है। मौसम विभाग के मुताबिक, अधिकतम तापमान 20 से 24 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। न्यूनतम तापमान 8 से 14 डिग्री सेल्सियस के आसपास दर्ज किया जा सकता है।

गोपालपुर थाने में जब्त वाहनों में लगी आग, गाड़ियां जलकर खाक

एजेंसी, पटना

पटना में गोपालपुर थाना क्षेत्र के संपतचक बाजार में शनिवार शाम जब्त किए गए कई वाहनों में भीषण आग लग गई। आग की लपटें दूर तक दिखाई दे रही थीं और वाहनों के टायरों व टंकियों में धमाके होते रहे। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। घटनास्थल पर गोपालपुर थाना प्रभारी अमित कुमार मौजूद हैं, जो स्थिति पर काबू पाने के निर्देश दे रहे हैं। आग की तीव्रता के कारण आसपास अफरा-तफरी मच गई थी, जिसके चलते स्थानीय लोगों से सुरक्षित दूरी बनाए रखने का आग्रह किया गया है। आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है।

थाना प्रभारी अमित कुमार ने फायर ब्रिगेड और संबंधित विभागों को आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने का आदेश दिया है। उन्होंने आम जनता से शांति बनाए रखने और बचाव कार्यों में बाधा न डालने की अपील की है। स्थानीय प्रशासन ने आपातकालीन सेवाओं को सुचारु रूप से चलाने के लिए आसपास के बाजारों और मार्गों को अस्थायी रूप से बंद कर दिया है।

आग से हुए संपत्ति के नुकसान का आकलन फायर ब्रिगेड और पुलिस की संयुक्त टीम कर रही है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, किसी बड़े मानवीय नुकसान की पुष्टि नहीं हुई है, हालांकि अधिकारी घटनास्थल पर मौजूद लोगों की सुरक्षा को प्राथमिकता दे रहे हैं। आग लगने के कारणों का पता लगाने के लिए फोरेंसिक जांच और सीसीटीवी फुटेज की पड़ताल की जा रही है।

जिलों के 72 खिलाड़ियों को पटना में खेलने का मौका

एजेंसी, पटना

10 से 16 साल के स्कूली बच्चों में खेल प्रतिभाओं को निखारने और उन्हें राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने के उद्देश्य से बिहार स्पोर्ट्स महासंग्राम के तहत पटना के ताज सिटी सेंटर में प्रिंसिपल्स मीट एवं संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बिहार के विभिन्न जिलों से आए सरकारी और निजी विद्यालयों के प्राचार्यों ने भाग लिया। इसका मुख्य उद्देश्य विद्यालयों को बिहार स्पोर्ट्स महासंग्राम की दृष्टि, कार्य योजना और संरचना से जोड़ते हुए स्कूल स्तर पर खेलों को संस्थागत रूप देना था, ताकि प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान शुरू में ही हो सके।

विद्यालयों को खेल आंदोलन से जोड़ने की पहलः आयोजकों ने बताया कि बिहार स्पोर्ट्स महासंग्राम पहले ही एक राज्य स्तरीय स्कूली खेल पहल के रूप में शुरू किया जा चुका है, जिसका लक्ष्य बच्चों में शारीरिक फिटनेस, अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, चारित्रिक विकास को बढ़ावा देना है। इस पहल में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के छात्रों को समान अवसर, पारदर्शी चयन प्रक्रिया और सुरक्षित खेल वातावरण उपलब्ध कराया जा रहा है।

हर जिले से 72 खिलाड़ियों को मिलेगा पटना में प्रदर्शन का मौकाः खेल मंत्री श्रेयसी सिंह ने कहा कि बिहार स्पोर्ट्स महासंग्राम के तहत प्रत्येक जिले से 72 प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को राजधानी पटना में प्रदर्शन का अवसर मिलेगा। चयनित खिलाड़ियों को स्कॉलरशिप और स्पॉन्सरशिप प्रदान की जाएगी, ताकि वे बिहार और देश का नाम रोशन कर सकें। उन्होंने कहा कि 'खेल को बढ़ावा देने के लिए सरकार और समाज को मिलकर काम करना होगा। बिहार सरकार आधारभूत संरचना, नीतियों और योजनाओं के माध्यम से खिलाड़ियों को हर संभव सहयोग दे रही है।'

इंफ्रास्ट्रक्चर से लेकर एकलव्य स्कूलों तक सरकार का फोकसः खेल मंत्री ने बताया कि बिहार सरकार द्वारा प्रत्येक जिले में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस विकसित किए जा रहे हैं। विभिन्न खेलों के लिए अलग-अलग नीतियां बनाई जा रही हैं। राज्य में 68 एकलव्य विद्यालय खोले जा रहे हैं। साल के अंत तक सभी एकलव्य विद्यालय संचालित हो जाएंगे, जिससे ग्रामीण और वंचित क्षेत्रों के बच्चों को भी गुणवत्तापूर्ण खेल प्रशिक्षण मिल सकेगा।

❒ श्रेयसी सिंह बोलीं- हर जिले का खिलाड़ी राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंच सकता, 68 एकलव्य स्कूल खुलेंगे

सोनू सूद बने रोल मॉडल, रजत दलाल फिटनेस फेसः इस पहल से प्रसिद्ध अभिनेता और समाजसेवी सोनू सूद को रोल मॉडल के रूप में जोड़ा गया है, जो बच्चों को प्रेरणा प्रदान करेंगे। वहीं फिटनेस एक्सपर्ट रजत दलाल को फिटनेस फेस बनाया गया है, जो छात्रों को स्वस्थ, अनुशासित और सक्रिय जीवनशैली अपनाने के लिए मार्गदर्शन देंगे।

संक्षिप्त समाचार

रेवाड़ीः नाले में गिरने से वृद्ध हलवाई की मौत

लोकतंत्र की शान : रेवाड़ी। रेवाड़ी के धारूहेड़ा में बीती रात नाले में गिरने से एक वृद्ध हलवाई की मौत हो गई। मृतक की पहचान गांव अलावलपुर निवासी 73 वर्षीय सीताराम हलवाई के रूप में हुई है। सूचना मिलने के बाद धारूहेड़ा थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार गांव अलावलपुर निवासी 73 वर्षीय वृद्ध सीताराम किसी काम से धारूहेड़ा आया था। शुक्रवार को देर शाम वह जब घर जाने के लिए पैदल सड़क की ओर जा रहा था। इसी दौरान विपुल गार्डन के पास अचानक खाली नाले में गिर गया। राहगीरों को इसका पता चलने पर लोगों की मदद से वृद्ध को बाहर निकाला गया। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। जिसके बाद घायल सीताराम को अस्पताल पहुंचाया। जहां उपचार के दौरान रात को सीताराम की मौत हो गई। सीताराम पहले हलवाई का काम करता था तथा अब घर पर ही रहता था। धारूहेड़ा थाना एसएचओ कश्मीर ने बताया कि शुक्रवार को पैदल जाते समय नाले में गिर गया था। जिसे अस्पताल में भर्ती करवाया गया, परन्तु रात को उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

नारनौल में घोड़ी पर बैठाकर निकाला बेटी का बनवारा

लोकतंत्र की शान : नारनौल। नारनौल के शिवाजी नगर निवासी एक व्यक्ति ने बीती रात अपनी बेटी की शादी से पूर्व उसको घोड़ी पर बैठाकर बनवारा निकाला। लड़की हैदराबाद में मल्टीनेशनल कंपनी में कार्यरत है। पिता द्वारा बेटी की शादी से पूर्व उसको लड़कों की तरह घोड़ी पर बैठाकर बनवारा निकालने की लोग जमकर तारीफ कर रहे हैं। व्यापारी नरेंद्र वर्मा ने बताया कि उनकी बेटी जानवी वर्मा की एक फरवरी को हैदराबाद के रवि से शादी होगी। शुक्रवार रात को शादी से पूर्व लड़की के चाचा प्रदीप व अभिषेक वर्मा ने उसका घोड़ी पर बैठाकर शहर में बनवारा निकाला। जानवी की घुड़चढ़ी पर परिवार की महिलाओं व पुरुषों ने जमकर डांस किया। बनवारे के दौरान लड़की घोड़ी पर बैठी खुश नजर आई तथा लड़की ने भी डांस कर खुशी का इजहार किया। परिवार में इसको लेकर बड़ा उत्साह बना हुआ है। उन्होंने बताया कि लड़की के दादा स्व राजेंद्र वर्मा शहर के वार्ड पार्षद रह चुके। वहीं वे भाजपा के सक्रिय कार्यकर्ता भी रहे हैं। उन्होंने बताया कि उनकी प्रेरणा से ही वे संयुक्त परिवार में रहते हैं तथा लड़की की शादी की खुशी में उसके दोनों चाचा ने बनवारा दिया है। उन्होंने बताया कि लड़की जानवी ने हैदराबाद से बीटेक की तथा उसके बाद वह वहां पर मल्टीनेशनल कंपनी में जॉब लग गई। उन्होंने बताया कि जानवी की जिस लड़के रवि से शादी होगी उसने भी बीटेक की हुई है तथा वह भी एक प्राइवेट कंपनी में कार्यरत है। इस मौके पर बनवारे से पूर्व सहभोज का भी आयोजन किया गया। जिसमें रिश्तेदारों सहित शहर के अनेक लोग शामिल हुए।

जालंधर : प्रधानमंत्री मोदी के दौरे से एक दिन पहले प्रतिष्ठित स्कूल में बम धमाके की धमकी

लोकतंत्र की शान : चंडीगढ़। पंजाब में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जालंधर दौरे से ठीक एक दिन पहले जालंधर के प्रतिष्ठित कैम्ब्रिज स्कूल को बम धमाके की धमकी मिली है। धमकी देने वाले ने संदेश में प्रधानमंत्री के दौरे से इसे जोड़ते हुए कहा है कि आज तीन-चार स्कूलों में धमाका होगा। धमकी में लिखा है—"हम गुरु रविदास की पूरी रिस्पेक्ट करते हैं लेकिन मोदी खालिस्तान वालों के दुश्मन हैं। बाबा निरंजन दास के साथ कोई गिला शिकवा नहीं है। निज्जर की मौत का जिम्मेदार कौन...बदला बदला बदला।" यह संदेश स्कूल प्रबंधन को मिला है। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार को जालंधर के निकट डेरा सचखंड बल्ला आ रहे हैं, जिसके चलते शनिवार को पंजाब पुलिस महानिदेशक समेत आला अधिकारी जालंधर में ही मौजूद थे। खालिस्तानियों की धमकी के बाद डेरा सचखंड बल्ला की सुरक्षा को कड़ा कर दिया गया है। डेरे की तरफ जाने वाले सभी रास्तों को सील करके प्रत्येक राहगीर की तलाशी ली जा रही है। इस बीच पंजाब पुलिस महानिदेशक गौरव यादव भी जालंधर पहुंचे और पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक करके सुरक्षा का जायजा लिया। प्रधानमंत्री की सुरक्षा के लिए एसपीजी के जवान भी जालंधर पहुंच गए हैं और पूरे कार्यक्रम स्थल को अपने कब्जे में ले लिया है।

केंद्रीय बजट विकास, निवेश और आम जनता के हितों को मजबूती देगा : धामी

लोकतंत्र की शान : देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि रविवार को पेश होने वाला केंद्रीय बजट 2026 आम जनता के हितों को मजबूती देगा। देहरादून में शनिवार को मीडिया से बात करते हुए धामी ने कहा कि हर बजट उम्मीदों से भरा होता है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय बजट 2026 विकास, निवेश और देश व राज्यों की अर्थव्यवस्था को नई गति देगा। उन्होंने विश्वास दिलाया कि यह बजट सभी के लिए हितकारी होगा। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण रविवार, एक फरवरी को केंद्रीय बजट 2026 पेश करेंगी। इस बजट पर आम लोगों से लेकर बिजनेस जगत तक की निगाहें टिकी हैं।

सोनीपत में नकली सीबीआई इंस्पेक्टर बना झज्जर निवासी गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान : सोनीपत। सोनीपत पुलिस ने स्वयं को सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन का इंस्पेक्टर बताकर लोगों पर रौब जमाने वाले एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। शनिवार को आरोपी पुलिस की वर्दी पहनकर गांव में दबदबा बनाने की कोशिश कर रहा था, जिस पर गांव भटगांव के ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी कि एक व्यक्ति खुद को पुलिस अधिकारी बताकर गांव में घूम रहा है और लोगों पर प्रभाव जमाने का प्रयास कर रहा है।

यूजीसी कानून के विरोध में सामाजिक समरसता संगोष्ठी आयोजित,भारत बंद के आह्वान का समर्थन का निर्णय

लोकतंत्र की शान, रामबिहारी पाण्डेय ब्यूरो

सीधी। भारत सरकार द्वारा पारित किए गए यूजीसी (विश्वविद्यालय अनुदान आयोग) विषयक कानून के विरोध में 31,जनवरी को स्थानीय चंदेल टावर परिसर रामपुर नैकिन में सामाजिक समरसता संगोष्ठी बैठक जनपद पंचायत रामपुर नैकिन के उपाध्यक्ष ऋषिराज मिश्रा की अध्यक्षता में संपन्न हुई, जिसमें सवर्ण समाज द्वारा एक फरवरी को भारत बंद होने की उद्घोषणा का समर्थन किया गया। बैठक में भारत सरकार द्वारा पारित किए गए यूजीसी कानून को काला कानून तथा सामाजिक समरसता में आघात पहुंचाने वाला निरूपित किया गया। क्षेत्र के उर्जावान युवक वर्गीय नेतृत्व कर्ता सुनील सिंह उर्फ सीएस द्वारा आयोजित एवं सुव्यवस्थित कार्यक्रम में सैकड़ों समाजसेवी प्रबुद्ध जनों की उपस्थिति गरिमामय रही। उन्होंने सभी का अभिवादन करते हुए कहा ईर्ष्या द्वेष से परिलक्षित ऐसे सामाजिक समरसता विरोधी कानून के खिलाफ लामबंद होने की निहायत आवश्यकता है। संगोष्ठी बैठक को संबोधित करते हुए क्षेत्र के राष्ट्र,सेवक संघ के प्रचारक वरिष्ठ समाजसेवी अरुण द्विवेदी, द्वारा कहा गया कि आज आत्ममंथन कर समाज की अस्मिता को बचाने तथा नवागत पीढ़ी के भविष्य को सुरक्षित करने हेतु एकजुटता पूर्वक कार्य करने का समय आ गया है।वोट के सौदागरों को संकेत देना होगा कि अब सत्ता का दुरुपयोग जातीय समीकरण के बलबूते किया जाना सहन के बाहर है।उन्होंने कहा कि यदि सरकार द्वारा ऐसे पारित कानून को समाप्त नहीं किया गया तो सवर्ण समाज का जीवन नारकीय बन जाएगा।जिसकी भरपाई नहीं हो सकती,।इसी क्रम में उपाध्यक्ष जनपद पंचायत रामपुर नैकिन द्वारा कहा गया कि जाति के नाम पर सरकार लोकतंत्र को निजी तंत्र में परिलक्षित करना चाहती है,जो,भारत जैसे संवैधानिक देश के विकास के लिए बाधक है। शिक्षा जैसे मंदिर में अलगाव बिलगाव कर सवर्णों का शोषण किया जाना किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं होना चाहिए। आवश्यकता है कि भाईचारे की भावनाओं के साथ ऐसे काले कानून के विरोध में युद्ध स्तर पर लड़ाई लड़नी होगी। सवर्णों को ताकत दिखाना होगा, तभी सत्ता से चिपके हुए सभी राजनीतिक दलों के नेताओं को एहसास होगा। संचालन करते हुए क्षेत्र के उमा निवास मिश्रा द्वारा कहा गया है कि यूसीजी जैसा नामित कानून, शैक्षणिक व्यवस्था में भेद-भाव उत्पन्न होने को परिभाषित करता है, जिससे भारत जैसे विकासशील देश का संविधान कमजोर होगा, उन्होंने कहा कि युवक विकास के स्तंभ हैं जिनके भविष्य को चौपट होते नहीं देखा जा सकता। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जनपद पंचायत रामपुर नैकिन के सभापति अरुण शेखर त्रिपाठी,बाघड़ के अशोक सिंह, रमेश चतुर्वेदी, मुर्तला, के सूर्य प्रताप शर्मा, आनंद सिंह, गुरु प्रसाद पाण्डेय कंधवार, संतोष मिश्रा रामपुर नैकिन, एडवोकेट राजा तिवारी,मलगांव के रिटायर्ड फौजी राममणि द्विवेदी करियाझर के नीलेश तिवारी, आलोक शुक्ला तितिरा, अभय कुशवाहा भैसरहा, घटोखर सरपंच अजय सिंह के द्वारा अपने अपने विचारों को उद्धृत किया गया। सैकड़ों की संख्या में सम्मिलित हुए संगोष्ठी बैठक में एक फरवरी को भारत बंद का समर्थन किया गया ,साथ ही आगामी एक सप्ताह के अंतराल में रामपुर नैकिन तहसील परिसर में यूजीसी जैसे काले कानून के विरोध में विशाल प्रदर्शन किए जाने की रायसुमारी की गई।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दिए कृषक कल्याण वर्ष के निर्देश

» किसानों के कल्याण के लिए मिशन मोड में कार्य करें - मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

लोकतंत्र की शान, रामबिहारी पांडेय ब्यूरो

सीधी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि किसानों का जीवन संवारना राज्य सरकार का दायित्व है और किसानों का समग्र कल्याण सरकार के लिए एक मिशन है। वर्ष 2026 को कृषक कल्याण वर्ष घोषित किया गया है, जिसके अंतर्गत सभी जिलों में योजनाओं का प्रभावी और परिणामोन्मुख क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी कमिश्नर्स एवं कलेक्टर्स को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि कृषक कल्याण वर्ष के दौरान किसान रथ निकाले जाएं तथा किसानों से सतत संवाद स्थापित किया जाए। उन्होंने ग्रीष्मकालीन मूंग के स्थान पर उड़द एवं मूंगफली के अधिकाधिक उत्पादन को प्रोत्साहित करने, दलहनी एवं तिलहनी फसलों का रकबा बढ़ाने, प्राकृतिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा देने के निर्देश दिए। साथ ही कृषि गतिविधियों की नियमित मॉनिटरिंग, कृषि उपज मंडियों का सतत भ्रमण तथा कृषि उत्पादों के मूल्य संवर्धन और विपणन पर विशेष ध्यान देने को कहा। मुख्यमंत्री ने पराली/नरवाई जलाने की घटनाओं पर सख्ती से रोक लगाने, जिलेवार नरवाई प्रबंधन योजना बनाने तथा खेत से निकलने वाले भूसे को गौशालाओं तक पहुंचाने के निर्देश दिए। उन्होंने दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए पशुपालकों को नस्ल सुधार, पशु पोषण एवं पशु स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने पर भी जोर दिया। मुख्यमंत्री ने कलेक्टर्स को कृषक कल्याण वर्ष की तय कार्य योजना को फील्ड में प्रभावी रूप से लागू करने, विशेष अभियान चलाने, नए हितग्राहियों को जोड़ने तथा नवाचारी गतिविधियों को अपनाने के निर्देश दिए। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में एनआईसी सीधी से कलेक्टर श्री स्वरोचिष सोमवंशी एवं संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

एकता व अखंडता के लिए हिंदू समाज का आह्वान

» नगर क्षेत्र मझौली में आयोजित हुआ विशाल हिंदू सम्मेलन

लोकतंत्र की शान, रामबिहारी पांडेय ब्यूरो

सीधी। हिन्दू सनातन धर्म की गरिमा, हिंदू समाज में एकता, सांस्कृति संरक्षण, युवाओं में सामाजिक जागरूकता लाकर समाज व सांस्कृतिक विरासत को सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से जात-पात की करो विदाई हम सब हैं हिंदू भाई-भाई के तर्ज पर देश प्रदेश व जिले के साथ मझौली खंड में भी हिंदू सम्मेलन आयोजित किया जा रहे हैं। इसी कड़ी में आज 30 जनवरी को नगर क्षेत्र मझौली में विशाल हिंदू सम्मेलन सकल हिंदू समाज नगर क्षेत्र मझौली के सानिध्य में संपन्न हुआ। जहां मुख्य वक्ता प्रशांत कुमार विभाग प्रचारक सीधी/सिंगरौली, नारी शक्ति के रूप में समाजसेवी नागेन्द्र सिंह कन्हाई की धर्म पत्नी पूर्व सरपंच ग्राम पंचायत क्षेत्र देवरी साधना सिंह,ज्योतिष पुरोहित वीरेंद्र शुक्ला, जनजातीय प्रमुख बाल करण बैगा मंचासीन रहे। कार्यक्रम शुभारंभ सुंदरकांड पाठ के साथ किया गया। मंचीय कार्यक्रम सं मन्चासीनअतिथियों द्वारा भारत माता व सरस्वती माता की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। जहां अतिथियों का पुष्प गुच्छ भेंट व माल्यार्पण कर स्वागत तथा शाल श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। इस दौरान सरस्वती विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा सामाजिक समरसता एवं पर्यावरण संरक्षण संबंधित गीत की मनमोहक प्रस्तुति दी गई। धार्मिक उद्बोधन में मचसीन अतिथियों द्वारा कार्यक्रम को उद्बोधित किया गया। मुख्य वक्ता प्रशांत कुमार ने बताया गया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में पूरे देश में 80 हजार स्थानों पर हिंदू समाज के द्वारा विशाल हिंदू सम्मेलन का कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उसी कड़ी में यहां भी कार्यक्रम आयोजित हो रहा है।हिंदू समाज आत्म विस्मृत होता जा रहा है,समाज बिखरता हुआ दिख रहा है, समाज को तोड़कर भारत की एकता अखंडता को तोड़ने का प्रयास किया जा रहा है,हिंदुओं के मान बिंदुओं को भी तोड़ने का काम किया जा रहा है जिसके लिए समाज को आगे आने का आह्वान किया।वहीं कहा गया कि संघ शक्ति ही राष्ट्र का निर्माण कर पाएगी।हमारा भारत चिरंजीवी भारत को,अजेय भारत को इसके लिए भी हिंदू समाज का आह्वान करते हुए हर समय सजग रहने एवं तत्पर रहने का सुझाव दिया।नारी शक्ति के रूप में साधना सिंह ने कुल कुटुंब के संबंध में संबोधित करते हुए कहा कि आज समाज के साथ-साथ परिवार भी टूट रहे हैं और समाज की मान्यताएं, परंपराएं भी टूट रही हैं जो चिंता का विषय है जिसके लिए हमें अपने अतीत के इतिहास को जानना और समझना होगा और उसका अनुसरण करना होगा। तत्पश्चात भारत माता की आरती संपन्न कराया जाकर प्रसाद वितरित किया गया। इस कार्यक्रम में भारी संख्या में हिंदू धर्म प्रेमी महिला पुरुष लोग शामिल रहे।

13हजार मतदाताओं के नाम काटने के जारी की गई नोटिस को देख भड़का जनाक्रोश,जिला पंचायत सदस्य के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन, तहसीलदार को सौंपे ज्ञापन

लोकतंत्र की शान, रामबिहारी पाण्डेय ब्यूरो

सीधी। जिले के सिहावल विधानसभा क्षेत्र में वोटर लिस्ट से नाम काटे जाने को लेकर जनआक्रोश देखा गया है। बताया जा रहा है कि ग्राम बमुरी, मेढ़ौली, राजगढ़, विठौली, कुनझुन बघोर सहित कई ग्राम पंचायतों में बड़ी संख्या में वोटर्स के नाम काटे गए हैं। इस सूची में सर्वाधिक मुस्लिम समाज के लोगों के नाम वोटर लिस्ट से हटाए जाने के आरोप सामने आए हैं। यह कार्रवाई एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) फॉर्म की प्रक्रिया के दौरान हुई। गौरतलब हो कि सिहावल विधानसभा क्षेत्र के लोगों ने इस कार्रवाई के विरोध में सड़कों पर उतर आए और निष्पक्ष जांच की मांग की। प्रदर्शन के दौरान क्षेत्र की जनता और प्रभावित मतदाताओं ने सिहावल तहसीलदार परमसुख बंसल को ज्ञापन दिया। इस मौके पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमान सिंह, जनपद पंचायत सिहावल के उपाध्यक्ष मनोज सिंह, जनपद सदस्य जगजीवन लाल पटेल, रवी सिंह, रामदयाल, इकबाल अंसारी सहित भारी संख्या में नागरिक मौजूद रहे।

त्रुटियों की जांच कर नाम बहाली करने उठाई मांग

विरोध प्रदर्शन करने आए लोगों ने ज्ञापन में कहा कि बिना पर्याप्त सूचना और ठोस कारण के मतदाता सूची से नाम हटाना लोकतांत्रिक अधिकारों पर सीधा प्रहार है। लोगों ने मांग की कि मतदाता सूची में हुई कथित त्रुटियों की पारदर्शी जांच कराई जाए और वास्तविक मतदाताओं के नाम तत्काल बहाल किए जाएं। बता दें कि विरोध प्रदर्शन करने वाले लोगों के भीतर इस तरह से नाम हटाए जाने पर भारी आक्रोश देखने को मिला है। भारी संख्या में पहुंचे लोगों ने तहसीलदार को ज्ञापन देकर तत्काल नियम विरुद्ध तरीके से काटे गए लोगों के नाम जोड़ें जाने सहित दोषियों के खिलाफ कार्यवाही की मांग की है।

13 हजार मतदाताओं के नाम कटने का आरोप

इस दौरान जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमान सिंह ने मीडिया से चर्चा करते हुए आरोप लगाया कि सिहावल विधानसभा क्षेत्र में करीब 13 हजार से अधिक मतदाताओं के नाम गलत तरीके से काटे गए हैं, जिनमें अधिकांश मुस्लिम समाज से हैं। उन्होंने कहा कि एक वर्ग विशेष को लक्षित कर एसआईआर की प्रक्रिया के तहत नाम हटाए गए हैं, जो गंभीर चिंता का विषय है। वहीं इस मामले में तहसीलदार परमसुख बंसल ने बताया कि प्रशासन ने ज्ञापन प्राप्त कर लिया है और मामले की जांच की जा रही है। तहसीलदार ने यह भी कहा कि एसआईआर प्रक्रिया के तहत दावा-आपत्ति का समय दिया गया था और यदि किसी मतदाता का नाम गलती से हट गया है, तो वह संबंधित बीएलओ के पास जाकर अपनी आपत्ति दर्ज करा सकता है। प्रशासन का दावा है कि जहां भी त्रुटियां पाई जाएंगी, उन्हें नियमानुसार दुरुस्त किया जाएगा।

लाडली बेटी तनु ने बढ़ाया गांव का मान,राज्य स्तरीय बांक्सिग प्रतियोगिता में जीती रजत पदक

लोकतंत्र की शान, रामबिहारी पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख

सीधी। लघुवेतन कर्मचारी संघ जिला शाखा सीधी के उपाध्यक्ष अजय सिंह चौहान, निवासी ग्राम डेम्हा की सुपुत्री तनु सिंह चौहान ने एक बार फिर अपने शानदार प्रदर्शन से जिले का नाम रोशन किया है। दिनांक 29 जनवरी को अंडर-17 खेलो एम.पी. के अंतर्गत तात्या टोपे स्टेडियम, भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता में तनु सिंह चौहान ने उत्कृष्ट खेल कौशल का प्रदर्शन करते हुए द्वितीय स्थान प्राप्त किया और रजत पदक अपने नाम किया। उल्लेखनीय है कि तनु सिंह चौहान इससे पूर्व भी जिला, संभाग एवं राज्य स्तर की विभिन्न बॉक्सिंग प्रतियोगिताओं में अनेक पदक जीत चुकी हैं। उनकी यह सफलता उनकी कड़ी मेहनत, अनुशासन और लगन का प्रत्यक्ष प्रमाण है। तनु की यह उपलब्धि न केवल उनके परिवार और संगठन के लिए गौरव का विषय है, बल्कि सीधी जिले की बेटियों के लिए प्रेरणास्रोत भी है। इस सफलता पर कोच सूरज शुक्ला, आदर्श द्विवेदी, विष्णु सिंह सेंगर, जिले के खेल प्रेमियों, सामाजिक संगठनों एवं गणमान्य नागरिकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य एवं आगामी प्रतियोगिताओं में और बेहतर प्रदर्शन की शुभकामनाएं दी हैं।

रेल की पटरियों में बैठकर विरोध करने वालों के खिलाफ कार्रवाई के मूड में रेलवे

लोकतंत्र की शान , रामबिहारी पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख

सीधी। रेलवे स्टेशन पर रेल के रोकने की मांग को लेकर किया प्रदर्शन प्रदर्शन अब नासूर बनने जा रहा है , रेलवे प्रबंधन ने चिंहित लोगों को नोटिस थमा कर जबाब तलब किया है रेलवे के द्वारा आंदोलनकारियों पर की जा रही कार्रवाई से जनाक्रोश भड़क रहा है। जिले के कुसमी विकासखंड अंतर्गत भदौरा में 28 जनवरी को हुए रेल रोको आंदोलन के बाद अब रेलवे प्रशासन द्वारा आंदोलनकारियों को नोटिस भेजे जाने से क्षेत्र में भारी नाराजगी देखने को मिल रही है। आंदोलन के दौरान प्रशासन और रेलवे अधिकारियों द्वारा मांगें पूरी करने तथा आंदोलनकारियों पर कोई मुकदमा दर्ज न करने का स्पष्ट आश्वासन दिया गया था, इसके बावजूद अब करीब 300 से 400 लोगों की पहचान कर उन्हें नोटिस जारी किए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार, रेल रोको आंदोलन के बाद रेलवे विभाग द्वारा चुनिंदा आंदोलनकारियों को चिन्हित कर कानूनी नोटिस भेजे जा रहे हैं। इनमें प्रमुख रूप से आनंद सिंह दुआ, रमेश

पनाडिया, राजकुमार कोल (सरपंच धुआ डॉल), राजेश कोल (शंकरपुर, पूर्व सरपंच), रमेश कोल, श्यामवती सिंह (जनपद अध्यक्ष कुसमी), अखिलेश जायसवाल, प्रवीण सिंह, इंद्रपाल शुक्ला, पवन मिश्रा सहित कई अन्य लोग शामिल हैं। आंदोलनकारियों का कहना है कि यह कार्रवाई प्रशासन के वादों के ठीक विपरीत है। गौरतलब है कि 28 जनवरी को सीधी जिले के भदौरा रेलवे स्टेशन के पास बड़ी संख्या में ग्रामीण, जनप्रतिनिधि और सामाजिक कार्यकर्ता एकत्रित हुए थे। यह आंदोलन पूरी तरह शांतिपूर्ण था, जिसमें क्षेत्र की लंबे समय से लंबित मांगों को उठाया गया था। आंदोलन की प्रमुख मांगों में इंटरसिटी ट्रेन का भदौरा में स्टॉपेज, भदौरा को विधिवत रेलवे स्टेशन का दर्जा दिए जाने सहित अन्य यात्री सुविधाओं की मांग शामिल थी। आंदोलन के दौरान कुछ समय के लिए रेल परिचालन बाधित हुआ था, जिसके बाद प्रशासनिक अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर बातचीत की थी। आंदोलन समाप्त कराने के लिए एसडीएम कुसमी द्वारा आंदोलनकारियों को भरोसा दिलाया गया था कि उनकी मांगों को उच्च स्तर तक पहुंचाया जाएगा और किसी भी आंदोलनकारी पर कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी। इसी आश्वासन के बाद आंदोलन को समाप्त किया गया था। अब नोटिस जारी होने के बाद आंदोलनकारियों का कहना है कि यह प्रशासनिक विश्वासघात है। लोगों में रोष बढ़ता जा रहा है और यदि नोटिस वापस नहीं लिए गए तो आंदोलन को और व्यापक रूप देने की चेतावनी दी जा रही है। क्षेत्र में एक बार फिर आंदोलन की आहट से प्रशासन की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं।

नोबल हार्ट पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल में वार्षिकोत्सव कार्यक्रम एवं मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान

लोकतंत्र कि शान हसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

कटनी। नोबल हार्ट पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल में दिनांक 30 जनवरी 2026 को कक्षा 1 से 5 तक के विद्यार्थियों के लिए भव्य उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा को मंच प्रदान करना तथा उनके आत्मविश्वास को सुदृढ़ करना रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में कटनी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक माननीय संतोष डहरिया जी उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में कटनी ट्रैफिक टीआई माननीय राहुल पांडे जी तथा विशेष अतिथि के रूप में कटनी brc मनोज गौतम जी की गरिमामयी उपस्थिति रही। उत्सव कार्यक्रम के दौरान नन्हे विद्यार्थियों ने मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं, जिन्हें उपस्थित अतिथियों एवं अभिभावकों ने सराहा। कार्यक्रम के विशेष आकर्षण के रूप में मुख्य अतिथियों द्वारा बोर्ड परीक्षा में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। कक्षा 10वीं बोर्ड परीक्षा में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों

में नव्या गर्ग, दीपांशु चौबे एवं अशांक गुप्ता शामिल रहे। वहीं कक्षा 12वीं बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों ध्रुव तिवारी, वशिष्ठ गुरु एवं गणेश लोधी सभी को शील्ड देकर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि कटनी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक माननीय श्री संतोष लहरिया जी ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि शिक्षा ही व्यक्ति, समाज और राष्ट्र के विकास की सबसे मजबूत नींव है। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक स्तर से ही यदि बच्चों में अनुशासन, नैतिक मूल्यों और मेहनत की आदत डाली जाए, तो वे भविष्य में किसी भी क्षेत्र में सफलता प्राप्त कर सकते हैं। श्री डहरिया जी ने विद्यार्थियों से लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर परिश्रम करने का आह्वान किया तथा अभिभावकों और शिक्षकों की भूमिका को भी अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने विद्यालय प्रबंधन द्वारा बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम बच्चों के आत्मविश्वास को बढ़ाने के साथ-साथ उनकी छिपी प्रतिभा को निखारने का कार्य करते हैं। संतोष डहरिया जी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि कठिन परिश्रम, अनुशासन और निरंतर प्रयास से ही सफलता प्राप्त होती है। विशिष्ट अतिथि श्री राहुल पांडे जी एवम brc श्री मनोज गौतम जी ने भी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए विद्यालय के प्रयासों की प्रशंसा की। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के संचालक श्री अनिल गर्ग, प्राचार्य श्रीमती रचना गर्ग एवं समस्त शिक्षकगणों ने कार्यक्रम में पधारे सभी अतिथियों एवं सम्माननीय जनों का हार्दिक आभार व्यक्त किया।

संक्षिप्त समाचार

हॉलीवुड एक्ट्रेस ने मुगल बेगम नूरजहां का ताज-महल नेकलेस पहना, 74 करोड़ कीमत

कैलिफोर्निया। हॉलीवुड एक्ट्रेस मार्गोट रॉबी ने बेगम नूरजहां का 400 साल पुराना नेकलेस (हार) पहना जिसकी चर्चा दुनियाभर में हो रही है। वह अपनी आगामी फिल्म 'वुथरिंग हाइट्स' के प्रचार के लिए बुधवार को रेड कार्पेट पर ग्लैमरस लुक में दिखीं। रॉबी ने लॉस एंजिल्स में फिल्म के वर्ल्ड प्रीमियर पर एक शानदार गाउन पहना था। यह लुक बेहद खूबसूरत और विंटेज स्टाइल का था, लेकिन असली सुर्खियां बटोरीं उनके नेकलेस ने। यह 69.42 कैरेट का हार्ट शेप का टेबल-कट डायमंड है और इसे गोल्ड और रूबी से बनी कार्टियर चेन में सेट किया गया है। इस नेकलेस की कीमत लगभग 8 मिलियन डॉलर (करीब 74 करोड़ रुपये) बताई जा रही है। यह नेकलेस 54 साल पहले, 1972 में अमेरिकी एक्ट्रेस एलिजाबेथ टेलर के पांचवें पति रिचर्ड बर्टन ने उनके 40वें जन्मदिन पर गिफ्ट किया था। ताज महल डायमंड की असली कहानी और भी रोचक है। इसे मुगल सम्राट शाह जहांगीर ने अपनी पत्नी नूरजहां को गिफ्ट किया था। यह दिल के आकार का डायमंड 17वीं सदी का है, जिस पर फारसी भाषा में 'प्यार हमेशा बना रहता है' लिखा है। इस पर नूरजहां का नाम भी उकेरा गया है। बाद में यह उनके बेटे शाहजहां के पास पहुंचा, जिन्होंने इसे अपनी पत्नी मुमताज महल को दिया। मुमताज की मौत के बाद शाहजहां ने ताजमहल बनवाया, जिसके कारण इस डायमंड को ताज महल डायमंड कहा जाने लगा।

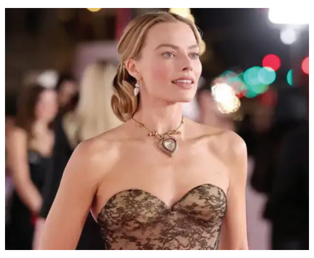

अमेरिका में डंकी रूट से रोज 65 भारतीय पकड़े गए, सालभर में 23 हजार लोग गिरफ्तार हुए

न्यूयॉर्क/नई दिल्ली। अमेरिका में डंकी रूट से एंट्री करने के मामले में बीते एक साल में हर रोज 65 भारतीय पकड़े गए। जनवरी से दिसंबर 2025 के आंकड़ों के अनुसार अमेरिकी बॉर्डर एंड कस्टम ने कुल 23,830 भारतीयों को पकड़ा। विभाग के मुताबिक एंट्री के मामले घटे हैं, लेकिन इस पर पूरी तरह से रोक नहीं लगी है। पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के कार्यकाल में 2024 में कुल 85,119 भारतीय पकड़े गए थे। अधिकारियों ने बताया कि इस बार एक नया ट्रेंड भी सामने आया है। अमेरिका में एंट्री करते पकड़े गए सभी भारतीय सिंगल एंट्री यानी अकेले ही थे। कोई भी भारतीय परिवार के साथ नहीं पकड़ा गया। जबकि 2024 में पकड़े गए भारतीयों में से करीब 20 हजार भाई, पत्नी या बच्चों के साथ अमेरिका में अवैध रूप से एंट्री कर रहे थे। वहीं अमेरिका में कनाडा और मैक्सिको बॉर्डर के बजाय अब तुर्किये-दुबई रूट से अवैध एंट्री के मामले सामने आ रहे हैं। कनाडा बॉर्डर पर साल 2025 में 6968 जबकि मैक्सिको बॉर्डर पर 1543 भारतीय पकड़े गए। सबसे ज्यादा 15,319 दूसरे अमेरिकी शहरों से भारतीय पकड़े गए। सूत्रों के मुताबिक तुर्किये-दुबई रूट से फ्लाइट के द्वारा सीधे अमेरिका में एंट्री कराई जाती है। ज्यादातर केस अमेरिका में वेकेशन वीसा के नाम पर एंट्री और फिर स्टे अवधि को जम्प करने के आ रहे हैं। अमेरिका से 2025 के दौरान कुल 3254 भारतीयों को डिपोर्ट किया गया। ये संख्या 2009 के बाद से सबसे ज्यादा है। 16 साल में 18882 को डिपोर्ट हुए।

शरद पवार बोले-अजित चाहते थे कि दोनों एनसीपी एक हों, सब कुछ तय था, 12 फरवरी को ऐलान होना था

मुंबई। महाराष्ट्र में एनसीपी के दोनों गुटों के विलय पर शरद पवार ने शनिवार को कहा, 'यह अजित पवार की भी इच्छा थी। इसे जरूर पूरा होना चाहिए।' शरद ने कहा कि अजित, शशिकांत शिंदे और जयंत पाटिल ने दोनों गुटों के विलय के बारे में बातचीत शुरू की थी। उन्होंने बताया कि 12 फरवरी को विलय का ऐलान होना था लेकिन दुर्भाग्य से, अजित उससे पहले हमें छोड़कर चले गए। सूत्रों के मुताबिक अजित ने 17 जनवरी को बारामती में शरद पवार से मुलाकात की थी। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि विलय पर चर्चा हुई थी। इस मीटिंग का वीडियो भी सामने आया है। इस मुलाकात के 11 दिन बाद अजित की प्लेन क्रैश में मौत हो गई थी। उधर शरद पवार के बारामती घर पर शनिवार सुबह पवार परिवार की बैठक हुई। इस बैठक में सुप्रिया सुले, रोहित पवार, युगेन्द्र पवार और शरद पवार शामिल हैं। इसके अलावा शरद गुट के नेता भी बैठक में शामिल होने पहुंचे हैं। अजित के निधन के बाद राजनीतिक हलचल तेज होने पर शरद ने कहा- ये सारी चर्चाएं यहां बारामती में नहीं हो रही हैं, ये मुंबई में हो रही हैं। प्रफुल्ल पटेल, सुनील तटकरे और दूसरे सीनियर नेता ये चर्चाएं कर रहे हैं। जो कुछ भी दिख रहा है, ऐसा लगता है कि ये फैसले उन्हीं ने लिए हैं। मैं इस पर कोई टिप्पणी नहीं करूंगा।

उत्तराखंड के कालापानी में पारा माइनस 35°, यूपी में कोहरे में 11 गाड़ियां टकराईं

नई दिल्ली/भोपाल/लखनऊ। देश के उत्तरी इलाकों में एक बार फिर सर्दी लौट आई है। सुबह राजधानी दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, चंडीगढ़, राजस्थान, मध्य प्रदेश और हिमाचल के कई जिलों में घना कोहरा छाया रहा। उत्तर प्रदेश के 4 जिलों, मध्य प्रदेश के 5 जिलों, पंजाब के 4 जिलों, हरियाणा के 3 जिलों और राजस्थान, बिहार के एक-एक जिले में, साथ ही दिल्ली में शनिवार सुबह का तापमान 4 से 8 डिग्री के बीच रहा। हालांकि जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड के ऊंचाई वाले पहाड़ी इलाकों में आज भी बर्फबारी हुई। उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में भारत, नेपाल, चीन बॉर्डर के पास तापमान माइनस 35° रहा है। यहां सर्दी इतनी है कि कुछ देर बाहर रहने पर आंखों में पानी जम जा रहा है। यहां कालापानी इलाके में सशस्त्र सीमा बल के जवान स्पेशल ग्लास लगाकर चीन बॉर्डर पर गश्त कर रहे हैं। यहां नदी, नाले और झरने जम गए हैं। 23 जनवरी के बाद हुई भारी बर्फबारी से नलों और प्राकृतिक स्रोतों का पानी जम चुका है। जम्मू-कश्मीर में तेज सर्दी के 40 दिन का फेज जिसे चिल्लई कलां कहते हैं, वह 30 जनवरी को खत्म हो गया है। इससे जम्मू-कश्मीर में कई इलाकों में रात के मिनिमम टेम्परेचर में बढ़ोतरी हुई है। शुक्रवार को श्रीनगर का तापमान 0°C से बढ़कर 1.30°C पहुंच गया। ये गुरुवार रात को माइनस 0.6°C था। इधर यूपी के लखनऊ, कानपुर, आगरा, बरेली, गाजियाबाद समेत 30 जिले घने कोहरे की चपेट में हैं। कई जिलों में विजिबिलिटी 10 मीटर तक सिमट गई है। दिल्ली-देहरादून हाईवे पर सुबह 6 बजे नंगली गेट के पास 11 गाड़ियां टकराईं। कोहरे की वजह से 4 पिकअप, 5 कार और 2 ट्रक आपस में टकरा गए।

बलूचिस्तान में 12 जगहों पर बलूचों का हमला, 10 पुलिसकर्मियों की मौत

एजेंसी, क्वेटा

पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में शनिवार को बलूच लिबरेशन आर्मी (BLA) ने एक साथ 12 जगहों पर हमले किए। न्यूज एजेंसी AFP के मुताबिक हमलों में कम से कम 10 सुरक्षाकर्मी की मौत हुई है। वहीं, पाकिस्तानी सुरक्षाबलों की जवाबी कार्रवाई में 37 लड़ाके भी मारे गए। एक सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि बलूच विद्रोहियों ने क्वेटा, पसनी, मस्तुंग, नुश्की और ग्वादर जिले में शनिवार सुबह 12 से ज्यादा जगहों पर एक साथ हमले किए। राजधानी क्वेटा में कम से कम चार पुलिसकर्मी मारे गए। हालांकि यह साफ नहीं हो पाया कि यह चार पुलिसकर्मी उन 10 सुरक्षाकर्मियों में शामिल हैं या नहीं। क्वेटा के एक सीनियर अफसर ने यह भी बताया कि लड़ाकों ने नुश्की जिले के डिप्टी कमिश्नर का अपहरण कर लिया है। BLA ने इसे 'ऑपरेशन हेरोफ' का नाम दिया है। हमले के बाद पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ ने बयान जारी कर दावा किया कि इन हमलों के पीछे भारत का हाथ है।

क्वेटा के बाजार पर BLA लड़ाकों का कब्जा: इन हमलों की जिम्मेदारी बलूच लिबरेशन आर्मी ने ली है। संगठन ने कहा कि उसने सैन्य ठिकानों, पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को निशाना बनाया। साथ ही यह भी दावा किया कि मुख्य हाईवे बंद किए गए, ताकि सेना की कार्रवाई में बाधा डाली जा सके। BLA लड़ाकों ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर ये दावा किया है कि उन्होंने क्वेटा के एक बाजार इलाके पर कब्जा कर लिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, हथियारबंद आतंकी बाजार में घुस आए और कुछ समय के लिए पूरे इलाके पर उनका नियंत्रण रहा। हालांकि, इस घटना को लेकर सुरक्षा एजेंसियों की ओर से अभी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

डिप्टी कमिश्नर को किडनैप किया, पीएम शहबाज बोले- इसके पीछे भारत

क्वेटा में सुबह से लगातार धमाके हो रहे: क्वेटा में एएफपी के एक पत्रकार ने बताया कि शहर में कई धमाकों की आवाजें सुनी गईं। पूरे शहर में भारी सुरक्षा तैनात कर दी गई, मुख्य सड़कें सुनसान रहीं और कारोबार ठप हो गया। 38 साल के निजी कर्मचारी अब्दुल वली ने बताया, "सुबह से लगातार धमाके हो रहे हैं।" उनकी मां अस्पताल में भर्ती हैं और उन्हें खून की जरूरत थी। उन्होंने कहा, "पुलिस हम पर बंदूक तानती है और कहती है वापस जाओ, वरना मारेंगे। ऐसे में हम क्या करें?" ये हमले ऐसे समय हुए हैं जब एक दिन पहले ही सेना ने दावा किया था कि उसने बलूचिस्तान में दो अलग-अलग अभियानों में 41 विद्रोहियों को मार गिराया है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने बयान जारी कर दावा किया कि इन हमलों को नाकाम कर दिया गया है। उन्होंने इसके लिए सुरक्षा बलों की तारीफ भी की। उन्होंने कहा कि उन्हें और पूरे देश को अपने शहीदों पर गर्व है। साथ ही उन्होंने इन हमलों के पीछे भारत का हाथ होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि देश से आतंकवाद के पूरी तरह खत्म होने तक यह लड़ाई जारी रहेगी।

पाकिस्तान का सबसे गरीब राज्य बलूचिस्तान: बलूचिस्तान पाकिस्तान का सबसे गरीब प्रांत है, जबकि यहां प्राकृतिक संसाधनों की भरमार है। शिक्षा, रोजगार और आर्थिक विकास के मामले में यह देश के बाकी हिस्सों से काफी पीछे है। यह इलाका लंबे समय से हिंसा और विद्रोह से जूझ रहा है। यह खनिज संसाधनों से भरपूर दक्षिण-पश्चिमी प्रांत है, जिसकी सीमा अफगानिस्तान और ईरान से लगती है। यहां लड़ाके अक्सर सरकारी बलों, विदेशी नागरिकों और दूसरे प्रांतों से आए लोगों को निशाना बनाते हैं। बलूच लिबरेशन आर्मी (BLA) बलूचिस्तान का सबसे सक्रिय अलगाववादी संगठन माना जाता है। पिछले कुछ वर्षों में बलूच अलगाववादियों ने दूसरे प्रांतों से आए पाकिस्तानी मजदूरों और विदेशी कंपनियों पर हमले तेज कर दिए हैं। उनका आरोप है कि ये लोग और कंपनियां बलूचिस्तान के संसाधनों का शोषण कर रही हैं।

रेलूराम हत्याकांड के दोषी बेटी-दामाद दोबारा जेल जा सकते हैं

हिसार। हिसार में पूर्व विधायक रेलूराम हत्याकांड मामले में दोषी बेटी सोनिया और दामाद संजीव की बेल पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी। साथ ही पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट को समयपूर्व हुई रिहाई पर दोबारा विचार करने के निर्देश दिए हैं। हाईकोर्ट ने 9 दिसंबर को उम्रकैद की सजा काट रहे संजीव और सोनिया को 2 महीने की अंतरिम जमानत दी थी। इसके बाद रेलूराम के भतीजों ने सुप्रीम कोर्ट में इस फैसले तो को चुनौती दी थी। हांलाकि जस्टिस दीपांकर दत्ता और सतीश चंद्र शर्मा की बेंच ने कहा कि कंटमप्रेरी अथॉरिटी द्वारा रिव्यू प्रोसेस जारी रहेगी, मगर अंतिम निर्णय को पब्लिक नहीं किया जाएगा। न ही इसे लागू किया जाएगा। बता दें कि 23 अगस्त 2001 में हिसार के लितानी गांव में फॉर्म हाउस में सोनिया ने पति संजीव के साथ मिलकर प्रॉपर्टी के लालच में पिता रेलूराम पूनिया (50), उनकी पत्नी कृष्णा देवी (41), बच्चे प्रियंका (14), सुनील (23), बहू शकुंतला (20), पोता लोकेश (4) और दो पोतियों शिवानी (2) तथा 45 दिन की प्रीति की हत्या कर दी थी। हिसार बार के सीनियर एडवोकेट लाल बहादुर खोवाल ने बताया कि रेलूराम के भतीजों की अपील पर अब सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया है।

कॉन्फिडेंट-ग्रुप चेयरमैन ने आईटी-रेड के दौरान गोली मारकर खुदकुशी की

एजेंसी, बेंगलुरु

कॉन्फिडेंट ग्रुप के चेयरमैन सीजे रॉय ने शुक्रवार को सेंट्रल बेंगलुरु में रिचमंड सर्कल के पास कंपनी के ऑफिस में गोली मारकर आत्महत्या कर ली। पुलिस के मुताबिक, यह घटना दोपहर करीब 3.15 बजे हुई। उन्होंने बताया कि पिछले तीन दिनों से इनकम टैक्स (IT) विभाग की तलाशी चल रही थी। रॉय की सुसाइड के बाद आयकर अधिकारी रेड की प्रोसेस बीच में छोड़कर चले गए।

रॉय की नेटवर्थ 9 हजार करोड़ रुपए थी। उनके पास प्राइवेट जेट और 200 से ज्यादा लग्जरी कारें थीं। इनमें से 12 रोल्स रॉयस भी शामिल हैं। मूल रूप से केरल के रहने वाले रॉय का कारोबार कर्नाटक और दुबई में फैला था। कॉन्फिडेंट ग्रुप केरल और कर्नाटक का रियल एस्टेट डेवलपर है। पुलिस ने बताया कि मौके पर कोई IT अधिकारी मौजूद नहीं था। बेंगलुरु पुलिस जांच के तौर पर IT विभाग से जरूरी जानकारी लेगी। उधर, रॉय की पत्नी और बेटा शनिवार को बेंगलुरु के बॉवरिंग अस्पताल में पोस्टमॉर्टम सेंटर पहुंचे।

पुलिस कानूनी आधार पर देख रही है कि इसे अप्राकृतिक मौत के तौर पर दर्ज किया जाए या आत्महत्या के लिए उकसाने की धाराएं लगाई जाएं। कमिश्नर ने पुष्टि की कि कॉन्फिडेंट ग्रुप के एक डायरेक्टर ने पहले ही शिकायत दर्ज करा दी है। ऑफिस कैम्पस से सबूत जुटाए जा रहे हैं। रिकॉर्ड और बयानों की जांच के बाद और मामला साफ होने की उम्मीद है।

पाकिस्तानी पीएम बोले- कर्ज मांगने में अब शर्म आती है

एजेंसी, इस्लामाबाद

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज ने विदेशी कर्ज पर देश की बढ़ती निर्भरता को लेकर नाराजगी जताई है। न्यूज एजेंसी ANI के मुताबिक, शहबाज ने शुक्रवार को माना कि देश की बदहाल आर्थिक स्थिति के कारण उन्हें बार-बार विदेशी दौरों पर जाकर कर्ज मांगना पड़ा। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री राजधानी इस्लामाबाद में कारोबारी नेताओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, 'मैं आपको बताना चाहता हूं कि जब फील्ड मार्शल आसिम मुनीर और मैं दुनियाभर में पैसे मांगने जाते हैं तो हमें शर्म आती है।' शहबाज ने कहा- कर्ज लेना हमारे आत्मसम्मान पर बहुत बड़ा बोझ है। कई बार हमें कॉम्प्रोमाइज करना पड़ता है। कई बार हम उनकी शर्तों को 'ना' भी नहीं कह पाते।

शहबाज बोले- पाकिस्तान को अब दूसरे रास्ते तलाशने की जरूरत: शहबाज ने यह भी कहा कि कर्ज का बोझ देश की इज्जत पर भारी पड़ रहा है और अब वैकल्पिक आर्थिक रास्ते तलाशने की जरूरत है। उनका बयान ऐसे समय आया है जब पाकिस्तान IMF से मदद और पुराने कर्ज को रोलओवर (आगे बढ़ाने) की कोशिश कर रहा है। पीएम शहबाज के बयान से जाहिर है कि पाकिस्तान गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहा है और अंतरराष्ट्रीय मदद पर बहुत ज्यादा निर्भर हो चुका है। शहबाज ने चीन को "हर मौसम का दोस्त" बताया और कहा कि सऊदी अरब, यूएई और कतर ने भी अच्छे-बुरे हर वक्त में पाकिस्तान का साथ दिया है। पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था इन्हीं देशों के सहारे टिकी हुई है। यही देश विदेशी मुद्रा भंडार को संभालने और भुगतान संतुलन संकट से बचाने में मदद कर रहे हैं।

पाकिस्तान में 80 लाख से ज्यादा लोग बेरोजगार: प्रधानमंत्री ने देश में बढ़ती गरीबी और बेरोजगारी पर भी चिंता जताई। उन्होंने माना कि रिसर्च, डेवलपमेंट और इनोवेशन पर पर्याप्त काम नहीं हुआ। पाकिस्तान में गरीबी बढ़कर आबादी के करीब 45% तक पहुंच गई है। इसकी वजह महंगाई, बाढ़ और आर्थिक अस्थिरता है। बेरोजगारी दर करीब 7.1% हो चुकी है और 80 लाख से ज्यादा लोग बेरोजगार हैं। 2018 में जहां 21.9% लोग गरीबी रेखा से नीचे थे, अब यह आंकड़ा करीब 45% बताया जा रहा है। अत्यधिक गरीबी 4.9% से बढ़कर 16.5% तक पहुंच गई है। पाकिस्तान का निर्यात अब भी कपड़ा उद्योग पर निर्भर है। सॉफ्टवेयर, कृषि और पशुपालन में संभावना है, लेकिन ढांचागत कमजोरियां और कम उत्पादकता विकास में बाधा हैं।

♦ दूसरे देशों के सामने हमारा सिर झुका रहता है, उनकी शर्तें मानना हमारी मजबूरी

देश पर कुल सरकारी कर्ज मार्च 2025 तक 76,000 अरब रुपये से ज्यादा हो चुका है, जो चार साल में लगभग दोगुना हो गया। पाकिस्तान कर्ज चुकाने और डिफॉल्ट से बचने के लिए बार-बार IMF और चीन पर निर्भर है। चीन ने पाकिस्तान को राहत देने के लिए उसका कर्ज लौटाने की समय-सीमा बढ़ा दी है। साल 2024-25 में यह मदद करीब 4 अरब डॉलर की मानी जा रही है। इसके अलावा चीन ने पाकिस्तान में बिजली परियोजनाओं, सड़कों, बंदरगाहों और दूसरे ढांचागत कामों में 60 अरब डॉलर से ज्यादा का निवेश किया है। सऊदी अरब ने दिसंबर 2024 में पाकिस्तान के केंद्रीय बैंक में 3 अरब डॉलर जमा कराए।

पीएम मोदी के पंजाब दौरे से पहले ब्लास्ट की धमकी, मेल में लिखा- निशाने पर डेरा बल्लां

एजेंसी, जालंधर

PM नरेंद्र मोदी के पंजाब दौरे से एक दिन पहले (31 जनवरी को) जालंधर के 4 स्कूलों में बम ब्लास्ट की धमकी मिली है। सूचना मिलते ही थाना-7 अर्बन एस्टेट पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां एक्टिव हो गईं और सर्च ऑपरेशन चलाया। पुलिस ने कहा कि पहले कैंब्रिज स्कूल को धमकी मिली थी। अब 3 और स्कूल- पठानकोट चौक के पास स्थित केएमवी संस्कृति स्कूल, ब्रिटिश ओलिवा स्कूल और सीजेएस पब्लिक स्कूल को धमकी भरा ईमेल भेजा गया।

हालांकि जांच के इस दौरान कुछ नहीं मिला है। आज गुरु रविदास महाराज की जयंती पर शोभायात्रा के चलते जालंधर के स्कूलों की छुट्टी है। कैंब्रिज स्कूल को भेजे गए ईमेल में लिखा गया है कि मोदी के दौरे को लेकर बम ब्लास्ट होगा। मेल को 'बिल्ली हाल' के नाम से भेजा गया। अंदर लिखा- आज 3-4 स्कूलों में बम धमाका होगा। हम गुरु रविदास जी की फुल रिस्पेक्ट करते हैं। लेकिन मोदी खालिस्तान वालों का दुश्मन है।

खालिस्तानियों का बाबा निरंजन दास के साथ कोई गिला-शिकवा नहीं है। मसला मोदी का है। निज्जर की मौत का जिम्मेदार कौन है... बदला...बदला...बदला। निशाने पर डेरा बल्लां। उधर, पीएम मोदी 1 फरवरी को पौने 4 बजे जालंधर पहुंचेंगे और 2 बड़ी सौगात देंगे। इसमें आदमपुर एयरपोर्ट का नामकरण श्री गुरु रविदास जी एयरपोर्ट करेंगे। इसके साथ ही लुधियाना के हलवारा एयरपोर्ट के नए टर्मिनल का वर्चुअली उद्घाटन करेंगे।

♦ 4 स्कूलों में आज धमाका, आदमपुर एयरपोर्ट का नाम बदलेगा

जालंधर में 40 मिनट के करीब रुकेंगे पीएम: पीएम मोदी की सुरक्षा के चलते पुलिस ने पूरा शेड्यूल जारी नहीं किया है। भाजपा नेताओं का कहना है कि पीएम का जालंधर के डेरा बल्ला में करीब 40 मिनट रुकने का प्लान है। इसमें उनकी 15 मिनट की स्पीच भी शामिल है। इसके अलावा पीएम 10 मिनट तक डेरा सचखंड बल्लां के प्रमुख संत निरंजन दास से मुलाकात करेंगे। पंजाब लीडरशिप के साथ भी पीएम की 10 मिनट की मीटिंग होगी। इसके बाद पीएम दिल्ली के लिए वापसी करेंगे।

पास्टर ने तीसरी शादी के लिए युवती किडनैप की

एजेंसी, लुधियाना

लुधियाना में एक पास्टर को चर्च में आई 21 साल की युवती इस कदर पसंद आई कि उसने उसे किडनैप कर लिया। उस पर शादी का दबाव बनाया। जब वह नहीं मानी तो धर्म प्रचार के बहाने उसे घर से उठा लिया। फिर उसे खन्ना स्थित घर में बंधक बना लिया। आरोपी ने पहले ही 2 शादियां कर रखी हैं। परिवार का दावा है कि आरोपी ने उनकी बेटी को घर में पूरी तरह कैद कर रखा। उसके मुंह पर कपड़ा भी बांध रखा था, जिससे वो किसी भी तरह का कॉन्टेक्ट न कर सके। जब परिजनों को इसका पता चला तो निहंग सिंहों की मदद से युवती को पास्टर के चंगुल से छुड़ाया।

युवती ने इसका विरोध किया तो उसका मोबाइल छीनकर जान से मारने की धमकी देने लगा। उधर, मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी पास्टर को हिरासत में ले लिया है। अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

लुधियाना के खन्ना में युवती अपने परिवार के साथ रहती है। युवती की मौसी ने बताया कि 7 जनवरी को पास्टर उनके घर आया और धर्म प्रचार के लिए बेटी को अपने साथ ले गया। वो युवती को हमेशा अपनी बेटी बताता था। इसीलिए किसी ने युवती के जाने का विरोध नहीं किया।

प्रेमानंद महाराज से मिले हरियाणा डिप्टी स्पीकर

एजेंसी, पंचकूला

हरियाणा के डिप्टी स्पीकर डॉ. कृष्ण लाल मिड्ढा ने वृंदावन जाकर प्रेमानंद महाराज से मुलाकात की। कृष्ण मिड्ढा ने इस मुलाकात का एक वीडियो अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया है। कृष्ण मिड्ढा ने प्रेमानंद महाराज से धर्म और करुणा के महत्व और राजनीति को साधना बनाने को लेकर सवाल पूछा। इस पर प्रेमानंद महाराज ने कहा कि निर्णय लेते हुए हमेशा धर्म देखना चाहिए। करुणा से पक्षपात होता है।

वहीं, साधना के सवाल पर प्रेमानंद महाराज ने कहा कि समाज को सुख पहुंचाना ही सबसे बड़ी साधना है। भगवान का नाम जपते हुए अपने कर्तव्यों का पालन करें।

डिप्टी स्पीकर कृष्ण मिड्ढा ने बुधवार (28 जनवरी) को वृंदावन जाकर प्रेमानंद महाराज के दर्शन किए।

मिड्ढा ने सवाल किया कि मुझे बहुत से निर्णय लेने होते हैं, निर्णय लेते समय में धर्म और करुणा को कैसे प्राथमिकता दूं? प्रेमानंद महाराज ने कहा कि निर्णय में करुणा को प्राथमिकता नहीं देनी चाहिए। निर्णय में धर्म देखा जाता है, करुणा नहीं। करुणा में पक्षपात होता है। अगर करुणा आ गई, तो पक्षपात ले लेगी। जैसे, यदि आपको निर्णय करना है, और आपका पुत्र अपराधी है, जबकि शत्रु का पुत्र निरपराध है, तो आपको करुणा नहीं, धर्म के अनुसार शत्रु के पुत्र को मुक्त करना होगा और अपने पुत्र को दंड देना होगा।

शाह बोले- बंगाल में एसआईआर से घुसपैठिए बाहर होंगे

एजेंसी, कोलकाता

गृहमंत्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल के नॉर्थ 24 परगना में कहा कि, ममता सरकार घुसपैठियों को संरक्षण दे रही है। बंगाल के लोग TMC को उखाड़ फेकेंगे। इनकी विदाई का समय आ गया है। ममता जी को SIR का जितना विरोध करना हैं कर लें। मतदाता सूची से घुसपैठियों को निकालना ही पड़ेगा। जो बचे घुसपैठिये रह जाएंगे वो भाजपा का सीएम आकर निकाल देगा। साल 2026 TMC को 'टाटा, बाय-बाय' कहने का साल है।

साल 2026 TMC को 'टाटा, बाय-बाय' कहने का साल है। TMC तो कम्युनिस्टों से भी आगे निकल गई है। जब मैं पहले आया था, तो मैंने कहा था कि पश्चिम बंगाल में भारी बहुमत से BJP की सरकार बनेगी। उस समय ममता बनर्जी मेरा मजाक उड़ा रही थीं। लेकिन जब भगवान राम ने राम सेतु बनाया था, तो रावण ने भी इसी तरह उनका मजाक उड़ाया था। 2024 में तीन दशक के बाद पहली बार मोदी लगातार तीसरी बार इस देश के प्रधानमंत्री बने हैं। 24 में ही हमने आंध्र प्रदेश में सरकार बनाई। हमने ओडिशा में सरकार बनाई। अरुणाचल में तीसरी बार सरकार बनाई। 2025 में हरियाणा, महाराष्ट्र और दिल्ली में 30 साल के बाद सरकार बनाई और 25 का अंत आते-आते बिहार में भी प्रचंड बहुमत के साथ भाजपा और एनडीए की सरकार बनी।

जितने भी लोग आजादी के संघर्ष में शहीद हुए, जिन्हें फांसी के फंदे पर लटकाया गया उनका आखिरी शब्द भी वंदे मातरम् ही था। मोदी सरकार ने वंदे मातरम् के 150 साल पूरे देश में मनाने का निर्णय लिया है। मगर विडंबना देखिए कि वंदे मातरम् का उद्भव बंगाल की माटी से हुआ, बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय जी ने किया। उसी वंदे मातरम् पर जब संसद में चर्चा हो रही थी, तो ममता बनर्जी के सांसद उस चर्चा का विरोध कर रहे थे। आनंदपुर में लगी आग कोई हादसा नहीं है। 25 लोगों की जान चली गई है, और 27 लोग लापता हैं। यह घटना क्यों हुई? इस मोमो फैक्ट्री में किसका पैसा लगा है? मोमो फैक्ट्री के मालिक कौन हैं? आनंदपुर गोदाम में लगी आग चिल्ला-चिल्लाकर कह रही है कि इसमें ममता बनर्जी के लोग शामिल हैं। अगर ममता बनर्जी इसे छिपाना चाहती हैं, लेकिन अप्रैल के बाद, जब बीजेपी सरकार आएगी, तो हम इस आग के दोषियों को चुन-चुनकर जेल भेजेंगे। दरअसल 26 जनवरी को आनंदपुर में एक फैक्ट्री में आग लगने से 25 लोगों की मौत हो गई थी। अमित शाह दो दिन के पश्चिम बंगाल दौरे पर हैं। वे शुक्रवार रात कोलकाता पहुंचे थे। नॉर्थ परगना के बैरकपुर में रैली को संबोधित करने के बाद वे दोपहर 2 बजे बागडोगरा चले जाएंगे। जहां वह उत्तर बंगाल के पार्टी नेताओं के साथ एक संगठनात्मक बैठक में शामिल होंगे।

♦ जो रह जाएंगे उनको भाजपा का सीएम निकाल देगा; ये साल टीएमसी को 'टाटा, बाय-बाय' कहने का है

बढ़ती आत्महत्याओं की घटनाएं एक वैश्विक चुनौती-राष्ट्रीय आत्महत्या रोकथाम रणनीति 2030 की घोषणा- एक समग्र विश्लेषण

लोकतंत्र की शान

» सभी देशों को आत्महत्या रोकथाम को अपनी राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति का हिस्सा बनाना समय की माँग
» आत्महत्या केवल व्यक्तिगत समस्या नहीं,बल्कि वैश्विक चुनौती हैं,इसके समाधान के लिए सरकारों,अंतरराष्ट्रीय संगठनों,समुदायों और परिवारों को मिलकर काम करना होगा। एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

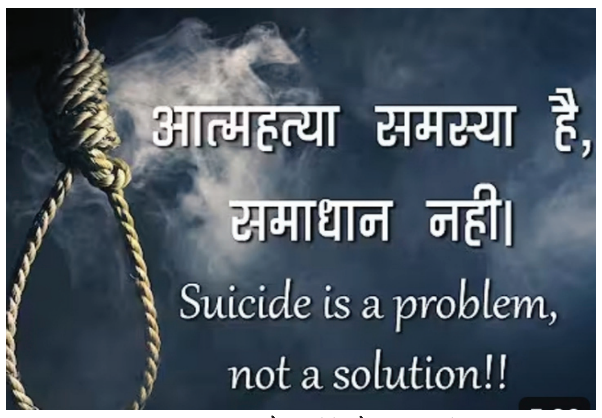

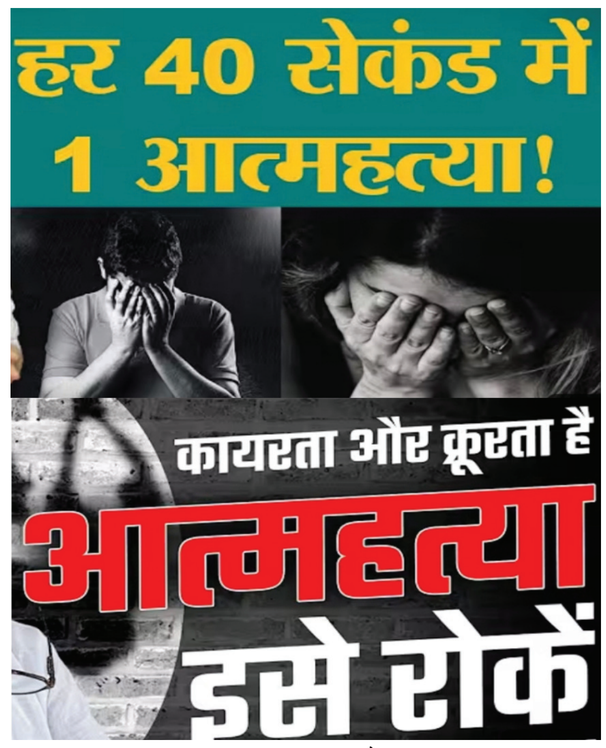

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर मानव सभ्यता की प्रगति के साथ -साथ मानसिक,सामाजिक और आर्थिक जटिलताएँ भी बढ़ती गई हैं। इन्हीं जटिलताओं से जुड़ा एक अत्यंत गंभीर विषय है,आत्महत्या। यह केवल किसी व्यक्ति का निजी निर्णय नहीं होता,बल्कि इसके पीछे सामाजिक्र मनोवैज्ञानिक,e सांस्कृतिक और आर्थिक कारकों का गहरा प्रभाव होता है। अंतरराष्ट्रीय स्तरपर आत्महत्या को सार्वजनिक स्वास्थ्य की सबसे गंभीर चुनौतियों में से एक माना जाता है।विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) के अनुसार, हर साल लगभग 7 लाख लोग आत्महत्या करके अपनी जान गंवाते हैं, जिसका अर्थ है कि हर 40 सेकंड में एक व्यक्ति आत्महत्या करता हैं। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि इससे यह स्पष्ट होता है कि यह केवल व्यक्तिगत समस्या नहीं,बल्कि वैश्विक संकट है। जिसका समाधान अब अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सम्मिट बुलाकर करना समय की मांग है। बता दे भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने राष्ट्रीय आत्महत्या रोकथाम रणनीति की घोषणा की है।यह देश में अपनी तरह का पहला कार्यक्रम है जिसमें वर्ष 2030 तक आत्महत्या मृत्यु दर में 10 पर्सेंट की कमी लाने के लिये समयबद्ध कार्य योजना और बहु-क्षेत्रीय सहयोग शामिल है।यह रणनीति आत्महत्या की रोकथाम के लिये विश्व स्वास्थ्य संगठन की दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र रणनीति के अनुरूप है। साथियों बात अगर हम आत्महत्या क्या है और क्यों की जाती है? किस देश में सबसे ज्यादा आत्महत्या होती है?इसको समझने की करें तो, आत्महत्या का सामान्य अर्थ है, व्यक्ति द्वारा जानबूझकर अपनी जान लेना। यह निर्णय किसी क्षणिक आवेग का नहीं, बल्कि लंबे समय तक चले मानसिक और सामाजिक दबाव का परिणाम होता है। डब्लूएचओ की 2023 की रिपोर्ट के अनुसार, आत्महत्या करने वालों में से लगभग 77 पर्सेंट लोग निम्न और मध्यम आय वाले देशों से होते हैं,जहाँ मानसिक स्वास्थ्य सेवाएँ सीमित होती हैं और सामाजिक कलंक के कारण लोग मदद माँगने से कतराते हैं। आत्महत्या के मुख्य कारणों में डिप्रेशन,बाइपोलर डिसऑर्डर, सिज़ोफ्रेनिया, नशे की लत, तथा सामाजिक अलगाव प्रमुख हैं। इसके अलावा रिश्तों में असफलता, बेरोजगारी, आर्थिक तंगी,घरेलू हिंसा और युवाओं पर शिक्षा व करियर का दबाव भी आत्महत्या के प्रमुख कारक हैं।वैश्विक स्तर परआत्महत्या की दर हर देश में अलग-अलग है।डब्ल्यूएचओ की 2022 की रिपोर्ट बताती है कि लिथुआनिया दक्षिण कोरिया,रूस, गुयाना और जापान जैसे देशों में प्रति 1 लाख आबादी पर आत्महत्या दर सबसे अधिक दर्ज की गई है। उदाहरण के लिए, लिथुआनिया में यह दर लगभग 25.7 प्रति 1 लाख है, जबकि दक्षिण कोरिया में लगभग 20.2 प्रति 1 लाख। वहीं भारत और चीन जैसे देशों में कुल आत्महत्याओं की संख्या सबसे अधिक है,क्योंकि यहाँ जनसंख्या बहुत बड़ी है। भारत में राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरब) 2022 की रिपोर्ट के अनुसार, एक साल में 1.64 लाख से अधिक आत्महत्याएँ दर्ज की गईं, यानें हर दिन औसतन 450 से अधिक लोग आत्महत्या करते हैं। इनमें सबसे अधिक संख्या दैनिक वेतन बोगियों, छात्रों और किसानों की है। जापान में आत्महत्या लंबे समय से सामाजिक समस्या रही है,जहाँ हर साल लगभग 20,000 से अधिक लोग जीवन समाप्त कर लेते हैं। साथियों बात अगर हम आत्महत्या केवल व्यक्तिगत समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक चुनौती होने की करें तो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह स्वीकार किया गया है कि आत्महत्या को केवल व्यक्तिगत समस्या मानना उचित नहीं है।डब्ल्यूएचओ और अंतर्राष्ट्रीय आत्महत्या रोकथाम संघ (आईएएसपी) के विशेषज्ञ मानते हैंकि आत्महत्या दरअसल मानसिक,सामाजिक,आर्थिक और सांस्कृतिक कारकों का परिणाम है।2021 में संयुक्त राष्ट्र (यूएन) द्वारा जारी एक रिपोर्ट में कहा गया कि आत्महत्या की बढ़ती घटनाओं के पीछे गरीबी, सामाजिक असमानता, लैंगिक भेदभाव और शिक्षा का अभाव जैसी समस्याएँ भी प्रमुख रूप से जिम्मेदार हैं।युवाओं मेंआत्महत्या की दर विशेष रूप से चिंताजनक है।15-29 वर्ष आयु वर्ग में आत्महत्या मृत्यु का चौथा सबसे बड़ा कारण है। डिजिटल युग में साइबर बुलिंग, ऑनलाइन दबाव और सोशल मीडिया की अवास्तविक अपेक्षाएँ भी युवाओं को आत्महत्या की ओर धकेल रही हैं। साथियों बात अगर हम आत्महत्या रोकने के उपायों की करें तो शोध और डेटा संग्रह आत्महत्या रोकथाम की दिशा में सबसे महत्वपूर्ण कदम है। डब्लूयुएचओ की "मेन्टल हेल्थ अटलस 2020" रिपोर्ट बताती है कि दुनियाँ के 80 पर्सेंट से अधिक देशों में आत्महत्या से संबंधित डेटा उपलब्ध नहीं है या अधूरा है। इससे नीतियों का निर्माण कठिन हो जाता है। आईएएसपी लगातार इस दिशा में अनुसंधान और प्रशिक्षण को बढ़ावा दे रहा है। अमेरिका और यूरोप के देशों ने आत्महत्या रोकथाम पर व्यापक शोध कियाe है,जिससे यह साबित हुआ है कि कॉग्निटिव बिहेवियरल थेरेपी (सीबीटी), साइकोसोशल सपोर्ट, हेल्पलाइन सेवाएँ और सामुदायिक सहयोग आत्महत्या रोकने में बहुत प्रभावी हैं।पेशेवरों को प्रशिक्षित करना भी इस दिशा में अत्यंत आवश्यक है डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट के अनुसार, दुनियाँ भर में प्रति 1 लाख लोगों पर औसतन केवल 13 मानसिक स्वास्थ्य पेशेवर हैं, जबकि विकसित देशों में यह अनुपात बहुत अधिक है। इस असमानता के कारण निम्न और मध्यम आय वाले देशों में आत्महत्या रोकथाम चुनौतीपूर्ण बन जाती है। यदि डॉक्टर, शिक्षक, सामाजिक कार्यकर्ता और पुलिसकर्मी आत्महत्या के संकेतों को पहचानने और सही समय पर हस्तक्षेप करने में प्रशिक्षित हों, तो कई जिंदगियाँ बचाई जा सकती हैं। साथियों बात अगर हम आत्महत्याओं को रोकने के लिए शिक्षा और संवाद की आवश्यकता सबसे मजबूत हथियार होने की करें तो, आईएएसपी और डब्लूयुएचओ दोनों ही यह मानते हैं कि सार्वजनिक जागरूकता से आत्महत्या की प्रवृत्ति को काफी हद तक कम किया जा सकता है। डब्लूयुएचओ की 2022 की रिपोर्ट में यह उल्लेख किया गया है कि मानसिक स्वास्थ्य पर संवाद बढ़ाने से आत्महत्या दर में 20 पर्सेंट तक की कमी लाई जा सकती है।आज भी अधिकांश समाजों में मानसिक स्वास्थ्य और आत्महत्या को लेकर सामाजिक कलंक मौजूद है। लोग इस विषय पर बात करने से कतराते हैं।इसका परिणाम यह होता है कि पीड़ित व्यक्ति अकेलेपन और शर्मिंदगी का शिकार हो जाता है। युवाओं के बीच संवाद को बढ़ावा देना और उन्हें यह समझाना कि मदद माँगना कमजोरी नहीं बल्कि साहस है,अत्यंत आवश्यक है। स्कूलों और विश्वविद्यालयों में काउंसलिंग सेवाएँ, हेल्पलाइन नंबर, मानसिक स्वास्थ्य कार्यशालाएँ शुरू करना उपयोगी साबित हो सकता है। उदाहरण के लिए, दक्षिण कोरिया और जापान ने स्कूल स्तरपरमानसिक स्वास्थ्य शिक्षा लागू की है, जिससे आत्महत्या की दर कम करने में मदद मिली है। साथियों बात अगर हम आत्महत्या की रोकथाम के वैज्ञानिक और सामाजिक उपायों की करें तो,आत्महत्या रोकथाम के लिए बहुआयामी उपाय आवश्यक हैं।डब्लूयुएचओ की "लाइव लाइफ" रणनीति (2021) में चार प्रमुख उपाय सुझाए गए हैं (1) हानिकारक साधनों की उपलब्धता को कम करना (जैसे कीटनाशक, आग्नेयास्त्र,दवाइयाँ), (2) मीडिया रिपोर्टिंग के लिए जिम्मेदार दिशानिर्देश बनाना,(3) किशोरों और युवाओं में सामाजिक व भावनात्मक कौशल विकसित करना,(4) जल्दी पहचान और सहायता उपलब्ध कराना।इन उपायों से आत्महत्या की दर में उल्लेखनीय कमी लाई जा सकती है। उदाहरण के लिए, श्रीलंका ने कीटनाशकों पर प्रतिबंध लगाकर आत्महत्या की दर को 70 पर्सेंट तक घटा दिया। इसी तरह ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन ने हेल्पलाइन और काउंसलिंग सेवाओं का विस्तार करके आत्महत्या रोकथाम में सफलता प्राप्त की हैं। साथियों बात अगर हम इसका रोकथाम दिवस मनाकर इसपर जबरदस्त नियंत्रण की करें तो,10 सितंबर को विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस मनाया जाता है,आत्महत्या की समस्या वैश्विक है और इसका समाधान भी वैश्विक सहयोग से ही संभव है।डब्लूएचओ, आईएएसपी और यूएन लगातार आत्महत्या रोकथाम पर काम कर रहे हैं। जिसका उद्देश्य जागरूकता फैलाना और सामूहिक प्रयासों को बढ़ावा देना है।भविष्य की दिशा यह होनी चाहिए कि सभी देश आत्महत्या रोकथाम को अपनी राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति का हिस्सा बनाएँ। डिजिटल तकनीक का उपयोग करके एआई आधारित हेल्पलाइन, 24x7 ऑनलाइन काउंसलिंग, मोबाइल एप्स विकसित किए जाएँ, ताकि संकट की घड़ी में लोग तुरंत मदद पा सकें। इसके अलावा आत्महत्या के प्रयास करने वालों को अपराधी मानने की बजाय रोगी समझा जाए और उन्हें उचित चिकित्सा एवं परामर्श दिया जाए। अतः अगर हम अपने पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि इस प्रकार, आँकड़ों और अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों के आधार पर यह स्पष्ट है कि आत्महत्या केवल व्यक्तिगत समस्या नहीं है, बल्कि एक जटिल सामाजिक और वैश्विक चुनौती है। इसके समाधान के लिए सरकारों, अंतरराष्ट्रीय संगठनों, समुदायों और परिवारों को मिलकर काम करना होगा।

-संकलनकर्ता लेखक - कर विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए(एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र
9226229318

15वीं सदी के महान समाज सुधारक थे संत रविदास

लेखक- - योगेश कुमार गोयल

समस्त भारतीय समाज को भेदभाव से ऊपर उठकर मानवता और भाईचारे की सीख देने वाले 15वीं सदी के महान् समाज सुधारक संत रविदास का जन्म वाराणसी के गोवर्धनपुर गांव में माघ पूर्णिमा के दिन हुआ था। इसीलिए प्रतिवर्ष माघ पूर्णिमा के ही दिन उनकी जयंती मनाई जाती है। इस वर्ष माघ पूर्णिमा 1 फरवरी को है, इसीलिए इसी दिन संत रविदास जयंती मनाई जा रही है। महान् संत, समाज सुधारक, साधक और कवि रविदास ने जीवन पर्यन्त छुआछूत जैसी कुरीतियों का विरोध करते हुए समाज में फैली तमाम बुराईयों के खिलाफ पुरजोर आवाज उठाई और उन कुरीतियों के खिलाफ निरन्तर कार्य करते रहे। उनका जन्म ऐसे विकट समय में हुआ था, जब समाज में घोर अंधविश्वास, कुप्रथाओं, अन्याय और अत्याचार का बोलबाला था, धार्मिक कट्टपंथता चरम पर थी, मानवता कराह रही थी। उस जमाने में मध्यमवर्गीय समाज के लोग कथित निम्न जातियों के लोगों का शोषण किया करते थे। ऐसे विकट समय में समाज सुधार की बात करना तो दूर की बात, उसके बारे में सोचना भी मुश्किल था लेकिन जूते बनाने का कार्य करने वाले संत रविदास ने आध्यात्मिक ज्ञान अर्जित करने के लिए समाधि, ध्यान और योग के मार्ग को अपनाते हुए असीम ज्ञान प्राप्त किया और अपने इसी ज्ञान के जरिये पीड़ित समाज एवं दीन-दुखियों की सेवा कार्य में जुट गए। उन्होंने अपनी सिद्धियों के जरिये समाज में व्याप्त आडम्बरों, अज्ञानता, झूठ, मक्कारी और अधार्मिकता का भंडाफोड़ करते हुए समाज को जागृत करने और नई दिशा देने का प्रयास किया। संत रविदास को 'रैदास' के नाम से भी जाना जाता है। वे गंगा मैया के अनन्य भक्त थे। संत रविदास को लेकर 'मन चंगा तो कठौती में गंगा' कहावत बहुत प्रचलित है। इस कहावत का संबंध संत रविदास की महिमा को परिलक्षित करता है। वे जूते बनाने का कार्य किया करते थे और इस कार्य से उन्हें जो भी कमाई होती, उससे वे संतों की सेवा किया करते और उसके बाद जो कुछ बचता, उसी से परिवार का निर्वाह करते थे। एक दिन रविदास जूते बनाने में व्यस्त थे कि तभी उनके पास एक ब्राह्मण आया और उनसे कहा कि मेरे जूते टूट गए हैं, इन्हें ठीक कर दो। रविदास उनके जूते ठीक करने लगे और उसी दौरान उन्होंने ब्राह्मण से पूछ लिया कि वे कहां जा रहे हैं? ब्राह्मण ने जवाब दिया, ''मैं गंगा स्नान करने जा रहा हूं पर चमड़े का काम करने वाले तुम क्या जानो कि इससे कितना पुण्य मिलता है!'' इस पर रविदास जी ने कहा कि आप सही कह रहे हैं ब्राह्मण देवता, हम नीच और मलिन लोगों के गंगा स्नान करने से गंगा अपवित्र हो जाएगी। जूते ठीक होने के बाद ब्राह्मण ने उसके बदले उन्हें एक कौड़ी मूल्य देने का प्रयास किया तो संत रविदास ने कहा कि इस कौड़ी को आप मेरी ओर से गंगा मैया को 'रविदास की भेंट' कहकर अर्पित कर देना। ब्राह्मण गंगाजी पहुंचा और स्नान करने के पश्चात् जैसे ही उसने रविदास द्वारा दी गई मुद्रा यह कहते हुए गंगा में अर्पित करने का प्रयास किया कि गंगा मैया रविदास की यह भेंट स्वीकार करो, तभी जल में से स्वयं गंगा मैया ने अपना हाथ निकालकर ब्राह्मण से वह मुद्रा ले ली और मुद्रा के बदले ब्राह्मण को एक सोने का कंगन देते हुए वह कंगन रविदास को देने का कहा। सोने का रत्न जड़ित अत्यंत सुंदर कंगन देखकर ब्राह्मण के मन में लालच आ गया और उसने विचार किया कि घर पहुंचकर वह यह कंगन अपनी पत्नी को देगा, जिसे पाकर वह बेहद खुश हो जाएगी। पत्नी ने जब वह कंगन देखा तो उसने सुझाव दिया कि क्यों न रत्न जड़ित यह कंगन राजा को भेंट कर दिया जाए, जिसके बदले वे प्रसन्न होकर हमें मालामाल कर देंगे। पत्नी की बात सुनकर ब्राह्मण राजदरबार पहुंचा और कंगन राजा को भेंट किया तो राजा ने ढ़ेर सारी मुद्राएं देकर उसकी झोली भर दी। राजा ने प्रेमपूर्वक वह कंगन अपनी महारानी के हाथ में पहनाया तो महारानी इतना सुंदर कंगन पाकर इतनी खुश हुई कि उसने राजा से दूसरे हाथ के लिए भी वैसे ही कंगन की मांग की। राजा ने अगले ही दिन ब्राह्मण को दरबार बुलाया और उसे वैसा ही एक और कंगन लाने का आदेश देते हुए कहा कि अगर उसने तीन दिन में कंगन लाकर नहीं दिया तो वह दंड का पात्र बनेगा।

विकास योजनाओं में वित्तीय अनुशासन व श्रमदान : बजटीय उपबंध का सशक्त विकल्प

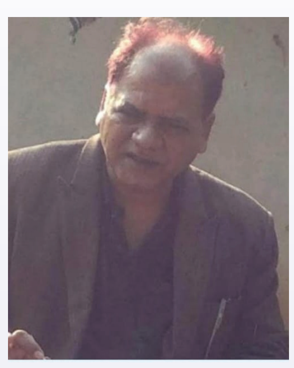

राजेश पाठक

1 फरवरी 2026 को वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए केंद्रीय बजट वित्त मंत्री द्वारा संसद पटल पर प्रस्तुत किया जाना है। बजट में आय-व्यय के लेखा जोखा के साथ-साथ सरकार को जिन महत्वपूर्ण बिंदुओं को ध्यान में रखना चाहिए वे हैं - वित्तीय अनुशासन व श्रमदान। सरकार द्वारा जिन विकास योजनाओं को मूर्त रूप दिया जाता है उन सारी योजनाओं के निर्माण की रूपरेखा तय किए जाने से लेकर उनके पूर्ण होने तक में वित्तीय अनुशासन का ख्याल रखा जाना परमावश्यक है। जितना यह आवश्यक है कि कोई भी विकास योजना निर्धारित समय सीमा के अंदर पूर्ण हो,उतना ही इस सन्दर्भ में यह भी आवश्यक है कि वह योजना मूल्य प्रभावी हो । इस हेतु किसी भी योजना के हर स्तर पर कुशल वित्तीय प्रबंधन की जरूरत है । मैंने विकास योजनाओं के निर्माण एवं क्रियान्वयन के उस पक्ष पर बल दिया है जिसपर ध्यान केन्द्रित करने से विकास योजनाओं पर किए जाने वाले व्यय को सीमित कर योजना मद में व्यय की जाने वाली राशि के दोहराव पर भी प्रभावशाली अंकुश लगाया जा सकता है । अध्ययन एवं पर्यवेक्षण से पता चलता है कि राज्य सरकार द्वारा विभिन्न विकास मदों में प्रत्येक वर्ष भवनों के निर्माण ,ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में पी0सी0सी0 पथ के साथ -साथ तालाब-घाटों ,जाहेरथान एवं कब्रिस्तान की घेराबंदी जैसी योजनाएंसंचालित की जाती हैं जिसमें करोड़ों रू0 की राशि खर्च होती है। थोड़ा सा कुशल वित्तीय प्रबंधन कर इन योजनाओं में व्यय की जाने वाली राशि में से जनोपयोगी बचत की जा सकती है। प्रथमः एक से अधिक भवन विहीन विभागों के कार्यालय भवनों के निर्माण की स्थिति में एक ही स्थान पर बनने वाले विभिन्न विभागों के भवनों को पृथक-पृथक आधार तल वाले भवनों के रूप में उनका निर्माण न कर एक ही आधार तल के ऊपर कम से कम एक और भी ऊपरी तल का निर्माण किया जाना चाहिए एवं आवश्यकतानुसार एक से अधिक विभागों द्वारा उसे उपयोग में लाया जाना चाहिए । इससे भवन निर्माण योजना मद की राशि की बचत होगी । दूसरी ओर आधार तल के छत का निर्माण इस प्रकार की रूप रेखा वाला हो कि उस पर एक से अधिक तल बनाया जा सके।ऐसा करने से आधार तल पर होने वाले दोहरे खर्च से बचा जा सकता है,साथ ही साथ उपयोग में लाए जाने वाले भू-क्षेत्र की भी बचत होगी।

दूसरेः शहरी एवं ग्रामीण गलियों का वह हिस्सा, जहां भारी वाहनों का परिचालन नहीं होता है, जिसमे मॉडल प्राक्कलन के आधार पर 04 ईंच पी0सी0सी0 पथ ढलाई कराए जाने का वर्तमान प्रावधान है,में आवश्यक बदलाव लाकर भी विकास योजना मद की करोड़ों राशि की बचत की जा सकती है। यह सर्वविदित है कि जिन क्षेत्रों /गलियों में भारी या मंझोले वाहनों का परिचालन लगभग शून्य है वहां पी0सी0सी0 पथ की ढलाई हेतु 03 इंच का प्रावधान किया जाना चाहिए । एकदम ही अंदर की गलियों में जहां लोग पैदल ही चलते हैं वहां तो 02 ईंच पी0सी0सी0 पथ ढलाई से वर्षों तक पथ टिकाऊ बना रहता है । आवश्यकता इस बात की है कि प्राथमिकता के आधार पर इन क्षेत्रों की पहचान की जानी चाहिए एवं प्रशासनिक तथा तकनीकि स्वीकृति के दौरान इस संवेदनशील वित्तीय पक्ष का प्रभावी ढंग से अनुसरण भी किया जाना चाहिए । तीसरेः तालाब-घाटों का निर्माण,जाहेरथान की घेराबंदी एवं कब्रिस्तान घेराबंदी जैसी योजनाओं के निर्माण में पूर्ण श्रमदान या फिर आंशिक रूप से किसी खास सीमा तक श्रमदान के प्रावधान को अपनाकर भी विकास योजना मद में व्यय की जाने वाली करोड़ों राशि की बचत की जा सकती है। यह विदित है कि इन योजनाओं के निर्माण का खास धार्मिक एवं सांस्कृतिक पक्ष है । इन योजनाओं के निर्माण के साथ लोगों की धार्मिक एवं सांस्कृतिक आस्थाएँ जुड़ी रहती हैं।लोगों की आस्था इस प्रकार की योजनाओं में इतनी जुड़ी रहती है कि कहीं-कहीं सामाजिक संगठन के क्रियाशील सदस्यों द्वारा पूर्ण श्रमदान एवं आपसी लोगों के बीच दान/चन्दा द्वारा धन उगाही कर इन योजनाओं का विधिवत निर्माण कर लिया जाता है। अतः ऐसी योजनाओं के निर्माण में सरकार द्वारा श्रमदान की व्यवस्था की दिशा में समुचित विचार कर योजनाओं के निर्माण में कम से कम योजना लागत के दस से बीस प्रतिशत की राशि तक श्रमदान किए जाने का प्रावधान किया जाना चाहिए । आमजनों के बीच श्रम दान को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से सभी श्रमदाताओं को पंचायत या प्रखंड स्तर पर नामित पदाधिकारियों द्वारा इस आशय का प्रमाण पत्र दिया जाना चाहिए एवं योजना शिलापट्ट पर भी श्रम दाताओं के नाम अंकित किए जाने चाहिए।ऐसा किए जाने से श्रमदान की प्रवृति में आने वाली क्रांति का उपयोग हम राज्य के अन्तर्गत उन क्षेत्रों में भी कर सकेंगे जो आज तक अदृश्य हैं।

चौथेः विकास योजनाओं को निर्धारित समय-सीमा के अन्दर पूर्ण कर लिए जाने से भी हम विकास योजनाओं में होने वाले अतिरिक्त व्यय की बचत कर सकते हैं । कभी-कभी ऐसी स्थिति आती है कि समय पर योजनाओं के निर्माण नहीं होने से योजनाओं के निर्माण-लागत में वृद्धि हो जाती है । इस हेतु सरकारी प्रावधानों के अन्तर्गत कार्य-प्राक्कलनों में पुनरीक्षण कर उनका अद्यतीकरण कर बढ़े संशोधित मूल्य पर कार्य निर्माण कराया जाता है । सरकार को चाहिए कि जब भी कार्य प्राक्कलनों में समय पक्ष के चलते हुई मूल्य वृद्धि के आधार पर पुनरीक्षण किया जाना जरूरी हो तो पहले वह इसकी समीक्षा करे कि कार्य में विलम्ब के लिए कौन-कौन से व्यक्ति /पदधारी जिम्मेवार हैं ,फिर उसकी समीक्षा कर दायित्व तय करते हुए योजना लागत के अतिरेक की समानुपातिक वसूली दोषी व्यक्तियों से करे न कि सरकारी राजस्व से उस अतिरेक मूल्य की पूर्ति की व्यवस्था करे । उपर्युक्त सुझाए गये उपायों को अपना कर सरकार अपनी विकास योजनाओं में होने वाले व्यय का कुशल प्रबंधन कर पायेगी एवं योजना व्यय में से होने वाली बचत राशि का उपयोग अन्य आवश्यक क्षेत्रों में कर विकास प्रशासन के लक्ष्य को सहजता से हासिल कर सकेगी।

(लेखक झारखंड सरकार के योजना एवं विकास विभाग में सांख्यिकी अधिकारी हैं)

केन्द्र सरकार की आम बजट 2026ः उम्मीदों की झोली या उपेक्षा का दस्तावेज

विनोद कुमार सिंह स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तम्भकार

देश की धड़कन संसद में,जनता की निगाहें वित्त मंत्री सीता रमण पर कुछ ही घंटे शेष हैं।संसद के भीतर केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का बजट भाषण तैयार है और संसद के बाहर पूरा देश सांस रोके बैठा है।1 फरवरी 2026 को पेश होने वाला आम बजट केवल सरकारी खाते-बही का दस्तावेज नहीं, बल्कि करोड़ों नागरिकों की उम्मीदों,आशंकाओं और अपेक्षाओं की कसौटी है।यह वही घड़ी है जब तय होगा कि आर्थिक सर्वेक्षण में खींची गई तस्वीर को वित्त मंत्री कितनी मजबूती देती हैं और क्या यह बजट सचमुच जनता के जीवन में राहत की बारिश करेगा या फिर आंकड़ों की चकाचौंध में आम आदमी को एक बार फिर खाली हाथ लौटना पड़ेगा।आर्थिक सर्वेक्षण ने तस्वीर रख दी,अब बजट जवाब देगा।आर्थिक सर्वेक्षण ने एक तरफ भारत की मजबूत जीडीपी ग्रोथ,नियंत्रित महंगाई और वैश्विक अस्थिरता के बीच देश की स्थिरता को रेखांकित किया है।वित्त मंत्री ने स्वयं कहा है कि भारत दुनिया के लिए "ग्लोबल ब्राइट स्पॉट" है। 2025-26 में 7.4 प्रतिशत विकास दर का अनुमान भारत को लगातार चौथे वर्ष सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बनाता है।लेकिन सवाल यह है - क्या यह चमक आम आदमी के घर तक पहुंची है? क्या विकास के ये आंकड़े किसान की खेत-मेड़ पर,मजदूर की थाली में और युवा की नौकरी में बदल पाए हैं?अर्थव्यवस्था की तस्वीर जितनी उजली है,चुनौतियां उतनी ही गहरी हैं। रोजगार,ग्रामीण मांग,राज कोषीय घाटा और महंगाई—ये ऐसे मोर्चे हैं जहां सिर्फ भाषण नहीं, ठोस फैसले चाहिए। आम आदमीः हर बजट में सबसे बड़ा दर्शक,सबसे बड़ा पीड़ित हर वर्ष बजट आता है और हर वर्ष आम आदमी वही सवाल पूछता है—"इस बार मेरे लिए क्या?" महंगाई ने ग्रहणी की रसोई को जकड़ रखा है।शिक्षा और स्वास्थ्य खर्च लगातार बढ़ रहा है।मध्यम वर्ग टैक्स के बोझ से दबा है।गरीब कल्याण योजनाओं पर निर्भर है। आम बजट का असली मतलब तभी होगा जब यह आम आदमी के जीवन में राहत लाएगा।वरना यह "आम बजट" नहीं, सिर्फ सरकारी औपचारिकता बनकर रह जाएगा।

मध्यम वर्गः टैक्स राहत नहीं मिली तो नाराजगी तय है।मध्यम वर्ग इस बजट की सबसे बड़ी उम्मीद है और सबसे बड़ा दबाव भी।इस वर्ग को इनकम टैक्स में राहत,स्लैब में बदलाव, स्टैंडर्ड डिडक्शन बढ़ाने और होम लोन ब्याज छूट की सीमा बढ़ने की आस है। ऐसे मे क्या सरकार इस वर्ग को राहत देगी या फिर एक बार फिर "धैर्य रखिए" कहकर टाल देगी? दिलचस्प बात यह है कि गूगल ट्रेंड्स बताता है कि बजट के दिनों में "इनकम टैक्स" से ज्यादा "बजट" शब्द सर्च होता है।यानी जनता सिर्फ टैक्स नहीं, पूरे भविष्य का जवाब चाहती है।किसानः सम्मान निधि बढ़ेगी या सिर्फ आश्वासन मिलेगा? -देश का किसान इस बजट की सबसे बड़ी निगाह है। उम्मीद की जा रही है कि पीएम किसान सम्मान निधि की राशि 6,000 से बढ़ाकर 12,000 रुपये की जा सकती है।सरकार बताती है कि 11 करोड़ किसानों को अब तक 4.09 लाख करोड़ रुपये दिए जा चुके हैं। लेकिन सवाल यह है—क्या यह पर्याप्त है? किसान आज भी खाद-बीज की कीमतों, सिंचाई की कमी और एमएसपी की अनिश्चितता से जूझ रहा है। यदि बजट किसान को केवल योजनाओं के आंकड़े देगा,तो यह राहत नहीं,छलावा कहलाएगा। महिलाएंः लाभार्थी नहीं,भागीदार बनें -महिलाओं को उम्मीद है कि उज्ज्वला जैसी योजनाओं का विस्तार होगा, महिला उद्यमियों को सस्ते लोन मिलेंगे और कामकाजी महिलाओं के लिए टैक्स में विशेष छूट आएगी।यहाँ पर सवाल उठना स्वाभाविक है—क्या बजट महिलाओं को केवल लाभार्थी बनाएगा या आर्थिक विकास की असली भागीदार?यदि महिला सशक्तिकरण सिर्फ घोषणाओं तक सीमित रहा, तो यह भी उपेक्षा का ही दूसरा नाम होगा।युवाः रोजगार चाहिए,भाषण नहीं देश का युवा आज सबसे बड़ा प्रश्न है।स्टार्टअप्स,स्किल डेवलपमेंट,शिक्षा ऋण में राहत और रोजगार सृजन—यही उनकी अपेक्षा है।लेकिन युवा को अब "भविष्य उज्ज्वल है" जैसे वाक्य नहीं चाहिए।उसे नौकरी चाहिए,अवसर चाहिए,स्थिरता चाहिए।अगर बजट रोजगार के मोर्चे पर ठोस कदम नहीं उठाता, तो विकास दर के सारे आंकड़े खोखले साबित होंगे।कर्मचारी और पेंशनर्सः 8वें वेतन आयोग का इंतजार -सरकारी कर्मचारियों और पेंशनर्स के लिए बजट भाषण बेहद महत्वपूर्ण है।8वें वेतन आयोग की सिफारिशों को लागू करने के लिए यदि बजट में फंड का प्रावधान हुआ,तो उम्मीदें पंख पकड़ेंगी। वरना यह वर्ग भी खुद को उपेक्षित महसूस करेगा।

बाजार और निवेशकः बजट का असर सिर्फ शेयर नहीं,भरोसे पर भी बजट से पहले सोने-चांदी में भारी गिरावट बाजार की बेचैनी का संकेत है।निवेशकों के लिए बजट अनिश्चितता और अवसर दोनों है। एसबीआई सिक्योरिटीज की रिपोर्ट बताती है कि बजट के बाद बाजार में 70 प्रतिशत से ज्यादा बार रिकवरी देखी गई है। लेकिन बाजार का असली आधार भरोसा है, और भरोसा तभी टिकेगा जब बजट में स्थिरता और स्पष्ट दिशा होगी। बजट 2026ः बड़ा धमाका या धीमी रणनीति? -एमके ग्लोबल ने इसे "लो-इम्पैक्ट इवेंट" कहा है। बड़े सुधार पहले ही हो चुके हैं, इसलिए नई घोषणाओं की गुंजाइश सीमित है। पर जनता को "गुंजाइश" नहीं चाहिए,उसे राहत चाहिए।उसे भरोसा चाहिए कि सरकार विकास को जमीन पर उतारेगी। संक्षेप हम कह सकते है कि यह बजट जनता की झोली भरेगा या उम्मीदें फिर टाल देगा?देश की स्थिति उस किसान जैसी है जो आसमान की ओर देख रहा है—बारिश होगी या नहीं। आम बजट 2026 से अपेक्षा है कि जीवन सस्ता हो रोजगार बढ़े, किसान मजबूत हो, महिलाएं सशक्त हों और मध्यम वर्ग को राहत मिले,लेकिन अगर यह बजट सिर्फ आंकड़ों और योजनाओं का दस्तावेज बनकर रह गया,तो यह "आम बजट" नहीं, "उपेक्षा बजट" कहलाएगा।अब फैसला संसद में होगा। कुछ ही घंटों में तय हो जाएगा कि यह बजट जनता की उम्मीदों का पर्व बनता है या एक और अधूरी कहानी।

पूर्व क्रिकेट इंटरनेशनल अंपायर रघुवीर सिंह का निधन

2 इंटरनेशनल टेस्ट और 7 वन-डे में की थी अंपायरिंग, पंजाब राज्यपाल कटारिया रहे स्टूडेंट

उदयपुर (एजेंसी)। उदयपुर के इंटरनेशनल क्रिकेट अंपायर प्रोफेसर रघुवीर सिंह राठौड़ (88) का शुक्रवार शाम निधन हो गया। प्रो. राठौड़ दो इंटरनेशनल क्रिकेट टेस्ट मैच और 7 इंटरनेशनल वन-डे में अंपायरिंग कर चुके हैं। वे सेंट्रल जोन (यूपी, एमपी, विदर्भ, रेलवे, राजस्थान) से निकले हुए पहले इंटरनेशनल टेस्ट अंपायर थे। करीब 11 साल तक राजस्थान रणजी टीम के सदस्य भी रह चुके थे। अशोक नगर निवासी प्रो.राठौड़ 15 दिन से अस्वस्थ थे। वे हॉस्पिटल में भर्ती थे। शाम करीब 4 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली।वे मोहनलाल सुखाड़िया यूनिवर्सिटी में भूगोल विषय के प्रोफेसर रह चुके हैं। उनके मित्र पूर्व इंटरनेशनल अंपायर बलवंत शर्मा ने कहा- पंजाब राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया, पूर्व सांसद नमोनारायण मीणा और पूर्व आईएएस धर्मसिंह सागर सहित कई नामी लोग उनके स्टूडेंट रहे हैं।

चांदी के बढ़ते दामों के बीच प्रतिका रावल ने दिखाई दिलचस्पी

बेचने को लेकर यूजर्स से मांगी राय

नई दिल्ली (एजेंसी)। चांदी के लगातार बढ़ते दामों पर भारतीय महिला टीम की स्टार ओपनर प्रतिका रावल ने दिलचस्पी दिखाई है। उन्होंने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर यूजर्स से राय मांगी। बता दें कि, भारत में पहली बार चांदी की वायदा कीमतें चार लाख रुपये प्रति किलोग्राम का आंकड़ा छू गई हैं। बाजार विश्लेषकों की मानें तो वैश्विक स्तर पर जिस तरह का माहौल है, उस लिहाज से चांदी की कीमत कम होने की संभावना नहीं दिखती।

प्रतिका ने मांगी यूजर्स से राय

प्रतिका रावल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, मेरे पास 15 किलो चांदी है जो मैंने 75 हजार में खरीदी थी और बहुत से लोग मुझे इसे बेचने की सलाह दे रहे हैं, क्या मुझे इसे बेच देना चाहिए? या इसके और बढ़ने का इंतजार करना चाहिए? हमने इसे कोविड के समय खरीदा था।

पीवी सिंधु इंडोनेशिया मास्टर्स के क्वार्टरफाइनल में

टॉप सीड चेन यू फी से होगी टक्कर

जकार्ता (एजेंसी)। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु ने दाइहात्सु इंडोनेशिया मास्टर्स 2026 के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है। अब शुक्रवार को उनका सामना टॉप सीड चीन की चेन यू फी से होगा। हेड-टू-हेड रिकॉर्ड में चेन यू फी 7-6 से आगे हैं, ऐसे में मुकाबला बेहद रोमांचक होने की उम्मीद है।

प्री-क्वार्टरफाइनल में सिंधु ने डेनमार्क की लाइन होजमार्क कजर्सफेल्ट को 43 मिनट चले मुकाबले में 21-19, 21-18 से हराकर शानदार जीत दर्ज की।

इससे पहले सातवीं सीड लक्ष्य सेन ने भी दमदार प्रदर्शन करते हुए हांगकांग के जेसन गुनावन को महज 43 मिनट में 21-10, 21-11 से मात दी। लक्ष्य का अगला मुकाबला थाईलैंड के पानित्चाफोन टीरारत्सकुल से होगा।

वहीं युवा खिलाड़ी अनमोल खरब ने पूर्व वर्ल्ड नंबर-1 और ओलंपिक कांस्य पदक विजेता नोजोमी ओकुहारा को कड़ी टक्कर दी।

अनमोल ने पहला गेम 21-16 से जीता, लेकिन बाद के गेम गंवाकर मुकाबला हार गईं।

दूसरी ओर, पुरुष एकल में किदांबी श्रीकांत और पुरुष युगल में हरिहरन अमसकारुणन/एम आर अर्जुन का सफर टूर्नामेंट में समाप्त हो गया।

● आज सेमीफाइनल का टिकट पक्का करने उतरेगी भारतीय अंडर-19 टीम

पाकिस्तान से हिसाब होगा चुकता?

बुलावायो (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान की अंडर-19 टीमों के बीच रविवार को विश्व कप का मैच खेला जाएगा। सेमीफाइनल में पहुंचने के लिहाज से दोनों टीमों के लिए यह मैच काफी अहम है। पांच बार की चैंपियन भारतीय अंडर-19 टीम का सामना सुपर सिक्स के मुकाबले में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से रविवार को होगा। पाकिस्तान ने विश्व कप से पहले एशिया कप के फाइनल में भारतीय टीम को हराया था और अब आयुष म्हात्रे की अगुआई वाली टीम के पास पाकिस्तान से हिसाब चुकता करने का मौका रहेगा। भारतीय टीम अब तक टूर्नामेंट में अजेय चल रही है और पाकिस्तान के खिलाफ जीत दर्ज करते हुए वह सेमीफाइनल में जगह बना लेगी।

क्या बरकरार रहेगी नो हैंडशेक नीति

पाकिस्तान ने दिसंबर में अंडर-19 एशिया कप के फाइनल में पाकिस्तान को 191 रनों से हराया था। अब भारतीय टीम इसी हार का बदला चुकता करने उतरेगी। माना जा रहा है कि पाकिस्तान के खिलाफ भारतीय टीम नो हैंडशेक की नीति बरकरार रखेगी। भारतीय टीम के खिलाफ मैच के दौरान या मैच के बाद पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिला रहे हैं।

● **शानदार लय में है भारत-** भारतीय टीम अब तक अंडर-19 विश्व कप में शानदार लय में है। भारत ने अपने अभियान की शुरुआत अमेरिका को छह विकेट से हराकर की थी। इसके बाद बांग्लादेश और न्यूजीलैंड को ग्रुप चरण में हराया था। सुपर सिक्स चरण के पहले मैच में भारत ने जिम्बाब्वे को 204 रनों से हराया था। हालांकि, पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबला आसान नहीं रहेगा क्योंकि हाल ही में म्हात्रे की अगुआई वाली टीम को पाकिस्तान से हार मिली थी।

● **भारत का मजबूत पक्ष-** विकेटकीपर बल्लेबाज अभिज्ञान कुंडू शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने चार मैच में 183 रन बनाए हैं और उनका सर्वोच्च स्कोर 80 रन है। टीम के स्टार सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी लय में हैं।

पाकिस्तान ने की है वापसी

पाकिस्तान ने इंग्लैंड के खिलाफ अपना शुरुआती मैच गंवाया था, लेकिन इसके बाद उसने स्कॉटलैंड और जिम्बाब्वे के खिलाफ अगले दो मुकाबले जीते थे। सुपर सिक्स चरण में पाकिस्तान ने न्यूजीलैंड को आठ विकेट से हराया था और वह भारत के खिलाफ बढ़े मनोबल के साथ उतरेगी। ओपनर समीर मिनहास ने टूर्नामेंट में प्रभावित किया है और वह दो अर्धशतक लगा चुके हैं। मिनहास ने एशिया कप फाइनल में भारत के खिलाफ 172 रन बनाए थे।

किस तरह पाकिस्तान को बाहर कर सकता है भारत?

सेमीफाइनल के लिए तीन टीमों ने क्वालिफाई कर लिया है। ऑस्ट्रेलिया, अफगानिस्तान और इंग्लैंड अंतिम चार में पहुंच चुके हैं और अब सिर्फ एक स्थान शेष है। भारत ने अपने सभी मैच जीते हैं और वह छह अंक लेकर इंग्लैंड के बाद दूसरे स्थान पर मौजूद है। भारत का नेट रन रेट भी +3.337 का है। भारत अगर रविवार को पाकिस्तान को हरा देता है तो वह सेमीफाइनल में पहुंच जाएगा और पाकिस्तान का सफर सुपर सिक्स चरण में ही थम जाएगा। इतना ही नहीं, अगर किसी तरह पाकिस्तान ने भारत को हरा भी दिया तो दोनों टीमों के एक समान छह अंक होंगे। भारत का नेट रन रेट पाकिस्तान से बेहतर है और इसमें बड़ा बदलाव नहीं हुआ तो भी टीम सेमीफाइनल में पहुंच सकती है।

चोटिल पैट कमिंस टी-20 वर्ल्ड कप टीम से बाहर

● बेन ड्वारशुइस को मौका, मिचेल मार्श कप्तानी करेंगे; 3 नए प्लेयर्स को मौका

मेलबर्न (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस 7 फरवरी से शुरू हो रहे टी-20 वर्ल्ड कप से बाहर हो गए हैं। वे बैक इंजरी से रिकवर नहीं हो पाए हैं। उनकी जगह लेफ्टी पेसर बेन ड्वारशुइस को मौका दिया गया है। कमिंस के अलावा, मैथ्यू शॉर्ट भी अपनी जगह नहीं बच सके हैं। उनके स्थान पर मैट रैनशॉ को चुना गया है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने शनिवार को टीम का ऐलान किया। मिचेल मार्श को कप्तानी दी गई है। वहीं, जेवियर बार्टलेट, कूपर कोनली और मैथ्यू कुह्नेमन जैसे युवाओं को मौका दिया गया है। ऑस्ट्रेलियाई टीम 11 फरवरी को कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में आयरलैंड के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी।

फिलहाल, ऑस्ट्रेलियाई टीम पाकिस्तान के खिलाफ 3 टी-20 मैचों की सीरीज खेल रही है। टीम को पहले मैच में 22 रन की पराजय झेलनी पड़ी। सीरीज का दूसरा मैच आज शाम 4:30 बजे से लाहौर में खेला जाएगा।

3 प्लेयर्स वर्ल्ड कप डेब्यू करेंगे- स्पिनर मैथ्यू कुह्नेमन, ऑलराउंडर कूपर कोनोली और तेज गेंदबाज जेवियर बार्टलेट को पहली बार टी-20 वर्ल्ड कप टीम में मौका मिला है। कूपर कोनोली का चयन चौंकाने वाला रहा, क्योंकि उन्होंने पिछले 12 टी-20 इंटरनेशनल मैचों में हिस्सा नहीं लिया था। टिम डेविड और ग्लेन मैक्सवेल और मार्कस स्टोयनिस अपनी जगह बचाने में कामयाब रहे हैं।

यूएस एसईसी केस में अदाणी भाइयों ने कानूनी नोटिस लेने पर जताई सहमति

नई दिल्ली, एजेंसी। अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड ने स्टॉक एक्सचेंज को जानकारी दी कि गौतम अदाणी और सागर अदाणी के वकीलों ने अमेरिका की प्रतिभूति व विनिमय आयोग द्वारा 2024 में दायर सिविल आरोपों के मामले में सर्विस स्वीकार करने की अर्जी दाखिल की है। यह मामला न्यूयॉर्क के ईस्टर्न डिस्ट्रिक्ट की यूनाइटेड स्टेट्स डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में चल रहा है।सर्विस स्वीकार करने का मतलब कंपनी के मुताबिक, अमेरिकी न्यायिक प्रक्रिया में सर्विस स्वीकार करने का मतलब यह होता है।

एफडी नहीं अब शेयर बाजार में ज्यादा निवेश कर रहे भारतीय

नई दिल्ली, एजेंसी। साल 2020 में घोटाला1992 वेब सीरीज आई थी। इसमें हर्षद मेहता का किरदार प्रतीक गांधी ने निभाया है। हर्षद मेहता को कभी शेयर मार्केट की दुनिया का किंग कहा जाता था। इस वेब सीरीज में प्रतीक गांधी का एक डायलॉग है- इश्क है तो रिस्क है। यह डायलॉग वह शेयर मार्केट में उतरते समय अपने भाई से कहते है। ऐसा ही कुछ अब भारतीयों के साथ भी हो रहा है। वह इसलिए क्योंकि अब भारतीयों के निवेश का तरीका बदल गया है। रिजर्व बैंक की रिपोर्ट के मुताबिक वे अब शेयर मार्केट में ज्यादा निवेश करते हैं।

शेयर मार्केट में रिटर्न ज्यादा मिलने की उम्मीद होती है। लेकिन पैसा डूब भी सकता है।

इसलिए इसमें रिस्क भी ज्यादा है। अगर आपको ज्यादा रिटर्न से प्यार है तो रिस्क ले सकते हैं। भारतीय भी अब ज्यादा रिटर्न के लिए रिस्क ले रहे हैं। वित्त वर्ष 2012 में लोग अपनी कुल बचत का 57.9 प्रतिशतहिस्सा बैंक जमा (एफडी या बचत खाता) में रखते थे। यह वित्त वर्ष 2025 में घटकर 35.2 प्रतिशत रह गया है। इससे पता चलता है कि अब लोग शेयर बाजार जैसे निवेश के उन विकल्पों में पैसा लगाने से नहीं हिचकिचा रहे हैं जिनमें थोड़ा जोखिम होता है। रिजर्व बैंक के हालिया आंकड़ों के मुताबिक कुल घरेलू वित्तीय संपत्तियों में शेयर और इन्वेस्टमेंट फंड की हिस्सेदारी मार्च 2025 तक बढ़कर 23 प्रतिशत हो गई है। छह साल पहले यह 15.7 प्रतिशत थी।

सेल का तीसरी तिमाही का शुद्ध मुनाफा दोगुने से ज्यादा

नईदिल्ली, एजेंसी। स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) का एकीकृत शुद्ध मुनाफा दिसंबर में समाप्त तीसरी तिमाही में दोगुना से ज़्यादा होकर 374.03 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। आमदनी बढ़ने से कंपनी का मुनाफा बढ़ा है। कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर अवधि में 141.89 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा कमाया था। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कंपनी ने कहा कि तिमाही के दौरान उसकी कुल आय एक साल पहले की समान अवधि के 24,723.43 करोड़ रुपये से 11 प्रतिशत बढ़कर 27,545.93 करोड़ रुपये हो गई। एक अलग बयान में, कंपनी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) अमरेंदु प्रकाश ने कहा, हमने मुनाफे में सुधार किया है, जिसमें कर बाद मुनाफा वित्त वर्ष 2025-26 के नौ महीनों में सालाना आधार पर 60 प्रतिशत बढ़ा है। ...मज़बूत बिक्री को घरेलू मांग और बेहतर बाजार पैठ से समर्थन मिला।

40 प्रतिशत गिर गया अनिल अंबानी की कंपनी का मुनाफा, 28 के स्तर पर है शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस पावर ने वित्त वर्ष 2025-26 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। इस तिमाही में कंपनी का मुनाफा 40 प्रतिशत से अधिक की गिरावट के साथ 25.11 करोड़ रुपये रह गया। रिलायंस पावर ने वित्त वर्ष 2024-25 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 41.95 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया था। तिमाही मे दौरान कंपनी की कुल आय घटकर 1,949.78 करोड़ रुपये रह गई जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 2,159.44 करोड़ रुपये थी।

रिलायंस पावर का तीसरी तिमाही में कुल खर्च पिछले साल की इसी अवधि के 2109 करोड़ की तुलना में 12 प्रतिशत घटकर 1849 करोड़ हो गया लेकिन इस अवधि में टैक्स खर्च के कारण कंपनी के नेट मुनाफे पर असर पड़ा। कंपनी की फाइनेंसिंग कॉस्ट में कमी और इस्तेमाल किए गए

फ्यूल की लागत में गिरावट, फाइनेंशियल ईयर 2025-26 के अक्टूबर से दिसंबर तिमाही में कुल खर्चों में कमी के मुख्य कारण थे। कंसोलिडेटेड फाइनेंशियल स्टेटमेंट से यह भी पता चला कि कंपनी ने 2025-26 में खत्म होने वाले फाइनेंशियल ईयर की तीसरी तिमाही में कुल 75.02 करोड़ का टैक्स खर्च रिकॉर्ड किया जबकि पिछले साल इसी अवधि में टैक्स का बोझ 7.93 करोड़ था। कंपनी ने 30 जनवरी 2026 को मार्केट बंद होने के बाद अपने दिसंबर तिमाही के नतीजे घोषित किए। हस्थ डेटा के अनुसार शुक्रवार के स्टॉक मार्केट सेशन के बाद रिलायंस पावर के शेयर पिछले मार्केट सेशन के 27.80 के मुकाबले 1.91 प्रतिशत बढ़कर 28.26 पर बंद हुए। शेयर के 52 हफ्ते का हाई 76.49 रुपये और 52 हफ्ते का लो 26.83 रुपये है। रिलायंस पावर के शेयरों ने पिछले पांच सालों में स्टॉक मार्केट इन्वेस्टर्स को उनके इन्वेस्टमेंट पर 757 प्रतिशत से ज्यादा रिटर्न दिया है और पिछले तीन सालों में 126 प्रतिशत से ज्यादा रिटर्न दिया है। हालांकि, कंपनी के शेयरों में पिछले एक साल में 26.82 प्रतिशत की गिरावट आई है। साल-दर-साल आधार पर, कंपनी का स्टॉक 2026 में अब तक 18.49 प्रतिशत गिरा है।

डिविडेंड का भी ऐलान, स्टॉक का भाव 50 से कम

नई दिल्ली, एजेंसी। बोनस शेयर देने वाली कंपनियों की लिस्ट में एक और नाम शामिल होने जा रहा है। हम बात कर रहे हैं बीटूबी सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी लिमिटेड की। कंपनी ने निवेशकों के लिए बोनस शेयर और डिविडेंड का भी ऐलान किया गया है। आइए डीटेल्स में जानते हैं। बीटूबी सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी लिमिटेड ने एक्सचेंज को दी जानकारी में बताया है कि 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले दो शेयर पर 1 शेयर बोनस दिया जाएगा। कंपनी ने इस बोनस शेयर के लिए अभी तक रिकॉर्ड डेट का ऐलान नहीं किया है। बता दें, बीटूबी सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी लिमिटेड पहली बार निवेशकों को बोनस शेयर दे रही है। कितना डिविडेंड दे रही है कंपनी एक्सचेंज को दी जानकारी में बीटूबी सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी लिमिटेड ने 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर पर 1 रुपये का डिविडेंड देने का फैसला किया है।

पटरी पर दौड़ेगा एआई और स्लीपर वंदे भारत का विजन

रेलवे को मिल सकता है 2.80 लाख करोड़ का रिकॉर्ड आवंटन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रेलवे के लिए वित्त वर्ष 2026-27 बदलाव का बड़ा पड़ाव साबित होने जा रहा है। आगामी बजट में रेल मंत्रालय को 2.70 लाख करोड़ से 2.80 लाख करोड़ के बीच ऐतिहासिक आवंटन मिलने की उम्मीद है। सरकार का फोकस नई घोषणाओं तक ही सीमित नहीं है, बल्कि वेटिंग लिस्ट के पुराने संकट को तकनीकी नवाचार से खत्म करने पर है। रेल मंत्री के 52 हफ्तों में 52 सुधार के फॉर्मूले की झलक बजट के हर प्रावधान में स्पष्ट रूप से दिखाई देगी। कई सौगातें छिपी हैं। जून तक 8 नई स्लीपर वंदे भारत चलाने का लक्ष्य है, जबकि पूरे वर्ष में ऐसी 12 ट्रेनों की सौगात मिल सकती है। मध्य वर्ग के यात्रियों के लिए अमृत भारत ट्रेनों का विस्तार जारी रहेगा। मार्च तक अमृत भारत का नया वर्जन

3.0 (पूरी तरह एसी कोच के साथ) लाने की तैयारी है। इसके लिए इंटीग्रल कोच फैक्ट्री (आईसीएफ) तेजी से रैक तैयार कर रही है। दो वर्षों में वेटिंग लिस्ट की समस्या कम करने के लिए रेलवे अतिरिक्त कोच और नई पीढ़ी की ट्रेनों पर जोर देगा। बजट में ट्रैक दोहरीकरण, नई लाइनों के विस्तार व इंजन निर्माण के लिए पूंजीगत व्यय में बढ़ोतरी होगी। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत सैकड़ों स्टेशनों के कायाकल्प को और गति दी जाएगी। पर्यावरण अनुकूल संचालन के लिए ग्रीन स्टेशन और नेट-जीरो कार्बन उत्सर्जन की दिशा में भी नए बजटीय प्रावधान संभव हैं। रेलवे की आय बढ़ाने के लिए सरकार माल ढुलाई पर विशेष ध्यान दे रही है। डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर को बंदरगाहों, औद्योगिक क्षेत्रों और लॉजिस्टिक्स पार्कों से जोड़ने के लिए निवेश बढ़ाया जाएगा। इससे न केवल परिवहन लागत घटेगी, बल्कि माल ढुलाई का बड़ा हिस्सा सड़क से रेल की ओर शिफ्ट होगा। स्टार्टअप्स को रेलवे प्लेटफॉर्म मुहैया कराने और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए भी बजट में विशेष फंड का प्रावधान किया जा सकता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेलः- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)